* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

12 अगस्त, 2024
श्रावण, शुक्ल पक्ष, अष्टमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

सोमवार, वर्ष 09, अंक 293

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

सरकार बदलने के संवाहक बनें विस्तारक कार्यकर्ता : बाबूलाल मरांडी

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

जन-मुहिम में बदली मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना

22 लाख से अधिक बहनों ने भरा फॉर्म : हेमंत सोरेन

इसी महीने पहली किस्त बैंक खाते में भेजने की तैयारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को मिले राज्य की बहनों के प्यार पर खुशी जतायी है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल कर कहा है कि मेरी शक्ति मेरे राज्यवासियों, यह अत्यंत उत्साहजनक समाचार है कि जेएमएमएसवाइ योजना में रविवार सुबह 11 बजे तक 22 लाख से अधिक बहनों ने सफलतापूर्वक फॉर्म भरा है। यह संख्या 26 लाख पार करने की संभावना है। पंचायत, प्रखंड, जिला और राज्य स्तर के हर कर्मी की मेहनत सराहनीय है, उनके कारण ही यह योजना एक जन-मुहिम में बदल गयी है। साथ ही मैं इंडिया समेत सभी दलों के सभी कार्यकर्ताओं और अधिकारियों के प्रति तहे दिल से धन्यवाद व्यक्त करता हूं कि वे पूरे दिल से बहनों तक इस योजना

को पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आप सबको पुनः जोहार। मंईयां सम्मान योजना को लेकर रविवार को भी प्रज्ञा केंद्रों और शिविरों में महिलाओं की भीड़ देखी गयी।

क्या है झारखंड सरकार की मंईयां सम्मान

झारखंड सरकार की ओर से मंईयां सम्मान योजना के तहत राज्य की 50 लाख महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये सम्मान राशि देने का फैसला लिया गया है। उम्मीद की जा रही है कि अगले कुछ दिनों के दौरान इस योजना के तहत 50 लाख महिलाओं का रजिस्ट्रेशन कर लिया जायेगा। मंईयां सम्मान योजना को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद काफी गंभीर नजर आ रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से यह कोशिश की जा रही है कि इसी महीने से रजिस्ट्रेशन कराने वाली महिलाओं के बैंक खाते में एक हजार रुपये की राशि का ट्रांसफर शुरू हो जाये। इस योजना के तहत 21 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को सहायता राशि का लाभ मिलेगा, लेकिन इसके लिए झारखंड का निवासी होना आवश्यक है।

पीएम मोदी ने फसलों की 109 किस्में जारी कीं

जलवायु का असर होगा कम, किसानों को मिलेगा लाभ

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में फसलों की 109 उच्च उपज वाली, जलवायु अनुकूल एवं जैव-सुदृढ़ किस्में जारी कीं। पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों से भी बातचीत की। इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाना है। इन किस्मों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) ने विकसित किया है और ये कुल 61 फसलों से संबंधित हैं। इनमें 34 खेतों में लगायी जाने वाली और 27 बागवानी की फसलें हैं। मोदी ने दिल्ली के पूसा परिसर में तीन प्रायोगिक कृषि भूखंडों पर बीजों को पेश किया। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य संभावित फसलों सहित विभिन्न अनाज के बीज जारी किये गये। वहीं, बागवानी फसलों में फलों, सब्जियों, बागानों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी वर्ष 2014 से ही किसानों की आय बढ़ाने के लिए टिकाऊ खेती के तरीकों और जलवायु अनुकूल तरीकों की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने लगातार जैव-सुदृढ़ किस्मों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है और कुपोषण से निपटने के लिए उन्हें मध्याह्न भोजन योजना और आंगनवाड़ी सेवाओं जैसी सरकारी पहलों से जोड़ा है।

बजट में पीएम-प्रणाम योजना की घोषणा

बता दें कि भारत सरकार पहले से ही पर्यावरण की चिंता के साथ हरित और टिकाऊ कृषि और अच्छी कृषि प्रथाओं के माध्यम से हरित कृषि को बढ़ावा दे रही है। यह राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) को लागू कर रहा है, जो जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के तहत राष्ट्रीय मिशनों में से एक है। एनएमएसए का उद्देश्य भारतीय कृषि को बदलती जलवायु के प्रति अधिक लचीला बनाने के लिए रणनीतियों को विकसित और लागू करना है। इसके अलावा सरकार ने बजट 2023-24 में धरती माता के पुनरुद्धार, जागरूकता, पोषण और सुधार के लिए प्रधानमंत्री कार्यक्रम (पीएम-प्रणाम) योजना की भी घोषणा की है, जिसका उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग और रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करना है।

न्यूज रील्स

आज डॉक्टरों की देशव्यापी हड़ताल

नयी दिल्ली। कोलकाता में एक डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में सोमवार 12 अगस्त को पूरे देश में डॉक्टर हड़ताल पर रहेंगे। सभी अस्पतालों में वैकल्पिक स्वास्थ्य सेवाएं स्थगित रहेंगी। इससे सभी सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ सकता है। हड़ताल से आपातकालीन सेवाओं को बाहर रखा गया है। फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन इंडिया (फोर्डा) ने रविवार को देश के स्वास्थ्य मंत्री के नाम एक पत्र जारी कर कहा कि रेजिडेंट डॉक्टरों के साथ इतिहास में पहली बार इतनी जघन्य वारदात हुई है। इसे किसी भी तरह स्वीकार नहीं किया जा सकता। संगठन के अनुसार यह मामला केवल कोलकाता के डॉक्टरों तक सीमित नहीं है। पूरे देश के डॉक्टर उनके साथ खड़े हैं। संगठन ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता देने के साथ दोषी को कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

यूपी उपचुनाव में सपा और कांग्रेस की सीटों को लेकर फंसा पेंच

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश में होने वाले 10 सीटों के उपचुनाव को लेकर एक बार फिर से गठबंधन में पेंच फंसने लगा है। दरअसल यह पेंच फंसा है सीटों के उस बंटवारे को लेकर, जिस पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस भी अपना-अपना दावा ठोक रही हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने हाल में ही इस उपचुनाव को लेकर हुई बैठक में उन पांच सीटों पर दावेदारी करने पर चर्चा की थी, जहां एनडीए के प्रत्याशी थे। जबकि चर्चा इस बात की है कि समाजवादी पार्टी कांग्रेस को दो से लेकर चार सीटें ही देने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस ने प्रदेश के पदाधिकारियों समेत उन जिला अध्यक्षों को भी बुलाया था, जिसमें यह विधानसभा सीटें आती हैं। चर्चा इस बात पर हुई कि जब लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया है, तो इस विधानसभा के उपचुनाव में भी उसको मौका मिलना चाहिए, ताकि आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस की अपनी ताकत का भी अंदाजा हो सके।

हिंडनबर्ग की नयी रिपोर्ट पर सियासत गरमायी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ताजा रिपोर्ट आने के बाद सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गयी है। पक्ष-विपक्ष आमने सामने आ गया है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और केंद्र सरकार पर जम कर निशाना साधा। इस पर भाजपा ने भी पलटवार किया है।

क्या है नयी रिपोर्ट में

नयी रिपोर्ट में चौंकाने वाले दावे किये गये हैं। रिपोर्ट में भारतीय शेयर बाजार नियामक सेबी की प्रमुख माधवी बुच और उनके पति धवल बुच के नाम कथित अडाणी घोटाले से जुड़ रहे है। शनिवार देर रात आयी रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि कथित घोटाले में इस्तेमाल किये गये अस्पष्ट ऑफशोर फंड में दंपति की हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने दावा किया है कि सेबी प्रमुख और उनके पति धवल बुच की मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी ग्लोबल डायनामिक ऑपर्चुनिटी फंड में हिस्सेदारी है।

सेबी प्रमुख और अडाणी समूह ने कहा : नये आरोप दुर्भावनापूर्ण हैं

आरोपों को सेबी प्रमुख और उनके पति पहले ही बेबुनियाद बता चुके हैं। अडाणी समूह का कहना है कि हिंडनबर्ग द्वारा लगाये गये नये आरोप दुर्भावनापूर्ण, शरारती और बहकाने के मकसद से लगाये गये हैं। अडाणी समूह ने कहा कि ताजा आरोप दुर्भावनापूर्ण हैं। इसके लिए फर्म गलत इरादों से सार्वजनिक तौर पर मौजूद जानकारी के बहकाने वाले तरीके से चुनकर, तथ्यों और कानूनों की उपेक्षा कर निजी लाभ हासिल करने के लिए पूर्व निर्धारित निष्कर्षों पर पहुंची है।

जेपीसी करे घोटाले की जांच: खड़गे

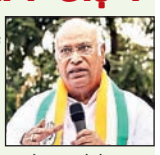

रिपोर्ट सामने आने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सेबी पर लगे आरोपों की जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अडाणी समूह और सेबी की मिलीभगत से हुए घोटाले की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से करायी जाये। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है, नहीं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करके अपने सहयोगियों को बचाते रहेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार को अडाणी समूह के घोटालों की जांच करा कर सेबी पर लगे आरोपों पर स्थिति स्पष्ट करनी होगी। साथ ही तुरंत कार्रवाई करनी होगी। एक्स पर किये गये एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में अडाणी समूह पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया था। अब सेबी प्रमुख पर आरोप लगे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के निवेशक अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में निवेश करते हैं। ऐसे घोटालों और आरोपों के बाद निवेशक चिंतित हैं।

भाजपा का सवाल, विदेशी संस्थानों से विपक्ष का यह कौन सा याराना

भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार किया है। उसका कहना है कि कांग्रेस ने पिछले 10 वर्षों में झूठ की राजनीति की रणनीति अपनायी है। उसने साथ ही कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और विदेशी संस्थाओं के बीच के याराना के बारे में भी सवाल खड़ा किया। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पिछले कुछ सालों से जब भी संसद सत्र शुरू होता है, तब विदेश में कोई न कोई रिपोर्ट जारी हो जाती है। पीएम मोदी पर डॉक्यूमेंट्री संसद सत्र से ठीक पहले जारी की गयी थी। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट संसद सत्र से ठीक पहले जनवरी में आयी थी। ये सभी घटनाक्रम संसद सत्र के दौरान होते हैं। विपक्ष के विदेशों के साथ ऐसे तार जुड़े हैं, जो भारत के हर संसद सत्र के दौरान अस्थिरता और अराजकता पैदा करते हैं। वे भ्रम के माध्यम से भारत में आर्थिक अराजकता पैदा करना चाहते हैं। अब वे सेबी पर हमला कर रहे हैं। कांग्रेस पिछले 30-40 सालों से विदेशी कंपनियों के साथ क्यों खड़ी है? वह यूनियन कार्बाइड के साथ क्यों खड़ी हुई? मैं पूछना चाहता हूं कि विदेशी संस्थानों से यह कौन सा याराना है कि भारत की आर्थिक संस्था के हर विषय के ऊपर आपका निशाना है।

बांग्लादेश में तख्तापलट के पीछे अमेरिका का हाथ!

- आखिरी संदेश में हसीना इसका खुलासा करना चाहती थीं
- उन्हें ऐसा करने से सेना ने रोका, फिर उन्होंने देश छोड़ दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। बांग्लादेश में तख्तापलट के पीछे अमेरिका का हाथ है। यह बात वहां की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना राष्ट्र के नाम अपने आखिरी संबोधन में बताना चाहती थीं, लेकिन सेना ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। शेख हसीना देश छोड़ने से पहले जनता को संबोधित करना चाहतीं थीं। खासतौर पर वे उन प्रदर्शनकारियों के नाम संदेश देना चाहतीं थीं, जिनके वजह से उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने शेख हसीना के आवास में तोड़फोड़ कर दी और इस वजह से उच्च सुरक्षा अधिकारियों ने पूर्व पीएम को तत्काल देश छोड़ने की सलाह दी। **शेख हसीना और अमेरिका के रिश्तों में तनातनी :** शेख हसीना के प्रधानमंत्री रहने के दौरान अमेरिका और बांग्लादेश के बीच संबंधों में तनातनी देखने को मिली थी। अमेरिका ने यहां तक कह दिया था कि बांग्लादेश में जनवरी में हुए चुनाव निष्पक्ष नहीं थे। उस चुनाव में आवामी लीग सत्ता में लौटी थी। बांग्लादेश छोड़ने से कुछ महीने पहले ही शेख हसीना ने बड़ा दावा किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार गिराने के लिए साजिशें रची जा रही हैं।

शेख हसीना की खास बातें

अब भारत में 76 वर्षीय शेख हसीना में भारत में अपने करीबी सहयोगियों से ये खास बातें साझा की हैं। अपने पत्र में शेख हसीना ने अमेरिका पर बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की योजना बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें मौका मिला तो अपने संबोधन में ये बातें कहेंगी। शेख हसीना ने कहा कि उन्होंने इसलिए इस्तीफा देने का फैसला लिया, क्योंकि वह और लोगों को मरते हुए नहीं देखना चाहती थीं। वे छात्रों की लाश पर चढ़कर सत्ता हासिल करना चाहते थे, लेकिन उन्होंने इसकी इजाजत नहीं दी। इस वजह से उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

अमेरिका पर लगाये गंभीर आरोप

शेख हसीना ने इसके बाद अमेरिका पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, अगर मैं अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप को सौंपकर बंगाल की खाड़ी पर राज करने की अनुमति देती, तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी। मैं अपने देश के लोगों से प्रार्थना करती हूं कि ऐसे अतिवादियों के झांसे में ना आयें। बता दें कि सेंट मार्टिन द्वीप तीन वर्ग किलोमीर का क्षेत्र है और बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पूर्व और बांग्लादेश के सुदूर दक्षिण में स्थित है।

अगर मैं देश में रहती तो और लोगों की मौत हो सकती थी

शेख हसीना ने आगे कहा, अगर मैं देश में रहती तो और भी लोगों की मौत हो सकती थी। इस वजह में मैंने देश छोड़ा। आप लोग मेरी ताकत हैं। आप लोग मुझे नहीं चाहते थे। इस वजह से मुझे देश छोड़ना पड़ा। शेख हसीना ने अपनी पार्टी के सहयोगियों से आगे कहा कि आवामी लीग ने हमेशा वापसी की है। उन्होंने कहा, उम्मीद मत छोड़िये। मैं जल्द वापस लौटूंगी। मैं हार गयी, लेकिन बांग्लादेश की जनता जीत गयी।

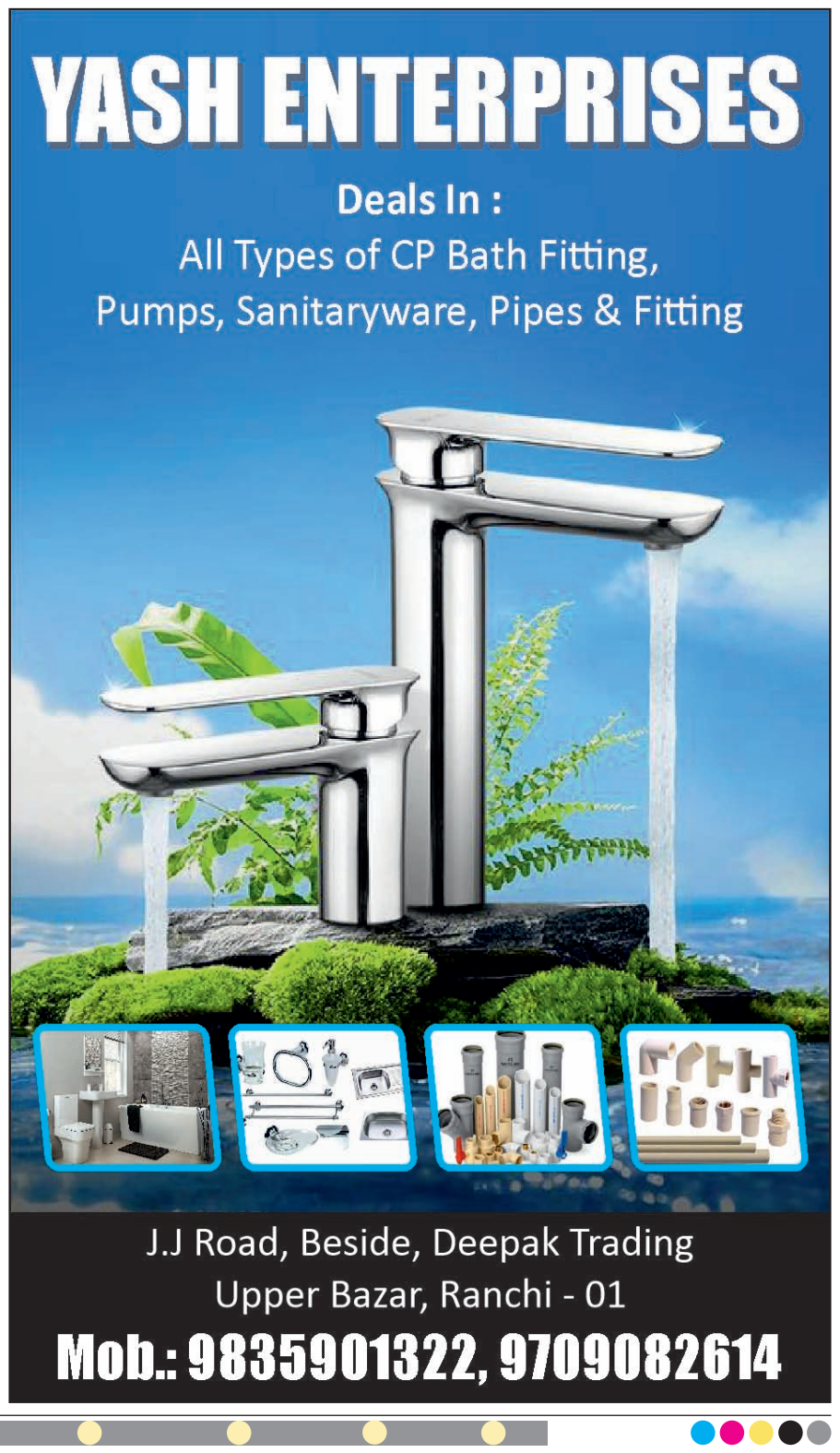

स्वतंत्रता दिवस समारोह की विशेष अतिथि होंगी आंगनबाड़ी सेविकाएं

कोडरमा की सावित्री देवी को भी मिला सम्मान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इस बार 15 अगस्त को दिल्ली में लाल किले पर होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की विशेष अतिथि आंगनबाड़ी सेविकाएं होंगी। चयनित सेविकाओं को समारोह में शामिल होने के लिए संबंधित जिला प्रशासनों की तरफ से आमंत्रण दिया गया है। यह सम्मान पानेवालों में कोडरमा की सावित्री देवी भी शामिल हैं।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से सभी राज्यों के निदेशकों को पोषण अभियान में उल्लेखनीय काम करनेवाली पांच आंगनवाड़ी सेविकाओं का नाम भेजने को कहा गया था। दिल्ली में मुख्य समारोह के बाद उन सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के हाथों सम्मानित किया जायेगा। कोडरमा की सावित्री देवी इनमें से एक हैं। उनका चयन अपने आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के पोषण के लिए उल्लेखनीय काम करने के लिए किया गया है।

आमंत्रण मिलने के बाद बेहद खुश हैं सावित्री देवी

दिल्ली में लाल किले पर होने वाले आयोजन में शामिल होने का आमंत्रण मिलने से कोडरमा की आंगनवाड़ी सेविका साबित्री देवी काफी खुश हैं। उनके लिए यह सपना सच होने जैसा है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि आमंत्रण मिलने से दिल में इतनी खुशी हो रही है कि बताया नहीं जा सकता है। मुझे अनलिमिटेड खुशी महसूस हो रही है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 65,900 रु./10 ग्राम
चांदी 84,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 12 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in

अत्याचार के बाद बांग्लादेश में अब गूंजने लगी हिंदुओं की आवाज

■ जागो रे जागो, हिंदू जागो, आमार माटी, आमार मां, देश छोड़बो ना

■ तेल, लहसुन, प्याज करने से काम नहीं चलेगा, अब एकजुट होने का समय है

आजाद सिपाही विशेष

भारत में हिंदुओं के पास कई सारे मुद्दे हैं। जैसे तेल, लहसुन, प्याज, टमाटर, दूध। तेल एक रुपये बढ़ गया, अरे सरकार बदलो, टमाटर, प्याज, मिर्चा, आलू का भाव बढ़ गया, अरे सरकार बदलो। फिलहाल तो हिंदुओं के लिए भारत में ये प्रमुख मुद्दे हैं। हिंदुओं की संस्कृति और सभ्यता बची रहे, उनकी ऐतिहासिक धरोहर बची रहे, मंदिर बचे रहें, उनका वजूद बचा रहे यह मुद्दा नहीं रह गया है। दूसरी ओर अभी के दृष्टिकोण से देखा जाये तो बहुतायत में कुछ अपवाद को छोड़ कर आम मुसलामान का मुद्दा आटा, दाल, नून तेल की चिंता नहीं है। यह उनके लिए कभी मुद्दा रहा ही नहीं। यह सब तो हर सरकार में उन्हें मिलता ही रहा है। सरकारी आवास या अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में उनसे ज्यादा जागरूक और कोई नहीं है। यह अच्छी बात है, लेकिन जब धर्म की बात आती है, वोट देने की बारी आती है, तो वे पूरी तरह एकजुट हो जाते हैं। इसका उदाहरण भी लोकसभा चुनाव में देखने को मिला, जब रामपुर के एक बूथ पर 100% मुस्लिम मतदाताओं ने 2322 मतदान किये, वे सभी के सभी मतदान एक पार्टी विशेष के लिए किये गये। जबकि इस गांव की सच्चाई यह है कि इस गांव में 532 लोगों को पीएम आवास मिले हैं, रोजगार शुरू करने के लिए किफायती लोन दिये गये, लेकिन उनमें से एक भी वोट दूसरे दल के उम्मीदवार को नहीं मिला। सच है कि यह उनका निजी मामला है, वोट देना उनका अपना अधिकार है। इसे गलत नहीं ठहराया जा सकता। लेकिन सच यही है कि मुसलामानों के लिए धर्म सर्वोपरि है। वह धर्म के नाम पर कोई समझौता नहीं कर सकते। धर्म का विस्तार उनका लक्ष्य है। वे अपने हिसाब से हिमायती का भी चुनाव करते हैं। और उसके प्रति वे लॉयल भी रहते हैं। भले उनका विकास हो या न हो। वहीं हाल के दिनों में यह देखा गया है कि हिंदू, धर्म के प्रति लचीले हैं। उनका ज्यादातर फोकस रोटी, कपड़ा और मकान पर ही सिमट कर रह गया है। धर्म, संस्कृति सभ्यता धरोहर उनके लिए किताबी शब्द हैं। जाति के नाम पर खुद का विभाजन मुख्य एजेंडा बन गया है। बांग्लादेश में भी हिंदू, तेल-टमाटर, रोटी कपड़ा और मकान के लिए ही संघर्ष करते रह गये। वहां कभी उनके एजेंडे में धर्म की स्थापना, सभ्यता और धरोहर की रक्षा रहा ही नहीं। नतीजा रहा कि वे वहां धीरे-धीरे घटते चले गये। घटने का कारण एक दूसरे पर हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज नहीं उठाना। मूकदर्शक बन कर अन्याय को नजरअंदाज करना। यही करते-करते बांग्लादेश में हिंदू 22 प्रतिशत से आठ प्रतिशत पर खिसक गये। बांग्लादेश में, जो कभी पूर्वी पाकिस्तान था, वहां 1951 के बाद से कट्टरपंथियों द्वारा जो यातनाएं शुरू की गयीं, वह निरंतर चलती ही रहीं। लेकिन हिंदू कभी अपने अधिकारों के लिए एकजुट नहीं हुआ, ना ही आवाज बुलंद की। आज बांग्लादेश में हसीना सरकार के पतन के बाद जो परिस्थितियां उत्पन्न हुई हैं, जिस प्रकार से हिंदुओं की हत्याएं की जा रही हैं, हिंदू महिलाओं और बच्चियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, उनके घरों, मंदिरों और कार्यालयों को जलाया जा रहा है, उसे देख किसी की भी रूह कांप जायेगी। सोशल मीडिया पर लगातार वीडियो आ रहे हैं कि कैसे हिंदुओं की सामूहिक हत्याएं की जा रही हैं। उन्हें जिंदा पेड़ों और बिजली के खंभों पर उल्टा लटकाया जा रहा है और पीट-पीट कर मार दिया जा रहा है। सामूहिक रूप से भीड़ अकेले व्यक्ति को लातों और डंडों से मार रही है, उस व्यक्ति का शरीर हिल भी नहीं रहा है, बस आंखें बंद खुल रही हैं, मुंह से खून निकला जा रहा है, लेकिन बांग्लादेशी कट्टरपंथी रुक नहीं रहे हैं। वहां के जो ताजा हालात हैं, घर के घर, गांव के गांव को जलाया जा रहा है। इंसानियत मानो बची ही नहीं। लेकिन कहते हैं न इंसान को उतना ही डराओ, जितना वह सह सके, एक बार अगर उसमें प्रतिकार करने की शक्ति आ गयी, तब क्रांति आती है। पिछले चार दिनों से वही अब बांग्लादेश में भी देखने को मिल रहा है। हिंदुओं ने अपने ऊपर हो रहे जुल्म के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी है। क्या महिलाएं, क्या पुरुष, क्या बच्चे, लाखों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। उन्होंने एकजुटता की एक सुकून देनेवाली तस्वीर पेश की है। उन्हें समझ में आ गया है कि एकजुटता में ही ताकत है। वह अब चिल्ला-चिल्ला कर कह रहे हैं जागो रे जागो, हिंदू जागो, आमार माटी, आमार मां, बांग्लादेश छोड़बो ना। यानी हिंदुओं तुम जाग जाओ, बांग्लादेश मेरी माटी मेरी मां है, उसको नहीं छोड़ेंगे। आज बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं ने अपने घर परिवार की रक्षा करने के लिए हाथ में गंड़ासा उठा लिया है। यह तस्वीर पहले नहीं देखी गयी। यानी बांग्लादेशी हिंदू अब जाग चुका है। वह अब अपने ऊपर और अत्याचार बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। वैसे धर्म के मामले में हिंदुओं को नींद की गोली नहीं खानी पड़ती, वह निरंतर सोया ही रहता है। जब तक उसके अस्तित्व पर हमला न हो, उसके परिवार पर हमला न हो, वह अपनी जगह से हिलता नहीं और जब आंखें खोलता है, तब तक काफी देर हो चुकी होती है। वही हाल हिंदुओं का बांग्लादेश में हो रहा है और हुआ है। लेकिन कहावत है जब जागे तभी सवेरा। बांग्लादेश में हिंदुओं की यह एकजुटता ही उन्हें कट्टरपंथियों की यातना से बचायेगी। जो काम शुरू में ही हो जाना चाहिए था, उसमें दशकों लग गये। बांग्लादेश के मामले में एक बात और गौर करनेवाली है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के खिलाफ मोहब्बत की दुकान खोलने वालों के मुंह बंद हैं, जबकि गाजा पट्टी में हुई हिंसा के खिलाफ भारत में मोहब्बत की दुकान खोलनेवाले सड़कों पर उतर आये थे। उन्हें फिलीस्तीन पर हमला तो दिखायी दिया, लेकिन उन बच्चों की चीखें उन्हें नहीं सुनाई दीं, जिन्हें कट्टरपंथियों ने गोलियों से भून दिया था। इन सबका क्या असर पड़ेगा भारत पर यह बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

आंदोलन तो बहाना है, असली निशाना तो हिंदू हैं

बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी आंदोलन तो बहाना था। जिस तरह आरक्षण के खत्म होने के बाद भी लगातार बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं, उससे लगता है कि यह पूरा आंदोलन एक सोची समझी साजिश के तहत हिंदुओं के खिलाफ ही शुरू हुआ हो। हिंदुओं के घरों को जलाया जा रहा है, हिंदू महिलाओं को उनके घरों से उठा लिया जा रहा है, हिंदुओं के व्यापारिक प्रतिष्ठानों में लूट हो रही है, मंदिरों को जलाया जा रहा है। जाहिर है कि भारत इन सब घटनाओं को लेकर चिंतित है। दक्षिण एशिया की राजनीति को समझने वाले जानते हैं कि किस तरह बांग्लादेश, म्यांमार और भारत के पूर्वी इसाई बहुल हिस्सों को मिला कर एक देश बनाने की तैयारी चल रही है। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने भी एक बार कहा था कि पश्चिमी देशों की योजना है कि इस्ट तिमोर जैसा एक इसाई देश बनाया जा सके, जो सीधे उनकी उंगली पर नाच सके। हसीना ने यह भी कहा था कि एक ह्वाइट मैन बांग्लादेश के एक द्वीप पर सैन्य अड्डा बनाने की अनुमति मांग रहा था। शेख हसीना ने यह भी कहा कि अगर वह अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप को सौंप कर बंगाल की खाड़ी पर राज करने की अनुमति देतीं, तो वह सत्ता में बनी रह सकती थीं। समझा जा सकता है कि बांग्लादेश में हसीना सरकार के तख्ता पलट में अमेरिकी एजेंसियों की क्या भूमिका है। सिर्फ यही नहीं, अमेरिकी एजेंसियों के साथ मिल कर भारत विरोधी ओर हिंदू विरोधी संगठन भी काम कर रहे थे। बांग्लादेश में जो कुछ भी चल रहा है, उसके पीछे बहुत बड़ी साजिश काम कर रही है, जो भारत के लिए भी खतरनाक है।

जागो रे जागो, हिंदू जागो, आमार माटी, आमार मां, बांग्लादेश छोड़बो ना

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री पद से शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर 4 अगस्त से शुरू हुए हिंसक आंदोलन में हिंदुओं पर लगातार हमले हुए हैं। 4, 5 और 6 अगस्त को बांग्लादेश के 64 में से 52 जिलों में रहनेवाले हिंदुओं पर हमले हुए। इन हमलों में 205 स्थानों पर हिंदुओं की संपत्तियों और मंदिरों को निशाना बनाया गया। जैसे ही हसीना सरकार का पतन हुआ, हिंदुओं पर हमले बढ़ गये। हत्याओं का दौर शुरू हुआ। क्रूरता की सारी हदें पार कर दी गयीं। लेकिन अब बांग्लादेशी हिंदू अपने ऊपर हो रहे हिंसा के खिलाफ आवाज उठाना शुरू कर चुके हैं। हिंदुओं पर हमलों के विरोध में शुक्रवार और शनिवार को बांग्लादेश में जोर की आवाज उठी। सात लाख से ज्यादा हिंदुओं ने चटगांव के चेरगी पहाड़ इलाके में एकत्रित होकर अपने ऊपर हुए अत्याचारों पर विरोध जताया। उन्होंने अपनी सुरक्षा और देश में बराबरी का अधिकार दिये जाने की मांग की। बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं का कहना है कि हम यहीं पैदा हुए हैं, यही मरेंगे। हम अपना देश छोड़ कर नहीं जायेंगे और अपने पर हो रहे जुल्मों का प्रतिकार करेंगे। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने जम कर नारेबाजी भी की। लोगों ने कहा कि यह देश किसी के बाप का नहीं है, इसके लिए हमने खून दिया है, जरूरत पड़ी तो फिर से खून देंगे, लेकिन बांग्लादेश नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने हिंदुओं पर हो रही हिंसा के दौरान मूकदर्शक बने रहने को लेकर सिविल सोसाइटी के सदस्यों पर नाराजगी जतायी। शुक्रवार और शनिवार को हुए इस प्रदर्शन में लाखों हिंदुओं ने हिस्सा लिया।

प्रदर्शन के दौरान दिनाजपुर में चार हिंदू गांवों को जलाने की कड़ी आलोचना की गयी। हिंदुओं ने नयी अंतरिम सरकार के सामने चार मांगें रखीं, जैसे अल्पसंख्यक मंत्रालय की स्थापना, अल्पसंख्यक संरक्षण आयोग का गठन, अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों को रोकने के लिए सख्त कानून और अल्पसंख्यकों के लिए 10 प्रतिशत संसदीय सीटों का आवंटन। द डेली स्टार अखबार के अनुसार, 9 अगस्त को ठाकुरगांव में हिंदुओं ने रैली निकाल कर जुल्म का विरोध किया। इस रैली में चार हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां थाम रखी थीं, जिन पर लिखा था कि हिंदुओं को जीने का अधिकार है। हजारों हिंदुओं ने एक स्वर में कहा कि जागो रे जागो, हिंदू जागो, आमार माटी, आमार मां, बांग्लादेश छोड़बो ना। आंदोलन के दौरान हरे राम, हरे राम, राम-राम हरे-हरे, हरे कृष्णा हरे कृष्णा, कृष्णा-कृष्णा हरे-हरे का भी उच्चारण हजारों लोग एक साथ कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश हिंदू बौद्ध इसाई एक्य परिषद ने शुक्रवार को कहा था कि शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश के 64 जिलों में से 52 जिलों में अल्पसंख्यकों के साथ अत्याचार हुए हैं। अल्पसंख्यकों के साथ ज्यादती की 205 घटनाएं हुई हैं। संगठन ने अंतरिम सरकार के नेता मोहम्मद यूनुस को खुला पत्र लिखा। इसमें कहा गया कि अल्पसंख्यकों में गहरी चिंता और अनिश्चितता है। सरकार को तत्काल इसका संज्ञान लेना चाहिए।

मोदी ने बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा की अपील की

उधर संयुक्त राष्ट्र महासचिव के कार्यालय ने कहा है कि बांग्लादेश में हिंसा को रोका जाये। बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र हर तरह की नस्लभेदी हिंसा के खिलाफ है, उसकी रोकथाम के तत्काल उपाय किये जायें। हिंसा के शिकार और भयभीत हजारों बांग्लादेशी हिंदू पड़ोसी देश भारत में प्रवेश के लिए सीमा पर पहुंचे हुए हैं। उन्हें समझा-बुझा कर वापस किया जा रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपील की है। वहीं शपथ लेने के बाद बांग्लादेश सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने देश में लोकतंत्र, न्याय, मानवाधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कायम करने का वादा किया है। यूनुस ने हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों पर हमलों को घृणित बताया और उन्हें रोके जाने की अपील की। कहा कि अल्पसंख्यक भी इसी देश के नागरिक हैं। यूनुस ने छात्रों से हिंदुओं, इसाइयों और बौद्धों की सुरक्षा करने को कहा। गुरुवार को कार्यभार संभालने के बाद यूनुस पहली बार सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध इसाई एकता परिषद और बांग्लादेश पूजा उद्‌जापन परिषद ने नोबेल पुरस्कार से सम्मानित 84 वर्षीय मोहम्मद यूनुस को खुला पत्र लिखा है, जिसमें अल्पसंख्यकों पर हमलों के आंकड़े पेश किये गये हैं और सुरक्षा की मांग की गयी है। पत्र में कहा गया है कि हम सुरक्षा चाहते हैं, क्योंकि हमारा जीवन बहुत खराब स्थिति में है। हम रात-भर जाग कर अपने घरों और मंदिरों की रखवाली कर रहे हैं। हमने अपने जीवन में ऐसा कभी नहीं देखा। हम मांग करते हैं कि सरकार देश में सांप्रदायिक सद्भाव बहाल करे। संस्था के पदधारियों ने कहा कि स्थिति और बिगड़ रही है। उन्होंने यूनुस से आग्रह किया कि वे इस संकट को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर हल करें और हिंसा समाप्त करें।

जब हिंदुओं की हत्याएं हो रही थीं, तब भारत में कुछ लोगों को फिलिस्तीन की चिंता सता रही थी

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जो अत्याचार हो रहे हैं, उन्हें लेकर विश्व के लगभग हर कोने में प्रदर्शन हो रहे हैं। यूएन मुख्यालय से लेकर कनाडा, अमेरिका, लंदन आदि स्थानों पर लोग प्रदर्शन करके हिंदुओं के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, और ऐसा भी नहीं कि केवल अवामी लीग के समर्थक हिंदू मारे जा रहे हैं। बांग्लादेश की कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य भी इस कथित क्रांति में मारे गये हैं, जिसे देख कर भारत के कम्युनिस्ट लहालोट हो रहे हैं। परंतु यह और भी खेदजनक और दुर्ग्यभापूर्ण है कि भारत के कम्युनिस्टों की ओर से बांग्लादेश में मारे जा रह हिंदुओं के प्रति एक भी शब्द नहीं कहा गया और इससे भी अधिक दुर्ग्यभापूर्ण यह है कि जब बांग्लादेश में हिंदुओं को मारा जा रहा था, भयानक हिंसा हर ओर थी, उस समय भारत में जंतर-मंतर पर कम्युनिस्ट एनी राजा और अर्थशास्त्री एक्टिविस्ट ज्यां द्रेज सहित कुछ लोग फिलिस्तीन के लिए नारे लगा रहे थे। बांग्लादेश में हिंसा रोकने के लिए जिन हाथों में बोर्ड होने चाहिए थे, उन हाथों में गाजा में सीजफायर के बोर्ड थे। इस विरोध प्रदर्शन में एनी राजा के साथ कई युवा और कथित रूप से सामाजिक वैज्ञानिक भी शामिल थे। अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज की कांग्रेस और राहुल गांधी से नजदीकियां पूरी तरह से स्पष्ट हैं। ज्यां द्रेज ने एक दिन पहले ही संसद में जाकर राहुल गांधी से भेंट की थी और उससे पहले भी 4 अगस्त को ज्यां द्रेज ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में अरुंधती रॉय, प्रशांत भूषण, बृंदा करात, सिद्धार्थ वरदराजन, विजयन एम जे, अशोक शर्मा के साथ मिल कर प्रेस कांफ्रेन्स की थी कि वे फिलिस्तीन के साथ हैं। मगर यही लोग जब बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले हुए, तो उनके जीने के अधिकार पर प्रश्न उठाने को लेकर मौन साध गये और झंडा उठा कर फिलिस्तीन के समर्थन में नारे लगाने के लिए पहुंच गये।

बांग्लादेशी हिंदुओं का अस्तित्व खतरे में

आजादी के बाद बांग्लादेश सबसे बड़े संकट से जूझ रहा है। तख्तापलट के बाद कट्टरपंथियों के वर्चस्व से अस्थिर अराजक माहौल वहां के हिंदू समुदाय के लिए बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश में निहित संपत्ति अधिनियम (जिसे पहले पाकिस्तानी शासन के दौरान शत्रु संपत्ति अधिनियम के रूप में जाना जाता था) के कारण 1965 और 2006 के बीच हिंदुओं की करीब 26 लाख एकड़ भूमि का अधिग्रहण हुआ था। इससे 12 लाख हिंदू परिवार प्रभावित हुए। बांग्लादेश के प्रमुख अधिकार संगठन की रिपोर्ट के अनुसार 2016 में जनवरी और जून के बीच बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बना कर की गयी हिंसा में 66 घर जला दिये गये थे, 24 लोग घायल हो गये और कम से कम 49 मंदिरों को नष्ट कर दिया गया था। हिंदुओं के खिलाफ कट्टरपंथी आंदोलन 1980 से 1990 के बीच और अधिक बढ़ा। 1990 में अयोध्या में विवादित ढांचा ध्वंस के बाद चटगांव और ढाका में कई हिंदू मंदिरों में आग लगा दी गयी थी। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान हिंदुओं को विशेष रूप से निशाना बनाया गया, क्योंकि कई पाकिस्तानी उन्हें अलगाव के लिए दोषी मानते थे। इससे हिंदू आबादी बुरी तरह प्रभावित हुई। 1951 की आधिकारिक जनगणना के अनुसार बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) की कुल आबादी में हिंदू 22 प्रतिशत थे। यह संख्या 1991 तक घट कर 15 प्रतिशत रह गयी। 2011 की जनगणना में यह संख्या केवल 8.5 प्रतिशत रह गयी। 2022 में यह आठ प्रतिशत से भी कम हो गयी है। वहीं मुसलमानों की आबादी 1951 में 76 प्रतिशत से 2022 में 91 प्रतिशत से अधिक हो गयी है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार 1964 और 2013 के बीच 1.1 करोड़ से अधिक हिंदू धार्मिक उत्पीड़न के कारण बांग्लादेश से भाग गये। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश में हर साल 2.3 लाख हिंदू देश छोड़ कर चले जाते हैं। 2011 की जनगणना से पता चला कि 2000 से 2010 के बीच देश की आबादी से दस लाख हिंदू गायब हो गये।

हिंसा के खिलाफ बंगाली समुदाय ने निकाला मार्च

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में रविवार को बंगाली समुदाय के हजारों लोगों ने अल्बर्ट एक्का चौक के सामने विरोध किया।

कहा कि बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं को राजनीति कर वहां से भगाने का साजिश रची जा रही है। हिंदुओं को टारगेट किया जा रहा है, ताकि बांग्लादेश को छोड़कर भारत चले जायें। बंगाली समुदाय के डॉ शिवालिक मित्रा ने कहा कि

बांग्लादेश के अल्पसंख्यक महिलाओं के साथ गलत कार्य किया जा रहा है।

देश के पीएम बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं पर हो रहे हमला पर हस्तक्षेप करें, ताकि उन्हें सुरक्षा मुहैया करायी जा सके। चंदन रॉय ने कहा कि बांग्लादेश के हिंदुओं का जमीन को लूटा जा रहा है। बंगाली समुदाय रांची के सर्जना चौक के सामने एकजुट हुए। वहां से पैदल मार्च करते हुए शहीद चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचे, जहां विरोध मार्च सभा में तब्दील हो गयी। बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं को सुरक्षा मुहैया करायी जाये। मौके पर अमित कुमार दास, अरूक चतुर्वेदी, एके चद्रा, सौरभ चक्रवर्ती, संदीप बोस, पीके चौधरी, उतम कुमार, शंकर रक्षित समेत अन्य उपस्थित थे।

बांग्लादेश के खिलाफ फूटा गुस्सा, पुतला फूंका

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बांग्लादेश में सनातनियों के प्रति अन्याय के खिलाफ बूटी मोड़ में बांग्लादेश के सेना प्रशासक का पुतला दहन किया गया। यह कार्यक्रम एकम सनातन भारत दल के द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें एकम सनातन भारत दल के प्रदेश अध्यक्ष शिवाजी सिंह, प्रदेश महासचिव देव रंजन सिंह, प्रदेश सचिव सत्यप्रकाश सिंह, युवा प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह, युवा प्रदेश महासचिव जीतेंद्र सिंह, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद सिंह, प्रदेश इकाई

के मनोज सिंह, सुप्रिया सिंह, विनोद चौधरी, केके सिंह, अशोक कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.9 °C	23.5 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.24 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.23 बजे

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 12 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
03

कार्यक्रम : संजीव विजयवर्गीय की राजनीतिक जीवन पर आधारित पुस्तक 'सफर' का विमोचन

तिरंगा हमारे देश की आन बान और शान का प्रतीक है, हर घर में लहराना चाहिए: संजय सेठ

आगाज तृतीय संस्करण का भव्य आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के कोकर स्थित ग्रैंड ओकेजन बैंक्वेट हाल में रविवार को आगाज के तृतीय संस्करण का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने किया। वहीं विशिष्ठ अतिथि के रूप में पद्मश्री मुकुंद नायक, रांची विधानसभा के विधायक सीपी सिंह, भाजपा की महिला प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार और वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह, चैंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। इस अवसर पर निवर्तमान उप महापौर संजीव विजयवर्गीय के राजनीतिक सफर को संजोते हुए उनकी पुस्तक सफर का विमोचन किया गया। साथ ही संजीव विजयवर्गीय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान के तहत कार्यक्रम में आये सभी अतिथियों के बीच तिरंगे का वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर और गणेश वंदना से हुआ। आगाज का यह आयोजन, जो तीन साल पहले संजीव विजयवर्गीय द्वारा प्रारंभ किया गया था, अब रांची के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस वर्ष के संस्करण में बच्चों और महिलाओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और देश के रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि ऐसे आयोजन शहर में होते रहने चाहिए, क्योंकि ये बच्चों और युवाओं की कलात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा लगाने का आह्वान किया है। तिरंगा हमारे देश की आन बान और शान का प्रतीक है। कितनी कुर्बानियां दी गयीं इस तिरंगे की रक्षा के लिए। इसलिए हम लोगों का भी फर्ज बनता है इसे सम्मान देने का। यही संदेश देने हम लोगों के बीच आये हैं। उन्होंने कहा कि रांची विभिन्न सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में उन्होंने लगभग बीस हजार तिरंगा बंटवाया है। उन्होंने कहा कि हर देशवासी को तिरंगा लगाना चाहिए। कार्यक्रम के आयोजक संजीव विजयवर्गीय ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं और महिलाओं को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले खिलाड़ियों का सम्मान किया गया।

आगाज में महिलाओं और बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया

आगाज कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, रंग-बिरंगे परिधानों में रैंप वॉक, और बॉलीवुड, नागपुरी, खोरठा गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अतिरिक्त, डांस (ग्रुप और सोलो), पेंटिंग प्रतियोगिता और महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर जैसी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस आयोजन ने रांची के सांस्कृतिक जीवन में नयी ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं॰ – 20 ऑफ 2024–25/खुला/इंजीनियरिंग, डीडीयू।

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है। (i) निविदा सं॰–04–डीडीयू–व॰मं॰इंजी॰–।।।–24–25, कार्य का नाम एवं लोकेशन : वरीय मंडल इंजीनियर।।।/डी॰डी॰यू के अधिकार क्षेत्र के तहत जपला में टावर वैगन शेड और ओ॰एच॰ई॰ डिपो का उन्नयन। (ii) कार्य का अनुमानित लागत : ₹86,20,675.66, (iii) धरोहर राशि : ₹1,72,400/–, (iv) ई–निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय : 04.09.2024 को 12:00 बजे तक। (v) बेवसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी : www.ireps.gov.in.

नोट: विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक/
पूमरे/पं दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/00882/डीडीयू/अभि./टी/24–25/32

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष नौकरी में नये पद-अधिकार प्राप्त होने की संभावना,व्यापार-व्यवसाय में उन्नति होगी।

वृष बुद्धि-चतुरता से रोजी-रोजगार की स्थिति में सुधार होने की संभावना, कामकाज अच्छा चलेगा।

मिथुन बुद्धि-चतुरता से रोजी-रोजगार की स्थिति में सुधार होने की संभावना, कामकाज अच्छा चलेगा।

कर्क परिश्रम-प्रयत्न से आवश्यक कार्य में सफलता मिलेगी,आर्थिक-मानसिक परेशानी दूर होगी।

सिंह नौकरी में स्थानातंरण अथवा अधिकारियों के साथ मतभेद होने की संभावना।

कन्या आपको धन लाभ होने की संभावना, रोजगार-व्यापार के कार्य तेजी से चलेगा और आपकी प्रगति होगी।

तुला आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा,आपका काम बनेगा.किसी काम से आपको पैसा मिलेगा।

वृश्चिक सामाजिक स्तर पर आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी, लेखन-पठन-पाठन में रूचि,घर में बड़े लोगों का समागम होगा।

धनु रोजी-रोजगार में सफलता,यशस्वी कार्य करने का अवसर मिलेगा, अभी तक जो कोई इच्छा अधूरी रही हो।

मकर व्यापारियों अधिकारियों एवं उच्चस्तरीय लोगों से आप संबंध बनाने की चेष्टा करें।

कुंभ आवश्यक कामों में आपकी व्यवहार कुशलता सिद्धि और प्रसिद्धि देने वाली है।

मीन आपने जिस पर भी भरोसा किया होगा ऐसा व्यक्ति आपके विरोध में कार्य करेगा।

विधानसभा विस्तारक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन

सरकार बदलने के संवाहक बनें विस्तारक कार्यकर्ता : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विधानसभा विस्तारक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन रविवार को भाजपा कार्यालय में किया गया। आठ सत्रों में आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में पार्टी की सैद्धांतिक विचारधारा, इतिहास विकास, चुनाव प्रबंधन सहित सोशल मीडिया जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गयी। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा विचारधारा और कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक पार्टी है, जिसका उद्देश्य भारत को परम वैभव को शिखर पर पहुंचना है। पार्टी कार्यकर्ता इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लगातार कार्य करते हैं। अंत्योदय, एकात्म मानव दर्शन और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की परिधि में भाजपा के लिए सत्ता साध्य नहीं, बल्कि मां भारती को विश्व गुरु बनाने का साधन है।

उन्होंने कहा कि भाजपा केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नीतियों और कार्यक्रमों को तेजी से धरातल पर उतार रही है। तीसरी बार मोदी सरकार बनाकर जनता ने पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को सराहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भी चुनाव सिर पर है। राज्य में ठगबंधन सरकार के खिलाफ आक्रोश है। जनता भाजपा नेतृत्व की डबल इंजन सरकार बनाने के संकल्पित हैं। लोकसभा चुनाव परिणाम इसका स्पष्ट संकेत देता है। उन्होंने कहा भाजपा की सरकार ने अलग झारखंड राज्य का निर्माण कराया। हमें विकसित झारखंड के संकल्प को पूरा करना है। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि आगामी चुनाव में डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए चुनाव प्रबंधन भी महत्वपूर्ण है। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि विस्तारक की भूमिका नींव के पत्थर की तरह है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि संगठन की मजबूती में बूथ ही केंद्र बिंदु है। सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने भाजपा के इतिहास विकास, केंद्रीय टोली सदस्य मनोज सिंह, योगेंद्र प्रताप सिंह ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां, राहुल अवस्थी, विवेक विकास ने सोशल मीडिया और आइटी विषय पर अपने विचार रखे।

परीक्षाओं के नाम पर किया जा रहा है भंडारे का आयोजन: बाबूलाल

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा। ट्वीट कर कहा है कि हेमंत सरकार में साप्ताहिक परीक्षा के नाम पर मजाक चल रहा है। ऐसा लगता है कि परीक्षाओं के नाम पर भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। कहीं एक ही बेंच पर छह-छह विद्यार्थी बैठकर परीक्षा दे रहे हैं, तो कहीं बरामदे में बिछायी गयी दरी में छात्र-छात्राओं का एक झुंड परीक्षा दे रहा है। मूल्यांकन के उद्देश्य से ली जाने वाली इन साप्ताहिक परीक्षाओं से मूल्यांकन छात्रों का तो नहीं, परंतु हेमंत सरकार का जरूर किया जा सकता है कि कैसे सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खेल रही है। स्कूलों में न तो बैठने की व्यवस्था है, न तो कक्षाओं को संचालित करने के लिए भवन हैं। न तो पठन-पाठन का वातावरण है और न ही छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार के पास कोई प्लान। ऐसे में झारखंड का भविष्य किधर जायेगा। जेएमएम-कांग्रेस ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को अपना राजनीतिक प्रयोगशाला बनाकर रख दिया है। सरकारी स्कूलों में ना तो पर्याप्त शिक्षक हैं। ना ही बच्चों के बैठने के लिए पर्याप्त बेंच डेस्क। हेमंत सोरेन जी सरकारी स्कूल के बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के प्रति थोड़ा गंभीर बनिये और राज्य के सभी विद्यालयों को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराइये।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से उनके आवास में मुलाकात की। इस अवसर पर झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थीं। मुलाकात के दौरान अलका लांबा ने मुख्यमंत्री से राज्य की महिलाओं के अधिकार और महिलाओं के आर्थिक न्याय, सामाजिक न्याय, राजनीतिक न्याय को लेकर विस्तार पूर्वक बातचीत की। महिला आयोग का गठन करने, महिला थानों का गठन, सरकारी और निजी नौकरियों में 50 प्रतिशत महिला को आरक्षण देने, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ देने, मनरेगा महिला खेती मजदूर को लाभ कार्ड देने सहित अन्य मांग रखी।

झारखंड में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

25 आइएएस का तबादला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। शनिवार देर रात राज्य सरकार ने 25 आइएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। कई को अतिरिक्त प्रभार दिये गये हैं। कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के अनुसार, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी अब कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव बनाये गये हैं। वहीं सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग की सचिव विप्रा भाल अब राज्यपाल की प्रधान सचिव होंगी। योजना एवं विकास विभाग के प्रधान सचिव मस्त राम मीणा अपने कार्यों के साथ पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। भवन निर्माण विभाग के सचिव मनीष रंजन को श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान का निदेशक नियुक्त किया गया है। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव डॉ अमिताभ कौशल अब सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई गवर्नेंस विभाग के सचिव का काम देखेंगे। इसके साथ ही वे वाणिज्य कर विभाग के सचिव के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे। पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार अपने कार्यों के साथ नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। इसके साथ वे जुडको और ग्रेटर रांची विकास एजेंसी के प्रबंध निदेशक प्रभार भी रहेंगे। खान एवं भूतत्व विभाग के सचिव जितेंद्र कुमार सिंह अब अपने कार्यों के साथ उद्योग विभाग के सचिव अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव राजेश कुमार शर्मा को आपदा प्रबंधन विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का सचिव बनाया गया है। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार अपने कार्यों के साथ उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के सचिव के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। मुख्यमंत्री के सचिव के पद पर कार्यरत अरवा राजकमल को भवन निर्माण विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। अपने कार्यों के साथ वे भवन निर्माण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और झारखंड भवन नयी दिल्ली के स्थानिक आयुक्त के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे। स्वर्णरेखा परियोजना के प्रशासक के पद पर कार्यरत भंजू नाथ भजंत्री अब झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन समिति के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी बनाए गए हैं। इसके साथ वे मनरेगा आयुक्त के अतिरिक्त प्रधान में भी रहेंगे। रांची नगर निगम के नगर आयुक्त अमित कुमार को वाणिज्य कर आयुक्त, रांची नियुक्त किया गया है। अपने कार्यों के साथ में वित्त विभाग के विशेष सचिव के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के प्रभारी सचिव उमाशंकर सिंह अपने कार्यों के साथ खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के प्रभारी सचिव के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। हजारीबाग नगर निगम के नगर आयुक्त शैलेंद्र कुमार लाल अब झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के निदेशक नियुक्त किये गये हैं। उत्पाद आयुक्त सुनील कुमार सिंह को श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण कौशल विभाग में अपर सचिव नियुक्त किया गया है। जमशेदपुर के उपायुक्त अनन्य मित्तल अब अपने कार्यों के साथ स्वर्णरेखा परियोजना के प्रशासक के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन समिति के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी संदीप सिंह अब रांची नगर निगम के नगर आयुक्त नियुक्त किये गये हैं। इसके साथ ही वे रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार के उपाध्यक्ष के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण कौशल विभाग में विशेष सचिव रहे अमित प्रकाश को उत्पाद आयुक्त नियुक्त किया गया है। प्रतीक्षारत रवि आनंद को कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग में संयुक्त सचिव बनाया गया है। गिरिडीह के उप विकास आयुक्त दीपक कुमार दुबे को नगर विकास एवं आवास विभाग में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। प्रतीक्षारत सौरभ कुमार भुवानिया को वित्त विभाग में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। प्रतीक्षारत समीरा एस को झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्था के निदेशक सह सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है। प्रतीक्षारत आलोक कुमार को गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग में संयुक्त सचिव बनाया गया है। प्रतीक्षारत शताब्दी मजूमदार को वित्त विभाग में अवर सचिव नियुक्त किया गया है।

नितिन मदन कुलकर्णी की जगह विप्रा भाल बनी राज्यपाल की प्रधान सचिव

पुलिसकर्मियों को आवंटित हथियार की करें जांच

रांची। झारखंड पुलिस आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है। इसी क्रम में झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी और सभी वाहिनी के कमांडेंट को आवंटित हथियार के रखरखाव और जांच को लेकर आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को देखते हुए चुनाव ड्यूटी में प्रतिनियुक्त किये जाने वाले पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को आवंटित किये जाने वाले हथियार के रखरखाव और जांच अति आवश्यक हैण इसलिए अपने-अपने जिला और इकाई से चुनाव ड्यूटी में प्रतिनियुक्त किये जाने वाले पुलिस पदाधिकारी और बलों को आवंटित हथियार की जांच करना सुनिश्चित करें। साथ ही यह प्रमाण पत्र भी दें कि सभी हथियार कारगर हैं और अच्छे हालात में हैं। सभी जवानों और पदाधिकारी को लक्ष्य का अभ्यास कराना सुनिश्चित करने का आदेश जारी किया गया है।

महेश कुमार संथालिया बने डीडीसी पाकुड़

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा के दो पदाधिकारियों का स्थानांतरण पदस्थापन किया गया है। संयुक्त सचिव स्वास्थ्य विभाग महेश कुमार संथालिया को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक उप विकास आयुक्त पाकुड़ के पद पर स्थापित किया गया है। अपर उपायुक्त सरायकेला खरसावां संजय कुमार दास को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अपने वेतनमान में परियोजना निदेशक समेकित जनजाति विकास अभिकरण साहिबगंज के पद पर स्थापित किया गया है। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

पाकुड़ में इस बार जरूर होगा बदलाव: सुदेश

अजहर इस्लाम ने थामा आजसू का दामन

आजाद सिपाही संवाददाता

पाकुड़। आजसू का पाकुड़ में आयोजित मिलन समारोह में रविवार को पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो की मौजूदगी में रविवार को समाजसेवी अजहर इस्लाम आजसू में शामिल हुए। मुखिया, जिला परिषद सदस्य और हजारों की संख्या में समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल हुए। पार्टी में शामिल होने पर अध्यक्ष सुदेश महतो ने उन्हें पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अजहर जैसे युवा और पढ़ा-लिखा युवा नेता पार्टी को मिला है, निश्चित रूप से पाकुड़ में आने वाले समय में बदलाव होगा।

राज्य की वर्तमान सरकार जनता को ठगने का काम कर रही है। मंईयां योजना सिर्फ लोगों को चुनावी खर्च देने की योजना है। उन्होंने कहा कि झारखंड में जो अपेक्षित विकास होना चाहिए था, वह 5 साल में नहीं हुआ। पाकुड़ जैसे जगह पर यहां के लोगों ने बड़े-बड़े नेता दिये, लेकिन सिर्फ यहां के लोगों को ठगने का काम किया गया। आज यहां की जनता सब जान रही है कि यहां के नेता मंत्री बने, लेकिन पाकुड़ का जो विकास होना चाहिए था, वह विकास नहीं हो पाया।

आज लोग यहां से ठगा महसूस कर रहे हैं। सरकार बनी तो निश्चित रूप से पाकुड़ में बदलाव आयेगा। कार्यक्रम को अजहर इस्लाम ने कहा कि पाकुड़ की जनता का प्यार और साथ मिला तो इस बार की विधानसभा चुनाव में जीत निश्चित है और आने वाले पांच साल में पाकुड़ की तस्वीर बदल कर रख दूंगा।

पाकुड़ के लोग अब तक ठगे गये हैं और अब महसूस कर रहे हैं। पाकुड़ में जो विकास होना चाहिए था, आज भी लोग यहां सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए दूसरे राज्य पर आश्रित हैं। सभा को मोहम्मद खालिद मोहम्मद एहाशमी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष आलमगीर आलम ने किया। कार्यक्रम में देवशरण भगत, दीपक महतो, अली अकबर, मजहर इस्लाम सहित प्रमंडल के सभी जिलाध्यक्ष मौजूद थे।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 12 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
04

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य: उपायुक्त

कोडरमा (आजाद सिपाही)। आवेदिका को झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए शिविर में उपस्थित होकर फोटो खिंचवाने और आधार वेरिफिकेशन करवाने की कोई आवश्यकता नहीं है। पूर्ण रुप से भरा हुआ आवेदन वे अपने आंगनबाड़ी केन्द्र या पंचायत, हल्का में जमा करा सकती हैं, जिसे प्रखंड, अंचल द्वारा ऑनलाइन कराकर उन्हें योजना का लाभ प्रदान किया जायेगा। उक्त बातें उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कही। उपायुक्त ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए सिर्फ 04 दस्तावेजों की आवश्यकता है। एक पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, राशन कार्ड की छायाप्रति। उपायुक्त ने बताया कि योजना का लाभ लेने हेतु जिस बहन का राशन कार्ड में नाम नहीं है, उनके लिए उनके पिता, पति का राशन कार्ड मान्य होगा। उपायुक्त ने बताया कि पूर्ण रुप से भरा हुआ आवेदन आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत सचिवालय, हल्का, अंचल कार्यालय, प्रखंड कार्यालय में जमा कराया जा सकता है। जिला में सभी शिविरों और प्रखंड अंचल व जिला कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर के माध्यम से प्राप्त आवेदनों को युद्ध स्तर पर ऑनलाइन कराने का कार्य किया जा रहा है और योजना के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की जा रही है। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने जिलेवासियों से अपील की कि झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना की पूरी प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क है। सभी आवेदिका जिन्होंने अब तक अपना आवेदन किसी कार्यालय में जमा नहीं कराया है, अविलंब निर्धारित कार्यालय में आवेदन जमा कराकर योजना का लाभ लें।

कांवरियों की सुविधा के लिए अंबा प्रसाद ने लगाया शिविर

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। सावन के अंतिम सोमवारी के अवसर पर रजरप्पा मंदिर से बुढ़वा महादेव जलाभिषेक करने जा रहे श्रद्धालुओं के सुविधा के लिए विधायक अंबा प्रसाद के द्वारा जरजरा में सेवा शिविर लगाया गया। इस अवसर पर विधायक अंबर प्रसाद में खुद सेवा शिविर में पहुंचकर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद, जूस इत्यादि का वितरण किया। इस दौरान विधायक ने पवित्र सावन मास के अंतिम सोमवारी की शुभकामनाएं देते हुए भगवान भोलेनाथ से श्रद्धालुओं की सभी मनोकामना पूर्ण करने और क्षेत्रवासियों के सुख समृद्धि हेतु कामना किया। कांवड़ियों के बीच विधायक अंबा प्रसाद ने काफी वक्त बिताया और बोल बम के नारे से पूरा क्षेत्र गूंजायमान हो गया। मौके पर मुख्य रूप से आनंद मेहता युवा प्रखंड अध्यक्ष, सुनील कुमार, चंदन गुरु, दसरथ प्रसाद किसान मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष, रोहित सिंह गौतम कुशवाहा, संजय ठाकुर, कुलदीप बेदिया, हरिनाथ बेदिया, प्रवीण बेदिया, निखिल चौधरी, पिंटू चौधरी, अमीरलाल बेदिया सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

मंईयां सम्मान योजना झारखंड की महिलाओं का सम्मान: झामुमो नेता

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हीराबाग स्थित झामुमो कार्यालय में प्रेस वार्ता का आयोजन रविवार को किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए झामुमो जिला संयोजक मंडली के सदस्य नीलकंठ महतो ने कहा की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंइयां सम्मान योजना लाकर झारखंड की महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है। जिसमें 21 वर्ष से 50 वर्ष तक की सभी महिलाओं को 1000 रूपया सम्मान के रूप में दिया जायेगा। मगर भाजपा के नेताओ को यह नहीं पच रहा की यहां की महिलाओं को सम्मान मिले। इसलिए अलुल जलूल बयानबाजी भी कर रहे हैं। अब भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं रहा इसलिए झारखंड की जनता को बरगलाने का काम कर रहे, मगर यहां की जनता खास कर महिला उनके फरेब को समझ चुकी है। साथ ही कहा की अगर किसी शिविर में कही गड़बड़ी या पैसे लेनदेन का काम कोई करें तो तुरंत पदाधिकारियों को सूचित करें। केंद्रीय सदस्य मो इजहार ने कहा की झामुमो के कार्यकर्ता अब शिविर में रह कर महिलाओं को फार्म फरने के साथ अन्य मदद करेंगे। साथ ही यह भी नजर रखेंगे की कोई साजिश या गड़बड़ी तो नहीं कर रहा। बड़कागांव प्रखंड अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा की मंइयां सम्मान योजना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का दूरदर्शी सोच हैं। मुख्यमंत्री के द्वारा संज्ञान लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों को दूर किया जा रहा है, ताकि योजना का लाभ झारखंड की सभी माताओं बहनों को मिल सकें। साथ ही कहा की यह खेद जनक है की झारखंडी जनों के हित को देखते हुए विपक्ष इन योजनाओं पर भी राजनीति करते हुए आम जनों को गुमराह कर रही है। बहनों को कोई परेशानी न हो इसके लिए हमारी सरकार ने योजना के फार्म को जिला प्रशासन के सहयोग से घर घर तक पहुंचाया है। झामुमो कार्यकर्ताओं ने इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया है। आज के पीसी का मुख्य उद्देश्य विपक्ष के द्वारा फैलाये जा रहे भ्रम को रोकना है और सभी योग्य माताओं बहनों तक योजना का लाभ पहुंचाना है। मौके पर दीपक कुमार रॉय, मो निसार, मो अख्तर, मो सरफराज आदि उपस्थित थे।

कोडरमा बचाओ संघर्ष समिति की बैठक

कोडरमा (आजाद सिपाही)। कोडरमा बचाओ संघर्ष समिति की बैठक रविवार को समाहरणालय परिसर में समिति के संयोजक मनोज कुमार झुन्नू की अध्यक्षता और सह संयोजक महेश भारती के संचालन में हुई। इसमें पॉलिटेक्निक कॉलेज कोडरमा का स्थानांतरण को रोकने, बागीटांड में बने इंजीनियरिंग कॉलेज को शुरू कराने, जेजे कॉलेज झुमरी तिलैया को विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से हटा कर गिरिडीह से संबद्ध करने के खिलाफ सहित कोडरमा के अन्य ज्वलंत मुद्दों जैसे होल्डिंग टैक्स, नियमित बिजली पानी की आपूर्ति, शहर की साफ सफाई जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित सभी लोगो ने एक स्वर में पॉलिटेक्निक कॉलेज कोडरमा को बंद कर के जयनगर गोहाल ले जाने का विरोध किया। बैठक में कोडरमा बचाओ संघर्ष समिति मुख्य मांगों में होल्डिंग टैक्स और अन्य समस्याओं को लेकर 13 अगस्त को नगर पंचायत कोडरमा के प्रशासक से प्रतिनिधि मंडल मिलना, राजकीय पोलटेक्निक कॉलेज बचाओ को लेकर 20 अगस्त को माइनिंग गेट के पास 11 बजे दिन से दो घंटे का सांकेतिक धरना, जेजे कॉलेज को बिनोवा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से गिरिडीह से संबद्ध करने के खिलाफ 22 अगस्त को जे जे कॉलेज गेट के पास 11 बजे दिन से दो घंटे का सांकेतिक धरना देने का निर्णय लिया गया। बैठक में समिति के संयोजक मनोज कुमार झुन्नू, सह संयोजक महेश भारती के अलावा साजिद हुसैन लल्लू, संजीव समीर, आर के बसंत, दीपक कुमार नवीन, राजू खान, आफताब आलम, सूरज सिन्हा, धीरज नाथ गोस्वामी, मो तनवीर अख्तर, विलास राम, मो असगर ने भाग लिया।

झारखंड विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति ने किया हजारीबाग का दौरा

विकास कार्यों की प्रगति की ली जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति रविवार को अपने दो दिवसीय दौरे पर हजारीबाग पंहुची। इसी क्रम में समिति के अध्यक्ष केदार हाजरा ने परिसदन हजारीबाग के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान सर्वप्रथम समिति के अध्यक्ष ने झारखंड विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात विभिन्न मामलों पर चर्चा के क्रम में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने विभागवार संबंधित अधिकारियों से वर्तमान में किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

मौके पर उन्होंने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज की स्थिति, सदर अस्पताल में एंटी वेनम, एंटी रेबीज की दवा की उपलब्धता सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों आदि में पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर तरीके से करने और क्षेत्र भ्रमण करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया। उन्होंने राजस्व से संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारियों से वर्तमान वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के अनुरूप प्राप्त राजस्व की जानकारी ली और ससमय लक्ष्य की प्राप्ति को लेकर आवश्यक निर्देश दिये।

इसी क्रम में उन्होंने डीआरडीए के अधिकारी से मनरेगा योजना के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली। बैठक में उन्होंने भवन, पथ प्रमंडल, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल आदि के कार्यपालक अभियंताओं से वर्तमान में निर्माणाधीन योजनाओं, संचालित योजनाओं की जानकारी ली और योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण पूरा करने का निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने वन रोपण पर विशेष ध्यान देने और माइनिंग से हुई क्षति को पूरा करने के लिए वृहद स्तर पर वन रोपण करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया। बैठक में उक्त समिति के सदस्यों के अलावा, जिला स्तरीय कई अधिकारी व कर्मी सहित अन्य उपस्थित थे।

बैठक में इन विभागों की हुई समीक्षा

बैठक के दौरान समिति के अध्यक्ष केदार हाजरा ने भूमि सुधार विभाग, खनन विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि, खाद्य आपूर्ति, वन विभाग, श्रम विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, कल्याण, पशुपालन और स्वास्थ्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विगत वर्षों में किये गये विकास कार्यों, योजनाओं और उनके वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और आम जनों को योजनाओं से लाभान्वित करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।

वज्रपात से एक की मौत, तीन घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

टाटीझरिया। टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र में रविवार को बारिश हुई और प्रखंड के दो अलग-अलग स्थानों में हुए वज्रपात की घटना में एक व्यक्ति और एक पशु की मौत हो गयी है। वहीं कुल तीन लोग घायल हो गये हैं। धरमपुर निवासी भोला यादव (55 वर्ष) पिता स्व कुंजो यादव मवेशी चराने के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार वह मैदान में मवेशी चरा रहे थे। इसी दौरान आकाशीय बिजली के चपेट में आने से उनकी मौत हो गयी। बताया जाता है कि उसी जगह पर 15 नवंबर 2022 को वज्रपात से भोला यादव के दो बैलों की मौत हो गयी थी। धरमपुर निवासी शैलेश यादव का पुत्र रौशन यादव वज्रपात होने से घायल हो गया है। इधर, जेरूवाडीह में वज्रपात की चपेट में आने से जयनाथ महतो के एक बैल की मौत हो गयी। वहीं खेत में काम कर रहे बालेश्वर महतो (50 वर्ष) पिता स्व अमृत महतो और मानती देवी (32 वर्ष) पति संजय प्रसाद घायल हो गये हैं। धरमपुर में वज्रपात से हुए भोला यादव की मौत के बाद क्षेत्र के लोग काफी मर्माहत हैं। घटना पर धरमपुर पंचायत समिति सदस्य राजेश कुमार यादव और मुखिया प्रतिनिधि अशोक यादव ने चिंता जताया है। साथ ही प्रशासनिक स्तर से उचित मुआवजा दिलाने की मांग किया है।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

सतगावां (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के समलडीह गोहाल के समीप शनिवार को देर शाम एक युवक बाईक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉटर अशीष कुमार यादव द्वारा इलाज किया गया। युवक की पहचान आयुष कुमार (16 वर्ष, पिता उमेश प्रसाद यादव ग्राम डुमरी) के रूप में हुई है। युवक नारायडीह से अपने गांव डुमरी जा रहा था। गौहाल के पास रोड पर बड़े गढ़े के कारण बाइक अनियंत्रित हो गया जिससे जिससे युवक बुरी तरह से घायल हो गया।

सरफुद्दीन अंसारी की हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पिता की हत्या का बदला लेने के लिए गोली मार और गला रेत कर की थी सरफुद्दीन अंसारी की हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गाल्होबार में गत 3 अगस्त को एक दिल दहला देने वाली घटना घटी थी। जिसमें सरफुद्दीन अंसारी (पुत्र अब्दुल गफ्फुर अंसारी) की गोली मारकर और गला रेतकर हत्या कर दी गयी थी। घटना को अंजाम देने वाले कांड के मुख्य आरोपी तोहिद अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उक्त कामयाबी पर एसपी अरविंद कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता कर बताया की यह हत्या गांव के आंगनबाड़ी केंद्र के पास कुछ अपराधकर्मियों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से की गयी थी। इस जघन्य घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी और पुलिस को मामले की त्वरित जांच के लिए मजबूर कर दिया। मृतक सरफुद्दीन अंसारी की पत्नी ने इस हत्या के संबंध में विष्णुगढ़ थाना में कांड संख्या-133/24, दर्ज किया गया था। कांड में 6 नामजद अभियुक्तों के खिलाफ आरोप लगाये गये थे। अभियुक्तों में तोहद अंसारी, तौफिक अंसारी, औफिक अंसारी, इमरान शाह, अलीमुद्दीन शाह, और सुभान अंसारी का नाम शामिल था। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विष्णुगढ़ के नेतृत्व में कांड जांच की जिम्मेवारी सौंपी गयी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल से अपराध में प्रयुक्त अग्नेयास्त्र को भी बरामद कर लिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। पुलिस ने इस मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 10 अगस्त को कांड के मुख्य आरोपी तोहिद अंसारी (उम्र 27 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। तोहिद, स्वर्गीय सनुल अंसारी का पुत्र है, ने पुलिस के सामने अपने अपराध को स्वीकार करते हुए चौंकाने वाले खुलासे किये। तोहिद ने बताया कि 2019 में सरफुद्दीन अंसारी ने उसके पिता की हत्या कर दी थी। इसी कारण से उसने और उसके भाइयों ने बदला लेने की योजना बनायी। 3 अगस्त को योजनाबद्ध तरीके से, तोहिद और उसके भाइयों ने सरफुद्दीन अंसारी की हत्या कर दी। हत्या के बाद अपराध में प्रयुक्त देशी कट्टा को पास के नाले में फेंक दिया गया, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद कर लिया। पुलिस इस घटना में शामिल अन्य आरोपियों की भी तलाश कर रही है। एसपी ने कहा की जल्द ही बाकी अभियुक्तों को भी गिरफ्तार कर लिया जायेगा। गिरफ्तारी दल में पुलिस उपनिरीक्षक सागेन मुर्मू, पुलिस उपनिरीक्षक राजन कुमार, पुलिस उपनिरीक्षक आशीष कुमार और थाना रिजर्व गार्ड शामिल थे।

कोडरमा में आज दिखेगा देवघर का रूप

एक लाख से अधिक कांवरिया पदयात्रा में होंगे शामिल

ध्वजाधारी पहाड़ पर स्थापित शिवलिंग पर करेंगे जलाभिषेक

अमित कुमार

कोडरमा (आजाद सिपाही)। सावन में कांवर पद यात्रा कर शिवलिंग पर जलाभिषेक करने का विशेष महत्व है। कोडरमा में 24 वर्ष पहले धार्मिक संगठन श्री राम संकीर्तन मंडल के द्वारा महज 65 कांवरियों के साथ 15 किलोमीटर की कांवर पदयात्रा की शुरुआत की गयी थी। इस वर्ष 25वां कांवर पदयात्रा आयोजित कर आयोजन की रजत जयंती मना रही है। वर्तमान समय में इस कांवर पदयात्रा में जिले के विभिन्न क्षेत्रों के अलावे पड़ोसी जिलों से भी काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं जिसकी तादाद एक लाख से अधिक होती है। श्री राम संकीर्तन मंडल के द्वारा आयोजित कांवर पद यात्रा के संयोजक बबलू सिंह ने बताया कि कांवर पदयात्रा की रजत जयंती को लेकर जिले में काफी उत्साह का माहौल है। शहर और कांवर यात्रा मार्ग को केसरिया झंडे से सजाया गया है। शहर के साथ झरनाकुंड धाम से ध्वजाधारी पहाड़ तक विभिन्न सामाजिक संगठन के द्वारा कावड़ यात्रियों के स्वागत के लिए कई आकर्षक तोरण द्वार बनाये गये हैं। उन्होंने बताया कि 25वें वर्ष पर कांवर पदयात्रा में 25 फीट की आकर्षक कांवर निकाली जायेगी।

जीवंत झांकी लोगों को करेगी आकर्षित : संयोजक ने बताया कि रजत जयंती के अवसर पर इस वर्ष कांवर पदयात्रा में कई आकर्षक झांकियां भी शामिल रहेगी। पटना और बनारस की टीम के द्वारा सुसज्जित वाहन पर भस्म आरती की झांकी, होली खेले मसाने में की झांकी, 7 फीट ऊंचा महाकाल की शिवलिंग, शिव परिवार की जीवंत झांकी, श्री राम दरबार झांकी श्रद्धालुओं को काफी आकर्षित करेगी। कांवर पदयात्रा के रजत जयंती की व्यापक तैयारी और कार्यक्रम की सफलता में श्री राम संकीर्तन मंडल के अध्यक्ष मुंन्ना भदानी, सचिव अरविंद चौधरी, मनोज साव, लखन सिंह, पीयूष सिंह, अभिषेक पांडेय, विक्की केसरी, ओम प्रकाश निरंजन, राकेश कपसीमे, अरविंद एकघरा, अमित स्वर्णकार, महावीर खेतान, नवीन सिन्हा, बसंत गुप्ता, प्रदीप कसेरा, सुजय सिंह, आलोक सिन्हा, राहुल सिंह, प्रिंस विश्वकर्मा, विनोद यादव, अमित कुमार, नवल पांडये समेत अन्य लगे हुए हैं। इधर महंत सुखदेव दास ने बताया कि सावन महीना का चौथे सोमवारी को कांवर पद यात्रा की तैयारी पूरी कर ली गयी है। उन्होंने भक्तों से आग्रह है कि शांतिपूर्वक से सोमवारी संपन्न हो, जिला प्रशासन के द्वारा ध्वजाधारी धाम में काफी संख्या मे पुलिस सुरक्षा की तैनाती रहेगी। 16 कैमरा निगरानी रखने के लिए लगाया गया है।

15 किमी की पदयात्रा कर जलाभिषेक करेंगे भक्त

सावन के चौथे सोमवार 12 अगस्त की प्रातः 7 बजे से भव्य कांवर पद यात्रा की शुरुआत होगी, जिसमें श्रद्धालु कलश में झरना कुंड से जल उठायेंगे और 15 किलोमीटर पैदल चलते हुए ध्वजधारी धाम में शिव मंदिर में और ध्वजाधारी धाम पहाड़ के शिखर पर 777 सीढ़ी चढ़कर भोलेनाथ पर जलाभिषेक करेंगे। कोडरमा जिले के दूर-दराज इलाके और जिले के बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पंजाबी धर्मशाला में रात्रि विश्राम और इंदरवा स्कूल के परिसर में रात्रि भोजन की व्यवस्था की गयी है। कांवर पदयात्रा के दौरान अखाड़ा समिति और जिम से जुड़े शिव भक्त 51, 71, 101 और 151 लीटर जल उठाकर 15 किलोमीटर की कांवर पदयात्रा में शामिल होंगे।

गजराजों ने दर्जनों घरों में मचाया तांडव

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। लगातार दूसरे दिन गजराजों ने विष्णुगढ़ प्रखंड के जोबर गांव में तांडव मचाया। जिसमें जोबर गांव के उर्मिला देवी, धनेश्वर नायक, मनोज तुरी, प्रेमचंद तुरी, भरत तुरी, शनिचर तुरी, मो सोनिया, हेमलाल तुरी, जीवाधन महतो, हेमलाल महतो प्रभावितों में शामिल है। मिली जानकारी के मुताबिक गजराज शनिवार रात जोबर गांव में दर्जनों घरों को क्षतिग्रस्त कर घरों ने रखे अनाज चट कर गये। वही तुलसी सिंह के दुकान में लगे प्रिंटर तोड़ दिये इतना ही नहीं घर के तीनों शटर पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिये साथ ही दुकान में रखे गये आटा चीनी गुड़ आदि अनाज खा गये। बताते है कि गजराजों की संख्या 25 से 30 है। बीते शुक्रवार को रात भर मडमों गांव में हाथियों के उत्पात से ग्रामीण परेशान रहे थे। मडमो में भी दर्जन भर घरों को तोड़कर अनाज खा गये। फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचाया गया था।

ओल्ड पेंशन स्कीम की स्वीकृति पर बंटी मिठाई

कोडरमा (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार की कैबिनेट में ओल्ड पेंशन स्कीम की स्वीकृति पर जगन्नाथ जैन महाविद्यालय में शिक्षकों और कर्मियों द्वारा मिठाई बांट कर खुशियां मनायी गयी। सभी शिक्षक और कर्मियों ने सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय पर अपना आभार जताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मिथिलेश उपाध्याय ने राज्य सरकार को धन्यवाद देते हुए सभी शिक्षकों और कर्मियों को बधाई दिया। प्रो शैलेंद्र कुमार ने राज्य सरकार के इस क्रांतिकारी कदम को स्वागतयोग्य बताते हुए अपना आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सरकार के इस कदम से झारखंड में कार्यरत हजारों शिक्षक और कर्मियों का भविष्य सुरक्षित हो गया। श्री घनानंद ने कहा कि 2004 के बाद विश्विद्यालय और महाविद्यालायों में कार्यरत हजारों शिक्षक और कर्मियों का भविष्य सरकार के इस कदम से सुरक्षित हो गया है। संघ के सचिव रीतेश माधव ने सरकार के इस कदम का आभार प्रकट करते हुए कहा कि 2004 के बाद सरकारी सेवा देने वाले शिक्षक और कर्मियों की भविष्य की आर्थिक सुरक्षा देने का सरकार ने काम किया है जो बधाई के पात्र है। संघ के प्रक्षेत्र के अध्यक्ष क्रांति सिंह एवम राजेंद्र राम ने भी सरकार को आभार प्रकट करते हुए इसे ऐतिहासिक कदम बताया। मौके पर प्रो रिचा तिग्गा, डॉ प्रेमी मोनिका टोप्पो, प्रो कनिका कुमारी, प्रो राजेश सिंह, डॉ सुखदेव यादव, घनानंद, मानवेंद्र सिंह, संजय यादव, मनोज कुमार, संजय चौधरी, शारदा सिंह, रामजी कुमार, अशोक यादव, संजीव सिंह, विशेश्वर यादव, दिलीप मिश्रा, रिंकू कुमार, विपुल सिंह, संजय सरकार, आत्मा कुमार, उपेंद्र सिंह, रंजीत कुमार समेत अन्य महाविद्यालय के शिक्षक और कर्मी उपस्थित थे।

भव्य तिरंगा पद यात्रा 13 को

झुमरीतिलैया (आजाद सिपाही)। कोडरमा जिले के सामाजिक संस्था के एस एच यूथ फाउंडेशन (कशयफ) की बैठक में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आगामी स्वतंत्रता दिवस से पहले 13 अगस्त प्रातः 08:30 बजे से महाराणा प्रताप चौक चौक से सुभाष चौक (भाया झंडा चौक) तक झुमरी तिलैया शहर में भव्य तिरंगा पद यात्रा का आयोजन करने वाली है। संस्था के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष तिरंगा पद यात्रा का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण है। उक्त कार्यक्रम में जिले भर से कई विद्यालयों के द्वारा झांकियां निकाली जानी है। जिसमें सबसे अच्छे झांकियों में से सबसे सर्वश्रेष्ठ झांकी को प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान से सम्मानित किया जायेगा और उक्त कार्यक्रम में जिले भर से कई सम्मानित और प्रतिष्ठित लोग सम्मिलित होंगे। कशयफ संस्था के संस्थापक सह निर्देशक विशाल सिंह, निर्देशक रोहित कुमार बरनवाल, सचिव जीतू थापा, उपाध्यक्ष तौफिक हुसैन, सह सचिव राहुल कुमार गुप्ता उर्फ आजाद श्री, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार बौद्ध, सदस्य पियूष कुमार पारस, यतींद्र कुमार शर्मा, रंजीत कुमार, धनंजय कुमार, आकाश कुमार, संदीप कुमार, अंकित सरकार, गोपाल कुमार, आदर्श कुमार, रामू कुमार, श्रवण कुमार समेत संस्था के कई अन्य सदस्यों ने जिले के तमाम नागरिकों से उक्त कार्यक्रम में शामिल होने का अपील भी किया है।

श्रावणी मेला पूजा समिति ने बुढ़वा महादेव में गढ़ा 51 फीट खुटा बाबा

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। राज्य प्रसिद्ध बड़कागांव प्रखंड के महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर प्रांगण में श्रावणी मेला पूजा समिति के द्वारा 51 फीट का खुटा बाबा गड़ा गया। बताते चले कि पिछले वर्ष हैं यह खुटा बाबा को गाड़ने के लिए लाया गया था परंतु गुरुचट्टी बड़कागांव और कांडतरी गांव के आपसी विवाद के चक्कर में यह नहीं गड़ा पाया था। जिसके वजह से यह बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में 1 सालों से पड़ा हुआ था। जिसका अपमान हो रहा था उसी को फिर से सम्मान देने के उद्देश्य से श्रावणी मेला पूजा समिति के सदस्यों ने ग्रामीणों के सहयोग से खुटा बाबा को नीम पेड़ के सामने पूजा अर्चना करने के बाद गढ़ दिया। मौके पर उपस्थित श्रावणी मेला पूजा समिति के मुख्य संरक्षक शशि कुमार मेहता ने कहा कि आपसी झंझट के वजह से खुटा बाबा को एक सालों तक अपमानित किया गया। इसके बाद आज हम लोगों ने खुदा बाबा को सम्मान स्वरूप पूजा अर्चना करके गाड़ने का काम किया हूं। आगे उन्होंने कहा कि बुढ़वा महादेव का लोग विकास चाहते हैं तो सभी प्रखंड वासियों को एक साथ आकर इसका विकास पर ध्यान देना होगा। वही बुढ़वा महादेव विकास सा शांति समिति के अध्यक्ष दामोदर प्रसाद मेहता ने बताया कि सावन के चौथी सोमवारी के शुभ अवसर पर श्रावणी मेला पूजा समिति और बुढ़वा महादेव विकास सह शांति समिति के द्वारा प्राइस वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया जायेगा। खुटा बाबा को गढ़ने में मुख्य रूप से श्रावणी मेला पूजा समिति के कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार, संरक्षक बालेश्वर महतो, उप संरक्षक बीगल किशोर महतो, मीडिया प्रभारी पिंटू कुशवाहा दिनकर,राज किशोर सोनी, बिंदु दांगी, इंद्रनाथ महतो, बंधु महतो, सुरेश महतो, सत्यनारायण महतो, मनोहर महतो, सुकूल महतो, कंचन कुमार रामचंद्र महतो, रामसुंदर महतो, बोधन महतो, शिक्षक अरविंद कुमार,संतोष कुमार, देवनाथ कुमार, जयवीर कुमार, नारायण महतो, भीम महतो, डॉ धनेश्वर महतो, अनिल कुमार, सोहन महतो, किशोर कुमार, विनय कुमार, सोलंकी कुमार, दीपू कुमार, सोमनाथ महतो, मिस्त्री महतो, धनेश्वर महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पानी की समस्या को लेकर अंबा प्रसाद ने जीएम के साथ की बैठक

उरीमारी (आजाद सिपाही)। सयाल क्षेत्र में पानी सप्लाई की समस्या को लेकर बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक अंबा प्रसाद ने रविवार को बरका सयाल क्षेत्र महाप्रबंधक अजय कुमार सिंह के साथ बैठक की। जिसमें बरका सयाल क्षेत्र के विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। बैठक में क्षेत्र में पानी की समस्या को लेकर सकारात्मक बात हुई। जिसमें महाप्रबंधक के द्वारा एक से दो दिन के अंदर पानी की समस्या खत्म करने की बात कही। साथ-साथ कोल्यांचल क्षेत्र के विभिन्न पंचायत में सीसीएल द्वारा एनओसी नहीं मिलने की वजह से विकास कार्य अवरुद्ध हो रहे थे। जिसमें महाप्रबंधक के द्वारा एक से दो दिन में एनओसी देने की बात कही। साथ ही साथ बरका सयाल क्षेत्र के आउटसोर्सिंग कंपनी में यहां के विस्थापित और प्रभावित लोगों को रोजगार से जोड़ने के विषय पर सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक में पतरातू प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार गुप्ता, कोल्यांचल विधायक प्रतिनिधि अमित साहू, सेंट्रल सौंदा पंचायत मुखिया तिलेश्वर साहू, सयाल दक्षिणी के मुखिया जगदीश साहू, एके कोलियरी के पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि मुकेश साहू, अजय पासवान, विनोद साहू बालेश्वर बेदिया, जय सिंह, रामकेवल सिंह, रामेश्वर साहू, चंदन साहू सहित कई लोग मौजूद थे।

लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी प्रसाद यादव से सत्यानंद भोगता ने की मुलाकात

चतरा (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय जनता दल राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बिहार लालू प्रसाद यादव और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव से राज्य के लोकप्रिय माननीय मंत्री सत्यानंद भोगता ने उनके पटना स्तिथ आवास पर गुलदस्ता देकर शिष्टाचार मुलाकात किया। झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर किया विशेष चर्चा।

चतरा मंडल कमेटी के पदाधिकारियों की घोषणा

चतरा (आजाद सिपाही)। भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता के निर्देशानुसार चतरा मंडल अध्यक्ष सुबोध सिंह गुड्डू ने मंडल कमेटी का गठन कर दिया है। नई मंडल कमिटी में सुबोध सिंह गुड्डू अध्यक्ष, बनारस साव, कैलाश राणा, बिरजू दास, कन्हैया सिंह और गणेश साव को उपाध्यक्ष प्रदीप महतो, और दिनेश गोप को महामंत्री, प्रकाश दांगी, उदय दांगी, संगीता सिंह, नीतू देवी और सत्येंद्र यादव को मंत्री, उदय तिवारी को कोषाध्यक्ष, सतीश शर्मा को मीडिया प्रभारी, धर्मेंद्र भारती को सह मीडिया प्रभारी और अमरजीत भोगता को सोशल मीडिया प्रभारी बनाया गया है। स्थानीय सांसद कालीचरण सिंह पूर्व विधायक जनार्दन पासवान, जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता समेत अन्य भाजपा नेताओं ने कमेटी के पदाधिकारी को शुभकामना दिया।

सीएम हेमंत सोरेन के जन्मदिवस पर फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ आगाज

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के 49वां जन्मदिवस के अवसर पर झामूमो युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष योगेंद्र यादव के सौजन्य से बलकुदरा पंचायत में शनिवार से छह दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम केक काटकर सीएम हेमंत सोरेन का जन्मदिन मनाया गया। टूर्नामेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि झामुमो के रामगढ़ जिला अध्यक्ष विनोद किस्कू, विशिष्ट अतिथि जिंदल प्लांट के प्रवीण कुमार, जिला सचिव विनोद महतो, स्थानीय मुखिया विजय मुंडा, रंजीत बेसरा, मुमताज अंसारी आदि अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर कराया। टूर्नामेंट में पहले दिन बालिका ग्रुप में युवा क्लब रांची बनाम देविरया के बीच मैच खेला गया। जिसमें रांची की टीम 5-0 गोल से मैच जीतकर अगले राउंड में प्रवेश किया। वहीं दूसरा मैच कुमहरिया रांची बनाम उलगुलान बडगांव टीम के बीच खेला गया। जिसमें रांची की टीम 3-0 गोल से मैच जीतकर उगले चक्र में प्रवेश किया। वहीं बालक ग्रुप का पहला मैच भुरकुंडा बनाम सरना क्लब कुरबीज के बीच खेला गया। जिसमें भुरकुंडा की टीम 5-3 गोल से मैच जीतकर टुनार्मेंट के अगले राउंड में प्रवेश किया। मौके पर योगेंद्र यादव ने बताया कि छह दिनों तक चलने वाले इस फुटबॉल टूनार्मेंट में झारखंड के विभिन्न जिलो से महिलाओं की 8 टीम और पुरुष के 16 टीमें शामिल होंगे। टूर्नामेंट का फाइनल मैच 15 अगस्त 2024 को होगा। मौके पर सुशील कुमार, जावेद आलम, कमलेश पांडेय, आजाद राय, कार्तिक मुंडा, धनेश्वर मुंडा, सुरेन्द्र उरांव सहित दर्जनों लोग मौजूद थें। टुनार्मेंट को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील मुंडा, सचिव सनी मुंडा, कोषाध्यक्ष अरविंद यादव, संरक्षक सतीश मुंडा, नरेश मुंडा, रामजतन यादव, अशोक यादव, पंकज मुंडा, ईश्वर प्रसाद आदि जुटे हैं।

मणिपाल इंटरनेशनल स्कूल में सावन महाउत्सव

मांडू (आजाद सिपाही)। मणिपाल इंटरनेशनल स्कूल मांडू डीह में शौंडिक महिलाओं ने रविवार को सावन महाउत्सव एवं मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने एक दूसरे के हाथों पर सुंदर व आकर्सक मेहंदी की रचना की। जिसे देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो उठे। साथ ही सावन के गाने पर खूब नाच गान कर आनंद उठाया। बाद में सभी सुहागवती महिलायों ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर शुभकामनाएं दी। उत्सव में कुवारी लकड़ियों ने भी भाग लिया और अपने मेहंदी कलाऔर नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम मुख्य रूप से ललिता देवी, उमा देवी, कविता कुमारी, बेबी देवी, रीता देवी, रूबी देवी, माधवी देवी, रीना देवी, सुषमा देवी और अन्य शौंडिक महिलाओं ने भाग लिया।

कुशवाहा राजनीतिक मंथन सभा का आयोजन

आबादी अनुरूप भागीदारी नहीं देनेवाले दलों को दिखायेंगे आइना: भुवनेश्वर

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। झारखंड कुशवाहा महासभा द्वारा कुशवाहा धर्मशाला में कुशवाहा राजनीतिक मंथन सभा का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि महासभा के मुख्य संरक्षक सह पूर्व सांसद हजारीबाग भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, प्रदेश अध्यक्ष हाकिम प्रसाद महतो, पुर्व विधायक बड़कागांव लोकनाथ महतो, पूर्व विधायक जय प्रकाश वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं बुद्ध के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया।

अतिथियों का हुआ स्वागत

अतिथियों का स्वागत जिला अध्यक्ष चतुर्भुज कश्यप और उनके पदाधिकारीयों द्वारा माला पहनाकर किया गया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि हमारा समाज जबतक राजनीति में उपेक्षा करने वाले दलों को हराने का काम नहीं करेगा। तबतक बड़ी दलों द्वारा समाज का राजनीतिक भागीदारी नहीं मिलेगा।

मौके पर ये थे उपस्थित

महासभा के महासचिव सत्यदेव प्रसाद वर्मा ने सभा का सफल संचालन किया। सभा को महासभा कोषाध्यक्ष भुवनेश्वर महतो भून्नू, संगठन सचिव बटेश्वर प्रसाद मेहता, गिरिडीह जिपअध्यक्ष मुनिया देवी, हजारीबाग जिप अध्यक्ष उमेश मेहता, श्याम सुंदर प्रसाद सहित केन्द्रीय पदाधिकारी घनश्याम महतो, राजकिशोर महतो, प्रोफेसर अर्जुन प्र वर्मा, उचित महतो, एस एन मेहता, बालेश्वर कुमार, अजय कुशवाहा नरेश वर्मा, रविंद्र वर्मा, देव चरण दांगी, पंकज महतो, दिलीप दांगी, अधिवक्ता शंभू कुमार, योगेश कुमार दांगी, रामाशीष दांगी, गौतम कुमार सहित महिला प्रतिनिधियों में इन्द्रमणी देवी, राजपति देवी, पुष्पा देवी, अनिता सिंह, चिंता देवी, भारती कुशवाहा युवा प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन कुमार, कोषाध्यक्ष प्रदिप महतो, संगठन सचिव सतीश कुमार सहित इस कार्यक्रम में पुरे झारखंड प्रदेश के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। महासभा के धनबाद जिला अध्यक्ष लालबाबु सिंह कुशवाहा, रामप्रवेश प्रसाद, हजारीबाग के जिला अध्यक्ष मुकुटधारी महतो, डेग नारायण मेहता, जय नारायण मेहता, सोहनलाल मेहता, योगेंद्र महतो, चतरा जिला अध्यक्ष केदार दांगी, हिरेन्द्र दांगी, नेमधारी महतो, राजेन्द्र प्रसाद, बोकारो जिला अध्यक्ष सुनील कुमार महतो, कुंवर सिंह कुशवाहा, ए पी वर्मा, सरदयाल महतो, रामगढ़ जिला अध्यक्ष चतुर्भुज कश्यप आदि उपस्थित थे।

महासभा के अध्यक्ष हाकिम प्रसाद महतो ने कहा कि महासभा के प्रयास से राष्ट्रीय पार्टीयों ने समाज को कई टिकट दिया पर हमसब उन्हें जिताकर विधानसभा नहीं भेज पाये यह हमारे समाज की कमी रही है। इस बार इंडिया और एनडीए गठबंधन ने विधानसभा में हमारे समाज की उपेक्षा की तो हमारा समाज तिहरे विकल्प के साथ जाना चाहेगा। सभा को पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि कुशवाहा समाज मेहनतकश और ईमानदार कौम है परंतु आज राजनीति के तौर-तरीकों को हमारा समाज आत्मसात करने में दिक्कत आ रही है। पूर्व विधायक जय प्रकाश वर्मा ने कहा कि समाज के अगुवा लोग अपने समाजिक नैतिक दायित्व का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक नहीं करने से कुशवाहा बहुल्य विधानसभा और लोकसभा में भी हमारी भागीदारी कमजोर हुई हैं।

मुख्यमंत्री से मिले उपरबरगा मुखिया, क्षेत्र की समस्याओं से कराया अवगत

आजाद सिपाही संवाददाता

गोला। उपरबरगा पंचायत के मुखिया जितलाल टुडू ने शनिवार को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सीएम आवास में मिले। मुखिया ने मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई दी। साथ ही क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। मुखिया ने मुख्यमंत्री को बताया कि क्षेत्र में हाथी की समस्या विकराल रूप ले लिया है। हर रोज हाथी उत्पात मचा रहे है। इसके अलावे बरलंगा क्षेत्र में सिचाई की घोर समस्या है। जिससे किसानों को काफी कठिनाई होती है। वहीं इस प्रखंड में केंद्रीय स्तर की विद्यालय नहीं है। जिससे यहां के छात्र छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने केंद्रीय विद्यालय निर्माण की मांग मुख्यमंत्री से की है। जिसपर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक पहल करने की बात कही ।

भाजपा जोरी मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह को हटाने की मांग

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के जोरी में रविवार को भारतीय जनता पार्टी की एक बैठक आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता सिद्ध नाथ सिंह ने किया। जिसमें जोरी मंडल के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित हुए। बैठक में भाजपा जोरी मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह को हटाने की मांग की गयी। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने सात प्रस्ताव पारित कर जिला नेतृत्व को अवगत कराने और मंडल अध्यक्ष नहीं बदले जाने पर आनेवाले विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी को इसका खामियाजा भुगतने की बात कहा। इस संबंध में मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि बैठक प्रखंड बनाओ संघर्ष समिति का था। इस में एक भी भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता और बूथ कमिटी के पदाधिकारी शामिल नहीं हुए और ना ही कोई संगठन के पदाधिकारी शामिल हुए।

सीएससी संचालक से एक लाख रुपये की लूट

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। वशिष्टनगर थाना क्षेत्र के सलैया पंचायत अंतर्गत करमाली पुल के पास शनिवार की देर रात करीब साढ़े सात बजे जोरी से अपने घर सलैया गांव जाने के दौरान तीन हथियार बंद लुटेरों ने सीएससी संचालक रौशन कुमार दास से करीब एक लाख रुपये नकद व लैपटॉप सहित बैग को लूट लिया। लुटेरों ने हथियार व चाकू के बल पर इस घटना को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार रौशन और उसका भाई स्कूटी से जोरी से अपना गाँव सलैया जा रहा था। इसी दौरान ओवर टेक कर तीन लुटेरों ने घटना का अंजाम दिया। घटना के बाद भुक्तभोगी ने इसकी सूचना पुलिस को दी है। सूचना पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जाँच में जुट गयी है। रौशन जोरी बैंक के पास सीएससी का संचालन करता है। प्रतिदिन की तरह वह शनिवार को दूकान बंद कर अपना घर लौट रहा था। इस बीच लुटेरों ने घटना का अंजाम दिया। घटना से क्षेत्र के लोगों में दहशत है।

भगवान पारसनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मना

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रांची रोड स्थित श्री पारसनाथ जिनालय में भगवान पारसनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सर्व प्रथम भगवान पारसनाथ का जलाभिषेक और शांतिधारा और निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। कार्यक्रम के उपरांत श्री पारसनाथ जिनालय परिसर में राहगीरों के बीच बुंदिया का वितरण किया गया। 23वें जैन तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में जयकारों और मंत्रोच्चार के साथ भगवान का अभिषेक, विश्व की मंगल कामना और सुख-समृद्धि के लिए शांतिधारा, सामूहिक पूजा की जाती है। निर्वाण कांड के सामूहिक उच्चारण के बाद निर्वाण लाडू चढ़ाया जाता है।

जलाभिषेक करने का शिखरचंद बज, धीरज बज, उषा अजमेरा, शांतिधारा करने का हरकचंद जैन, विवेक, विकाश अजमेरा, सुरेश चंद सेठी एवं निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य विनय जैन, मिथलेश जैन को मिला। जबकि, कार्यक्रम संयोजक संदीप सेठी, बबलू सेठी थे। मौके पर समाज के अध्यक्ष माणिक जैन, अरविंद सेठी, नरेंद्र छाबड़ा, जंबू जैन, राजेश सेठी, देवेंद्र गंगवाल, पदम सेठी, बिमल सेठी, अजय जैन, बीरेंद्र गंगवाल, विवेक अजमेरा, राजीव जैन, अशोक सेठी, अशोक जैन, विनय जैन, बिनोद सेठी, नीरज सेठी, प्रमोद सेठी, रिक्की सेठी, राजेंद्र बागरा, टीकम चंद बागरा, अशोक सेठी, किशोर सेठी, बंटी सेठी, संजय सेठी, प्रदीप पाटनी, निशांत, सुनील, किशोर, बबलू, सुमत जैन, मीडिया प्रभारी राहुल आदि उपस्थित थे।

राज्य में चल रही योजनाओं को लेकर झामुमो की प्रेस कांफ्रेंस

योजनाओं से जनता में एक अच्छा संदेश विपक्ष के पास मुद्दा नहीं: विनोद किस्कू

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। राज्य में हेमंत सोरेन के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से जनता में एक अच्छा संदेश जा रहा है, पूरे राज्य में मंइयां योजना से 21 से 50 वर्ष की मां बहनों में उत्साह देखा जा रहा है और इसका समर्थन भी मिल रहा है। उक्त बातें रविवार को झामुमो जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विनोद किस्कू ने कही। उन्होंने कहा कि राज्य की 3.5 करोड़ जनता हेमंत सोरेन को दोबारा मुख्यमंत्री बनना देखना चाहते हैं। उनके अच्छे कामों की वजह से विपक्ष पूरी तरह बौखला गयी है और अनाप-शनाप बयान बाजी कर रही हैं। इससे घबराने की जरूरत नहीं है। भाजपा शुरू से ही जनता को बरगलाने का काम करते आ रही है, क्योंकि चुनाव का समय नजदीक है। इसलिए जनता को भ्रमित कर रही है। सरकार पूरी सिस्टम के साथ जनता के हितों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री का जो बयान आया है उनके पास कोई मुद्दा नहीं है, जब सभी कार्य ऑनलाइन है तो ठगने का काम कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यों से जनता में खुशी की लहर है, लेकिन भाजपा इम सभी मुद्दों से जनता को भड़काने का काम कर रही है। कहा कि जनता अब जाग चुकी है और उन्हें 2024 के चुनाव में सबक सिखाएगी। प्रेस कांफ्रेंस में केंद्रीय सदस्य भुवनेश्वर महतो उर्फ भुन्नु, उपाध्यक्ष चित्रगुप्त महतो, झामुमो जिला सचिव बिनोद महतो, जिला प्रवक्ता दिलीप कुमार शर्मा आदि उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर बैठक

टंडवा (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी टंडवा मंडल की बैठक टंडवा भाजपा कार्यालय में किया गया। जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संजीव पांडेय, संचालन बबलू गुप्ता ने किया। बैठक में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के सफलता पर चर्चा की गयी। बैठक में निर्णय लिया गया कि 12 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराकर सेल्फी लेकर सोशल मीडिया में और सरल पोर्टल में अपलोड करेंगे। इस मौके पर उतरी जिप सदस्या देवंती देवी, ईश्वर दयाल पांडेय, प्रमोद कुमार सिंह, रंजीत कुमार गुप्ता, राजमणि सिंह, रामचंद्र प्रसाद गुप्ता, गोविंद सिंह, रामेश्वर मिस्त्री, गुलजार अंसारी, प्रदीप नायक, सुरेश ठाकुर, विकास महतो, पिंटू दास, दिलीप महतो, गणेश पासवान, आनंद गुप्ता, अजय गुप्ता, राजू सोनी और अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सीसीएल सेफ्टी बोर्ड मेंबर और केंद्रीय उपाध्यक्ष ने किया खानों का निरीक्षण

उरीमारी (आजाद सिपाही)। जनता मजदूर संघ की ओर से सीसीएल सेफ्टी बोर्ड मेंबर रविंद्र नाथ सिंह और केंद्रीय उपाध्यक्ष निशि पांडे ने बरका सयाल क्षेत्र के कई परियोजनाओं में खान सुरक्षा संबंधी चीजों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में एरिया सेफ्टी ऑफिसर, परियोजना पदाधिकारी, खान प्रबंधक सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। निरीक्षण के क्रम में खानों में कई ऐसी कमियों को लोगों ने प्रबंधन के सामने उजागर किया और अतिशीघ्र खान सुरक्षा के हित में, मजदूरों के सुरक्षा के हित में उसे सुधारने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के पश्चात रविंद्र नाथ सिंह और निशि पांडे ने कहा की मजदूरों के सुरक्षा सर्वोपरि है और जनता मजदूर संघ सुरक्षा के साथ खिलवाड़ और अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। निरीक्षण के क्रम में जो कमियां हम लोगों ने देखा उसे प्रबंधन को अतिशीघ्र सुधार करने का निर्देश दिया है और इसके बाद भी यदि प्रबंधन सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करती है और किसी प्रकार की घटना घटती है और जान माल का नुकसान होता है तो उसकी सारी जवाबदेही प्रबंधन की होगी। मौके पर रिजिनल उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष चमन मुंडा, क्षेत्रीय सचिव दशरथ कुर्मी, महेंद्र सिंह, विनय सिंह, शिव चरण करमाली, बैजनाथ कुमार, प्रदेशी नोनिया, विजय राम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विधायक ने किया झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का निरीक्षण

पतरातू (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार की अति महत्वपूर्ण मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के तहत पतरातू प्रखंड क्षेत्र के सांकुल सेंट्रल सौंदा, सयाल उत्तरी, सयाल दक्षिणी में लगे शिविर में विधायक अंबा प्रसाद पहुंचकर कुल कितने आवेदन जमा हुए इसकी जानकारी ली। उसके बाद उपस्थित मां-बहनों से राज्य की अति महत्वपूर्ण योजना की समीक्षा करते हुए सभी योग्य महिलाओं को लाभ लेने की अपील की। इस दौरान विधायक अंबा प्रसाद ने बताया कि इस योजना का लाभ ऑनलाइन ऑफलाइन दोनों माध्यमों से ली जा सकती है। जिन महिलाओं का राशन कार्ड में नाम नहीं है वे भी पिता या पति के राशन कार्ड में नाम होने पर योग्य माने जायेंगे। आवेदन जमा करने का कार्य बिल्कुल निःशुल्क है। यदि कोई भी व्यक्ति पैसा मांगता है तो सूचना दें। विधायक ने बीडीओ को भी निर्देश दिया कि कोई भी लाभुक इस योजना से वंचित न रहे।

भाजपा रामगढ़ नप मंडल की बैठक

कुजू (आजाद सिपाही)। भाजपा रामगढ़ नगर परिषद मंडल की बैठक जिला कार्यालय हथमारा में हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मनोज गिरी और संचालन राम प्रसाद मल्लिक ने की। बैठक का शुभारंभ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की चित्र पर दीप प्रज्वलित और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। बैठक के दौरान प्रदेश नेतृत्व के दिशा निर्देश पर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी। साथ ही, शक्ति केंद्र में टोली बनाकर तिरंगा यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया। वही, संगठन मजबूती विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही, मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच तिरंगा झंडा वितरण किया गया। साथ ही, मनोनित रामगढ़ जिला पदाधिकारी और मोर्चा के अध्यक्षों को नगर परिषद की ओर से बधाई सहित शुभकामनाएं दी गयी। बैठक में संतोष शर्मा, अर्जुन यादव, दिलेश्वर कुशवाहा, जगत नारायण साव, राजेश प्रजापति, दुलाल पंडा, गणेश प्रसाद, प्रमोद यादव, अनिल यादव, मनोज यादव, नरेश यादव समेत कई भाजपाई मौजूद रहे।

शिक्षिका मीरा ने लगायी डीसी से गुहार

चतरा (आजाद सिपाही)। झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश डब्ल्यू पीसी (एस) के अनुपालन में, शिक्षिका मीरा कुमारी के साथी सवित्री कुमारी ने शिक्षा सचिव को पारस्परिक अंतरजिला स्थानांतरण के लिए उपायुक्त से गुहार लगाया है। मीरा कुमारी गिरीडीह जिला के अंतर्गत बिरनी प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में कार्यरत है। जबकि सावित्री कुमारी का गृह जिला गिरिडीह प्रखंड बिरनी के द्वारपहरी उत्क्रमित मध्य विद्यालय है। उपायुक्त से गुहार लगाते हुए बताया कि गांव से लगभग 225 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जिससे उनके स्वास्थ्य और कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पहले भी झारखंड शिक्षक ट्रांसफर पोर्टल पर अंतरजिला स्थानांतरण हेतु आवेदन किया गया है। जो जिला स्तर से अस्वीकार कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने साथी शिक्षिका मीरा कुमारी के साथ पारस्परिक अंतरजिला स्थानांतरण हेतु माननीय झारखंड उच्च न्यायालय में डब्ल्यू पी(एस) दाखिल किया। जिस पर न्यायालय ने शिक्षा विभाग से सहानुभूतिपूर्वक निर्णय लेने की अपेक्षा की है। मीरा कुमारी ने शिक्षा सचिव से भी निवेदन किया है। उनके विशेष परिस्थितियों में सहानुभूति पूर्वक विचार कर पारस्परिक अंतरजिला स्थानांतरण की मांग की है। शिक्षिका मीरा कुमारी और सावित्री कुमारी ने कहा कि इस निर्णय से उन्हें और उनके परिवार को राहत मिलेगी।

चीन में उपभोक्ता खर्च में गिरावट

चीन में ड्रिंक्स और आइसक्रीम बनाने वाली चेन मिक्सयू के लेमोनेड पर छपा यह स्लोगन 'यहां तक कि जो लोग गरीब हैं, वे भी गर्मी से डरते हैं' देश के उपभोक्ता खर्च के बारे में बहुत कुछ कहता है। भीषण गर्मी के बीच इस सस्ते पेय की बिक्री में भारी वृद्धि हुई है, जबकि इसका मूल्य चाय के मुकाबले काफी कम है। ब्लॉगर्स का मानना है कि लेमोनेड की बढ़ती मांग उपभोक्ताओं द्वारा अपनायी जा रही किफायत की प्रवृत्ति को दर्शाती है। चीन में उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं के बीच सस्ते उत्पादों की मांग बढ़ रही है। चीन में उपभोक्ता खर्च में भारी कमी आयी है। शंघाई जैसे बड़े शहरों में 2024 के पहले छह महीनों में उपभोक्ता खर्च पिछले साल की तुलना में 2.3% कम हो गया है। लोगों ने महंगे उत्पादों से दूरी बना ली है और अब वे सस्ते और किफायती विकल्पों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इससे लग्जरी उत्पादों और ब्रांडेड वस्तुओं की बिक्री में गिरावट आयी है। चीन में प्रॉपर्टी मार्केट, जो पहले परिवारों के निवेश का सबसे बड़ा स्रोत था, अब ठंडा पड़ गया है। इससे न केवल घरों की बिक्री प्रभावित हुई है, बल्कि इससे जुड़े अन्य उद्योगों पर भी बुरा असर पड़ा है। उपभोक्ता खर्च में कमी के चलते चीन की मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी समस्याएं उभर रही हैं। उदाहरण के लिए, प्रॉपर्टी फर्म एवखांडे की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी हॅगची ने बताया कि उसकी दो सहायक यूनिट्स दिवालिया हो चुकी हैं। जून 2023 के अंत तक लगभग 30% इंडस्ट्रियल कंपनियां घाटे में चल रही थीं। चीन में छोटे और मध्यम उद्योगों की स्थिति भी खराब हो रही है। साल की पहली छमाही में घाटा उठाने वाली इंडस्ट्रियल कंपनियों की संख्या 44% तक पहुंच गयी थी। इसके अलावा 2023 की शुरुआत में ही इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली आठ बड़ी कंपनियां बंद हो गयीं या उन्होंने प्रोडक्शन रोक दिया। इवी के सहायक उद्योग भी इस संकट से अछूते नहीं रहे हैं और पिछले साल लगभग 52,000 इवी से संबंधित कंपनियां बंद हो चुकी हैं। चीन की सरकार ने इस स्थिति को संभालने के लिए कई कदम उठाये हैं। 3 अगस्त को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की स्टेट काउंसिल ने बीस सूत्री योजना पेश की, जिसका उद्देश्य बच्चों, बुजुर्गों की देखभाल, शिक्षा, स्पोर्ट्स और टूरिज्म जैसे क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देना है। सरकार के ये प्रयास इस बात को दर्शाते हैं कि वे आर्थिक गतिविधियों में आयी इस गिरावट से निपटने के लिए तैयार हैं, लेकिन मौजूदा स्थिति से निपटना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। चीन में उपभोक्ता खर्च और आर्थिक विकास को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार को लंबी अवधि के प्रभावी उपायों की जरूरत होगी।

3 अगस्त को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की स्टेट काउंसिल ने बीस सूत्री योजना पेश की, जिसका उद्देश्य बच्चों, बुजुर्गों की देखभाल, शिक्षा, स्पोर्ट्स और टूरिज्म जैसे क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देना है।

अभिमत
आजाद सिपाही

यह कानून गैरकानूनी धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए बनाया गया है। हालांकि इसकी परिभाषा इतनी व्यापक है कि किसी भी तरह के धर्मांतरण को अपराध घोषित कर देती है। यहां तक कि संविधान के आर्टिकल 25 के तहत अंतरात्मा की स्वतंत्रता और धर्म के स्वतंत्र प्रचार, आचरण और प्रसार का अधिकार भी इसके तहत शामिल है। एक्ट के मुताबिक, अगर किसी कन्वर्जन में गलतबयानी, बल, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती या प्रलोभन का तत्व शामिल है, तो उसे गैरकानूनी घोषित किया जा सकता है।

यूपी के नये धर्मांतरण कानून से चिंता क्यों

नावेद महमूद अहमद और आयुषि शर्मा

भारत सरकार कानून को नागरिकों के हित में और भरोसेमंद बनाने की कोशिश कर रही है। ऐसे में इस तरह के अधिनियम का विपरीत असर पड़ेगा। जबरन धर्मांतरण रोकना जरूरी है, लेकिन धार्मिक स्वतंत्रता को दबाने के लिए आपराधिक कानूनों के उपयोग से संविधान की तरफ से मिले अधिकारों पर चोट पहुंचती है। मौलिक अधिकारों की सुरक्षा और वास्तविक मुद्दों को हल करने के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण है।

उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण विरोधी कानून का पारित होना बड़ी बात है। सरकार ने इसे नाम दिया है यूपी विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक 2024। इस कानून के जरिये धर्म परिवर्तन रोकने के लिए पहले से मौजूद एक्ट में संशोधन किया गया है। पुराना कानून विवादास्पद था।

मनमानी बढ़ेगी : सरकार मान सकती है कि नया संशोधित कानून ज्यादा सख्त और गैरकानूनी धर्मांतरण को रोकने में अधिक प्रभावी साबित होगा। हालांकि यह और भी अधिक मनमाना और संवैधानिक रूप से संदिग्ध प्रतीत होता है। इससे भारत में आपराधिक कानून बनाने के तरीके में मौजूद बड़ी खामियां जाहिर होती हैं। ऐसे कानूनों का उपयोग अक्सर दिन-प्रतिदिन के शासन में किया जाता है। संवैधानिक मूल्यों द्वारा निर्देशित होने के बजाय ये कानून बाहरी विचारों के अधीन रहते हैं।

व्यापक परिभाषा : यह कानून गैरकानूनी धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए बनाया गया है। हालांकि इसकी परिभाषा इतनी व्यापक है कि किसी भी तरह के धर्मांतरण को अपराध घोषित कर देती है। यहां तक कि संविधान के आर्टिकल 25 के तहत अंतरात्मा की स्वतंत्रता और धर्म के स्वतंत्र प्रचार, आचरण और प्रसार का अधिकार भी इसके तहत शामिल है। एक्ट के मुताबिक, अगर किसी कन्वर्जन में गलतबयानी, बल, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती या प्रलोभन का तत्व शामिल है, तो उसे गैरकानूनी घोषित किया जा सकता है।

इस एक्ट के हिसाब से आरोपी को साबित करना होगा कि उसने गैरकानूनी ढंग से धर्मांतरण नहीं किया।

दुरुपयोग का डर : कानून में बताये गये आधार इतने व्यापक हैं कि इनकी गलत व्याख्या और दुरुपयोग की आशंका है। साथ ही, आरोपों को गलत साबित करना भी कठिन हो जाता है। अब जैसे प्रलोभन में दैवीय नाराजगी को शामिल किया जा सकता है, जबरदस्ती में मनोवैज्ञानिक दबाव शामिल है, जबकि कपटपूर्ण साधन में झूठे नाम या धार्मिक प्रतीक का इस्तेमाल करना शामिल है। इस कानून में धर्म और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रयोग को अपराध घोषित करने या कम से कम रोकने की क्षमता है।

आरोपी पर जिम्मेदारी : इस एक्ट के हिसाब से आरोपी को साबित करना होगा कि उसने गैरकानूनी ढंग से धर्मांतरण नहीं किया। यह उन सामान्य कानूनों से अलग है, जहां स्टेट को सबूत पेश करने पड़ते हैं। यूपी का नया एक्ट यह मान कर चलता है कि सारे धर्मांतरण कानून के खिलाफ हैं, जब तक कि साबित नहीं हो जाता कि वे कानूनी रूप से सही हैं। इसके अलावा अनिवार्य न्यूनतम जेल की सजा, सख्त जमानत शर्तें और गैरकानूनी धर्मांतरण का आरोप लगाने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए पुलिस शिकायत दर्ज कराने की छूट से इस कानून के दुरुपयोग की आशंका और बढ़ जाती है।

बेतुके केस की भरमार : एक्ट के सेक्शन 4 में मूल रूप से केवल पीड़ित व्यक्ति या उसके परिवार के सदस्यों को गैरकानूनी धर्मांतरण की एफआइआर दर्ज कराने की अनुमति दी गयी थी। इसके बावजूद धार्मिक संगठन और दूसरे पक्ष के लोगों ने कानून का दुरुपयोग करते हुए बेतुके मामले दर्ज कराये। आर्टिकल 14 को लेकर एक स्टडी हुई थी। इसमें 101 एफआइआर की जांच की गयी और पता चला कि 62.3% मामले थर्ड पार्टी द्वारा दर्ज कराये गये थे। इनमें धार्मिक संगठन और पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

उत्पीड़न का खतरा : ऐसे मामलों में परिवार के सदस्यों को एफआइआर दर्ज कराने की अनुमति देने से उन लोगों के उत्पीड़न की काफी आशंका होती है, जो अपना धर्म बदलना चाहते हैं। संशोधित कानून ने इस मुद्दे को और बढ़ा दिया है। एक्ट अब किसी को भी गैरकानूनी धर्मांतरण की शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है, भले ही उसका कथित पीड़ित से कोई संबंध न हो।

सजाएं कठोर हुई : मूल अधिनियम में अवैध धर्मांतरण के लिए एक से लेकर पांच वर्ष तक की सजा का प्रावधान था। इसे बढ़ा कर न्यूनतम तीन साल और अधिकतम 10 साल की अनिवार्य सजा कर दिया गया है। पुराने कानून के मुताबिक, अगर समाज में हाशिये पर पड़ा कोई समूह पीड़ित होता, तो दो से 10 साल तक की सजा थी। अब इसे भी बढ़ा कर न्यूनतम पांच वर्ष से 14 वर्ष तक कर दिया गया है। इसी तरह, धमकी देने, हमला करने, धर्मांतरण के लिए विवाह का वादा करने जैसे मामलों में न्यूनतम 20 साल की सजा से लेकर आजीवन कारावास तक हो सकती है।

प्रभाव पर सवाल : संशोधित कानून में इस तरह की कठोर सजा को यह कह कर सही ठहराया जा रहा कि गैरकानूनी धर्मांतरण संवेदनशील और गंभीर मुद्दा है। इसमें विदेशी और राष्ट्र विरोधी तत्वों की कथित संलिप्तता का भी हवाला दिया जा रहा। हालांकि यह देखे बिना कि मूल कानून कितना प्रभावी है, सजाओं को बढ़ाने का औचित्य साफ नहीं होता।

बेल मिलना मुश्किल : जमानत देने की शर्तों को तय करने के मामले में संशोधित अधिनियम कठोर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967, महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम, 1999 और एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पालन करता है। अधिनियम के तहत सभी अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती हैं। संशोधित धारा 7 के अनुसार आरोपी को जमानत पर तभी रिहा किया जा सकता है, जब सरकारी वकील को जमानत याचिका का विरोध करने का मौका दिया गया हो। साथ ही, अदालत संतुष्ट हो कि आरोपी दोषी नहीं है और जमानत पर निकलने के बाद उसके अपराध करने की संभावना नहीं है। जमानत देने के लिए ये मानक अनुचित हैं।

विपरीत असर : भारत सरकार कानून को नागरिकों के हित में और भरोसेमंद बनाने की कोशिश कर रही है। ऐसे में इस तरह के अधिनियम का विपरीत असर पड़ेगा। जबरन धर्मांतरण रोकना जरूरी है, लेकिन धार्मिक स्वतंत्रता को दबाने के लिए आपराधिक कानूनों के उपयोग से संविधान की तरफ से मिले अधिकारों पर चोट पहुंचती है। मौलिक अधिकारों की सुरक्षा और वास्तविक मुद्दों को हल करने के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण है।

(अहमद विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी में टीम लीडर और आयुषि शर्मा सीनियर रेजिडेंट फेलो हैं।)

देश-विदेश की खबरें

पंजाब मेल में आग लगने की अफवाह, भगदड़ मची

शाहजहांपुर में 50 की स्पीड पर चल रही ट्रेन से 30 लोग कूदे, 20 घायल

आग बुझानेवाले इक्विपमेंट से झाग निकलता देख, लोगों को लगा कि ट्रेन की बोगी में आग लग गयी है

आजाद सिपाही संवाददाता

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में पंजाब मेल एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह के बाद भगदड़ मच गयी। जनरल कोच में यात्री एक-दूसरे को कुचलते हुए भागने लगे। 30 यात्री 50 किमी/घंटे की स्पीड से चल रही ट्रेन से कूद गये। घटना में 20 यात्री घायल हैं। 6 की हालत गंभीर है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना रविवार सुबह 8.30 बजे बरेली और कटरा स्टेशन के बीच की है। पंजाब मेल (ट्रेन नंबर-13006) अमृतसर से हावड़ा जा रही थी। बरेली में रुकने के बाद ट्रेन शाहजहांपुर के लिए रवाना हुई। करीब 60 किमी चलने के बाद ट्रेन बहगुल नदी के पुल के करीब पहुंची, तभी किसी यात्री का हाथ आग बुझाने वाले इक्विपमेंट पर लग गया। इक्विपमेंट गैलरी में गिर गया, जिससे उसकी नॉब निकल गयी और आग बुझाने वाला केमिकल निकलने लगा। ये देख कर यात्रियों को लगा कि ट्रेन में आग लग गयी है। पलक झपकते ही कोच में भगदड़ मच गयी। यात्री एक-दूसरे को रौंदते हुए दूसरे गेट की तरफ भागने लगे। जिस वक्त कोच में यह सब हो रहा था, आधी ट्रेन बहगुल नदी के पुल पर पहुंच गयी थी। गेट पर खड़े यात्री चलती ट्रेन से कूद गये और 30 फीट नीचे आकर गिरे।

चालक और गार्ड ने कोच की जांच की

कोच में भगदड़ मचने के बाद किसी यात्री ने चेन पूलिंग कर दी। ट्रेन रुकते ही चालक और गार्ड ने कोच की जांच की। सब कुछ ठीक निकला। करीब 45 मिनट तक ट्रेन कटरा स्टेशन के पास बहगुल नदी के पुल पर खड़ी रही। इसके बाद ट्रेन को शाहजहांपुर के लिए रवाना किया गया। घायलों को भी इसी ट्रेन से शाहजहांपुर लाया गया। ट्रेन सुबह 10.10 बजे शाहजहांपुर स्टेशन पहुंची। रेलवे अफसरों ने 6 घायलों को अस्पताल भेजा। बाकी का प्राथमिक उपचार किया गया।

कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर केस में सुपरिटेंडेंट हटाये गये

आरोपी संजय रॉय के फोन में पोर्न वीडियो मिला

घटनास्थल पर ईयरफोन छोड़ा था, इसी से पकड़ाया

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर का आरोपी संजय रॉय 14 दिन की पुलिस कस्टडी में है। उसे 9 अगस्त को ही गिरफ्तार कर लिया गया था। संजय हॉस्पिटल में पुलिस की मदद के लिए सिविक वॉलंटियर के तौर पर काम करता था। उसका हॉस्पिटल के ज्यादातर डिपार्टमेंट में आना-जाना था। उसके फोन की जांच की तो उसमें पोर्न वीडियो भी मिले।

पुलिस ने बताया कि ट्रेनी डॉक्टर की बॉडी 9 अगस्त को सुबह हॉस्पिटल के सेमिनार हॉल में मिली थी। क्राइम सीन पर एक ब्लूटूथ ईयरफोन भी मिला था। उउळश फुटेज में आरोपी संजय सुबह 4 बजे सेमिनार हॉल में अंदर जाते दिखायी दिया। इस दौरान उसने कानों में ईयरफोन लगाया हुआ था। कुछ देर बाद जब वह हॉल से बाहर आया तो उसके पास ईयरफोन नहीं था। इसके बाद संजय समेत कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए बुलाया गया। पुलिस ने क्राइम सीन पर मिले ईयरफोन को सभी संदिग्धों के फोन से कनेक्ट करने की कोशिश की। ईयरफोन संजय के फोन से कनेक्ट हो गया। पूछताछ के दौरान संजय ने रेप और मर्डर की बात कबूली।

ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर के खिलाफ राज्य भर में डॉक्टरों और मेडिकल स्टूडेंट्स के विरोध-प्रदर्शन के बीच पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने रविवार (11 अगस्त) को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के सुपरिटेंडेंट को उनके पद से हटा दिया। रेजिडेंट डॉक्टरों का आरोप है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज की पूरी सुरक्षा एजेंसी में खामी है। डॉक्टरों ने कहा कि उन्होंने अस्पताल परिसर में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने और 24 घंटे कड़ी निगरानी की मांग की थी। हालांकि, प्रबंधन की तरफ से इस पर ध्यान नहीं दिया गया।

गुना में एविएशन एकेडमी का टू सीटर एयरक्राफ्ट क्रैश, दोनों पायलट घायल

गुना (आजाद सिपाही)। गुना एयर स्ट्रिप पर टू सीटर एयरक्राफ्ट 152 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह रविवार 11 अगस्त को दोपहर करीब 1 बजे टेस्ट फ्लाइट के लिए उड़ा था। करीब 40 मिनट उड़ने के बाद एयरक्राफ्ट परिसर में ही क्रैश हो गया। आशंका है कि हादसा इंजन फेल होने से हुआ। कैप्टन वी चंद्र ठाकुर और पायलट नागेश कुमार घायल हैं। मौके पर कैंट पुलिस सहित एकेडमी के अधिकारी मौजूद हैं। दुर्घटनाग्रस्त एयरक्राफ्ट कर्नाटक के बेलगावी एविएशन ट्रेनिंग इंटीट्यूट का है। दोनों पायलट हैदराबाद के रहने वाले हैं। ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट ने दोनों पायलट हायर किये थे। एयरक्राफ्ट टेस्टिंग और मेंटेनेंस के लिए गुना की शा-शिब एकेडमी में लाया गया था। पायलट 10 अगस्त को गुना आये थे। कैंट थाने के टीआइ दिलीप राजोरिया ने बताया कि एक पायलट ठीक है। दूसरे को सिर में चोट लगी है। उसे निजी अस्पताल में शिफ्ट किया है।

किश्तवाड़ में आतंकी मुठभेड़, फायरिंग जारी

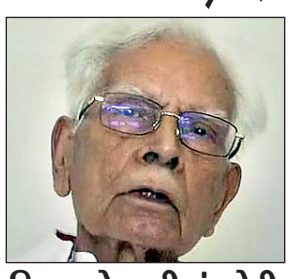

श्रीनगर (आजाद सिपाही)। जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग के बाद किश्तवाड़ में रविवार को सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को सुबह किश्तवाड़ जिले के जंगल में आतंकियों के होने की सूचना मिली थी। सर्च ऑपरेशन के दौरान दोनों तरफ से कुछ देर के लिए फायरिंग हुई। सेना, पैरामिलिट्री फोर्सेज और पुलिस नौनट्टा, नागेनी पेयास और आसपास के इलाकों में ऑपरेशन चला रही है। इलाके में और सुरक्षा बल भेज दिया गया है। आतंकियों की तलाश जारी है। एक दिन पहले 10 अगस्त को अनंतनाग के कोकरनाग में आतंकियों की फायरिंग से हवलदार दीपक कुमार यादव और लांस नायक प्रवीण शर्मा शहीद हो गये थे। 3 जवान और 2 नागरिक घायल हुए थे। इनमें से एक नागरिक की आज अस्पताल में मौत हो गयी। यहां भी सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है।

बेंगलुरु में कॉफी शॉप के वॉशरूम में हिडन कैमरा मिला, स्टाफ गिरफ्तार

बेंगलुरु (आजाद सिपाही)। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक कॉफी शॉप के वॉशरूम में हिडन कैमरा मिला है। इसे टॉयलेट शीट के ठीक सामने डस्टबिन में छिपाकर रखा गया था। इसमें दो घंटे से रिकॉर्डिंग हो रही थी। इसे एक महिला ने पकड़ा। घटना शनिवार (10 अगस्त) की बेंगलुरु के बीईएल रोड स्थित थर्ड वेव कॉफी आउटलेट की है। कैफे में मौजूद एक शख्स ने सोशल मीडिया पर घटना की जानकारी शेयर की। उन्होंने बताया कि फोन को डस्टबिन बैग के अंदर सावधानी से छिपाया गया था, जिसमें केवल कैमरा ही दिखाई दे रहा था। फोन फ्लाइट मोड पर था, जिससे कॉल या मैसेज आने पर किसी तरह की आवाज न आये।

नटवर सिंह का निधन, शोक की लहर

पीएम मोदी-खड़गे समेत कई नेताओं ने जताया दुख

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व विदेश मंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे नटवर सिंह अब नहीं रहे। उनका शनिवार रात लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 93 साल के थे।

नटवर सिंह के निधन की खबर से सियासी गलियारे में शोक की लहर दौड़ गयी है। पक्ष और विपक्ष से जुड़े तमाम नेता दुख व्यक्त कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री जयशंकर, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई अन्य नेताओं ने भी उनके योगदान को याद किया और संवेदना जतायी।

निधन से दुखी हूं: मोदी

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पूर्व विदेश मंत्री के साथ एक तस्वीर भी साझा की। उन्होंने लिखा, 'नटवर सिंह के निधन से दुखी हूं। उन्होंने कूटनीति और विदेश नीति की दुनिया में समृद्ध योगदान दिया। वह अपनी बुद्धिमत्ता के साथ-साथ बेहतरीन लेखन के लिए भी जाने जाते थे। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं।'

राष्ट्रपति ने जताया दुख : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री के. नटवर सिंह के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। अपने लंबे करियर में, उन्होंने एक प्रतिष्ठित राजनयिक से लेकर एक उत्कृष्ट सांसद तक कई उपलब्धियां हासिल कीं। पद्म भूषण से सम्मानित सिंह लिखने के लिए जाने जाते थे। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। इसके अलावा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राजद सांसद मनोज झा समेत कई लोगों ने भी शोक प्रकट किया है।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में हुआ बम ब्लास्ट

पूर्व विधायक की पत्नी की मौत

टेंग्नौपाल में गोलीबारी में एक उग्रवादी और 3 वॉलंटियर्स मारे गये

आजाद सिपाही संवाददाता

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शनिवार (10 अगस्त) को हुए बम ब्लास्ट में एक पूर्व विधायक की पत्नी की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया घटना सैखुल के पूर्व विधायक यमथोंग हाओकिप के घर के पास हुई। हादसे में घायल पूर्व विधायक की पत्नी सापम चारूबाला की अस्पताल में मौत हो गयी। बम किसने लगाया, इस बात का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वहीं, 9 अगस्त को टेंग्नौपाल जिले के मोलनोम इलाके में फायरिंग में चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि फायरिंग गांव के वॉलंटियर्स और उग्रवादी संगठन यूनाइटेड कुकी लिबरेशन फ्रंट (यूकेएलएफ) के सदस्यों के बीच हुई थी। इसमें एक उग्रवादी और 3 वॉलंटियर्स मारे गये। घटना से गुस्साए लोगों ने यूकेएलएफ के अध्यक्ष एसएस हाओकिप के घर में आग लगा दी। हालांकि अब स्थिति नियंत्रण में है। मामले में अब तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

जिरिबाम में शांति समझौते के 24 घंटे बाद ही हिंसा

मणिपुर के जिरिबाम के लालपानी गांव में 2 अगस्त की रात हथियारबंद लोगों ने कई राउंड फायरिंग की। यह घटना जिरिबाम में शांति बहाल करने के लिए हुए समझौते के 24 घंटे के भीतर हुई। हमलावरों ने एक घर में आग लगा दी। हालांकि, वहां कोई नहीं रहता था। अधिकारियों ने बताया कि लालपानी में मैतेई लोगों के घर हैं। यहां के अधिकांश लोगों ने जिले में हिंसा भड़कने के बाद घर छोड़ दिया था। उपद्रवियों ने यहां सुरक्षा-व्यवस्था में ढील का फायदा उठा कर हमला किया। हमलावरों की अभी तक पहचान नहीं हुई है। घटना के बाद सुरक्षाबलों को इलाके में भेजा गया। मैतेई और कुकी समुदायों ने गुरुवार (1 अगस्त) को असम के कछार से सटे सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में एक बैठक के बाद शांति समझौते पर साइन किये थे। दोनों समुदायों ने जिले में स्थिति सामान्य करने, आगजनी और गोलीबारी की घटनाओं को रोकने की बात कही थी। दोनों पक्षों ने सुरक्षाबलों को भी पूरा साथ देने का आश्वासन दिया था।

अकेलवा दामर जंगल में मिला महिला का कंकाल, क्षेत्र में सनसनी

महिला पिछले सात दिनों से अपने घर से लापता थी

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत बनसानी पंचायत के भुइयां भंवरिया टोला स्थित अकेलवा दामर जंगल में एक महिला का कंकाल मिलने से क्षेत्र में क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। उक्त महिला पिछले सात दिनों से अपने घर से लापता थी। मृत महिला की पहचान भुइंया भंवरिया टोला निवासी सकेंद्र भुइंया की 40 वषीर्या पत्नी सुमीत्री देवी के रूप में हुई। इसकी पुष्टि मृतका की बेटी मीरा देवी ने अपनी मां की साड़ी और पैर की गोदना से की। उधर घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी कृष्ण कुमार, एसआई प्रदीप उरांव, एएसआई नारायण प्रसाद दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे तथा शव का

मृतक महिला भुइंया भंवरिया की फाइल फोटो

पंचनामा करने के बाद अंत्यपरीक्षण हेतु गढ़वा भेजवाया। जंगल में महिला की कंकाल होने की जानकारी उस समय लगी जब शनिवार की शाम कुछ बच्चे अकेलवा दामर के जंगल की तरफ खुखड़ी खोजने गये, तो झाड़ी से बदबू उठने पर बच्चों ने आकर इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। रविवार की सुबह जब ग्रामीण अकेलवा दामर के जंगल के उस जगह पर पहुंचे, तो एक महिला का क्षत विक्षत कंकाल मिला। तत्काल इसकी सूचना पंचायत के मुखिया पति राजेश्वर पासवान तथा भवनाथपुर पुलिस को दी। ग्रामीणों ने महिला का बीते 5 अगस्त के रात में ही गला घोटकर हत्या कर दिये जाने की आशंका जताते हुए कहा कि पिछले सात दिनों से शव सुनसान जंगल में पड़े होने से जंगली जानवर या कुत्ते शव को नोंचकर खा गये होंगे।

मृतका की बेटी ने लगाया हत्या का आरोप

मृतका की बेटी मीरा देवी ने पुलिस को बताया कि श्रीबंशीधर नगर थाना क्षेत्र के राजापहाड़ी स्थित विशुनपुर के रहने वाला लेदू खां और मेरी मां सुमीत्री के बीच अच्छा तालमेल था, इसलिए उसका मेरे घर आना जाना लगा रहता था। बीते 5 अगस्त की शाम जब मेरी मां घर पर थी, तो लेदू खां अपनी लूना से आया तथा मेरी मां को शराब पिलाने के लिए घर से कुछ दूरी पर स्थित संतु राम के घर ले गया था, देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंची, तो मेरे द्वारा अपने स्तर से काफी खोजबीन करने के बाद भी मेरी मां नहीं मिली। उसने आरोप लगाया कि लेदू खां ने ही मेरी मां को जंगल में ले गया और हत्या करने के बाद शव को फेंक कर फरार हो गया है। उसने पुलिस को बताया कि जब मैं लेदू खां के मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की तो बीते सोमवार की रात से ही उसका मोबाईल स्वीच ऑफ बता रहा है।

इस संबंध में थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने कहा कि प्रथम दृष्टया हत्या का मामला प्रतीत होता है। पुलिस हत्या के मामले की जांच में जुट गयी है। जल्द ही हत्यारोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

फोरलेन की जद में पड़े रैयतों को प्रशासन का अल्टीमेटम, दो दिन में खाली करें मकान

आप लोग अपनी समस्या को लेकर मुझसे कार्यालय में संपर्क कर सकते है :अंचल पदाधिकारी

आजाद सिपाह संवाददाता

बंशीधर नगर। फोरलेन की जद में पड़े रैयतों को प्रशासन का अल्टीमेटम दो दिन में खाली करें मकान। इसे लेकर रविवार को श्री बंसीधर नगर के अंचल पदाधिकारी विकास कुमार दल बल के साथ बिलासपुर बाजार में बुलडोजर के साथ पहुंचते ही अपने ध्वनि विस्तारक यंत्र से घोषणा करते हुये कहा कि एनएचआई के द्वारा तीव्र गति से खजुरी से लेकर बिलासपुर तक फोरलेन निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। इस संबंध में सड़क निर्माण के लिए मकान जमीन अधिगृहित किया जा चुका है।

इसमें जिन भूमि धारकों को मुआवजा मिल चुका है, वैसे लोगों को सूचित किया जाता है कि दो दिन के अंदर मकान और दुकान का इंफ्रास्ट्रक्चर खाली कर दें, वरना इसके बाद प्रशासन के द्वारा बुलडोजर लगाकर कभी भी खाली कराया जा सकता है, जिसकी जिमेवारी भवन मालिक का होगा। इसे अति आवश्यक समझते हुए खाली कर सड़क निर्माण में सहयोग दें।

इसे सुनते ही आसपास के भवन मालिक इकट्ठा होकर अंचल पदाधिकारी से अपनी-अपनी समस्यायों से अवगत कराया। जिसमें लोगों का कहना था कि भू अर्जन कार्यालय के द्वारा बार-बार दौड़ाया जा रहा है। साथ ही कितने लोगों का अंचल कार्यालय से एलपीसी निर्गत नहीं किया गया है। जिस कारण वे कई माह से अंचल कार्यालय से लेकर भू-अर्जन कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। इसे सुनने के बाद अंचल पदाधिकारी ने दो टूक कहा कि भू अर्जन के विषय में ज्यादा कुछ नहीं कह सकते, जहां तक अंचल कार्यालय का विषय है आप लोग अपनी समस्या को लेकर मुझसे कार्यालय में संपर्क कर सकते है। इसका त्वरित गति से समस्या का समाधान किया जायेगा।

इस मौके पर श्री बंसीधर नगर के थाना प्रभारी आदित्य नायक पुलिस बल के साथ उपस्थित थे। जबकि अन्य लोगों में दर्जनों भूमिधारक उपस्थित थे। जिसमें मुख्य रूप से मुन्ना जयसवाल जगरनाथ मुनीब, अजय जयसवाल, मुकेश कुशवाहा, संजय गुप्ता, अशोक जयसवाल, दीपक कुमार, कंचन विश्वकर्मा, अकाश जयसवाल, डॉक्टर बिनोद कुमार, उदय मेहता, अरविंद गुप्ता उपस्थित थे।

राज्य में पुनः बनेगी महागठबंधन की सरकार : मंत्री

माला पहनकर पार्टी में शामिल करते मंत्री ।

बाना के सौ से अधिक लोग झामुमो में शामिल

आजाद सिपाह संवाददाता

गढ़वा। जिले के मेराल प्रखंड अंतर्गत बाना पंचायत के एक सौ से अधिक लोग दूसरे राजनीतिक दलों को छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गये हैं। रविवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर सभी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मंत्री श्री ठाकुर ने माला व पार्टी का पट्टा पहना कर सभी को झामुमो में शामिल किया। बना मुखिया गौरी देवी के नेतृत्व में पार्टी में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से वार्ड सदस्य दिनेश चौधरी, नागेंद्र उरांव, कमला देवी, प्रतिमा देवी, कुसुम देवी, तबैसुन बीबी, संगीता देवी, रजकलिया देवी, विश्वनाथ राम सहित सौ से अधिक लोगों का नाम शामिल है।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि जिस तरह से झामुमो की ओर जनता का रुझान बढ़ा है आने वाले समय में पुनः राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनेगी। मंत्री ने शामिल होने वाले लोगों से कहा कि सभी लोग अपने अपने क्षेत्र में जा कर राज्य सरकार के कार्यों व पार्टी के नीति सिद्धांतो को जन जन तक पहुंचाएं। साथ ही सरकार की चलायी जा रही योजनाओं का लाभ लोगों को दिलाने में मदद करें। मंत्री ने कहा कि पट्टी के नीति और सिद्धांतों तथा गढ़वा में किये जा रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर प्रत्येक गांव से काफी संख्या में लोग प्रतिदिन झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो रहे हैं।

मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेखा चौबे, शरीफ अंसारी, सलीम जफर, प्रवक्ता हुसैन अली, दिलीप गुप्ता, अंकित पांडेय, संजय कांस्यकार सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मंत्री ने किया बेलचंपा और उड़सुगी पंचायत में जनसंवाद

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने रविवार को गढ़वा प्रखंड के बेलचंपा और उड़सुगी पंचायत के विभिन्न गांवों जनसंवाद का आयोजन किया। इस दौरान मंत्री ने बेलचंपा पंचायत के ग्राम नावाडीह में देवीमंडप के समीप, बेलचंपा बस्ती में पीपल पेड़ के समीप, ग्राम मेढ़ना में, उड़सुगी में स्कूल टोला चबूतरा के समीप, ग्राम चेतना में मस्जिद के समीप, उड़सुगी कुशमाहा टोला पंचायत भवन में तथा ग्राम गुरदी में अंसारी टोला स्कूल के समीप आयोजित जन संवाद में ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। मंत्री ने कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया। साथ ही अन्य सभी समस्याओं का त्वरित निदान करने की बात कही। मंत्री ने झारखंड मुख्यमंत्री माइयां सम्मान योजना के भरे जा रहे आवेदन की स्थिति की भी जानकारी लिया। मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेखा चौबे, जिला परिषद सदस्य मिथिलेश पसवान, मुखिया सफीक खान सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

स्कूल की पूर्व प्रधानाध्यापिका विद्यानी को साजिश कर मामले में फंसाया गया है: शिक्षक

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। स्थानीय जमा दो उच्च विद्यालय कांडी के सभी शिक्षकों ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पलामू के पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर कहा है कि स्कूल की पूर्व प्रधानाध्यापिका विद्यानी बाखला को षड्यंत्र पूर्ण मामले में फंसाया गया है। उन्होंने उक्त दलित आदिवासी महिला को तथ्यों पर विचार करते हुए दोष मुक्त किये जाने का आग्रह किया है। शिक्षकों ने कहा है कि राजकीय कृत जमा दो उच्च विद्यालय कांडी के बच्चों को व्यावहारिक शैक्षणिक भ्रमण पर जाने के लिए प्रधानाध्यापिका विद्यानी बाखला के द्वारा राशि दी गयी थी। विद्यालय प्रबंधन समिति की सहमति से 56000 रुपये की निकासी के लिए शिक्षक धर्मेंद्र

स्थानीय प्लस टू उच्च विद्यालय कांडी के शिक्षक गुहार लगाते हुये।

कुमार को वेंडर बनाया गया था। एसएमसी के अध्यक्ष और सचिव के हस्ताक्षर से बिल बीआरसी को भेजा गया था। बिल की छाया प्रति संलग्न की गयी है। दिनांक 31 मार्च 2024 को वेंडर शिक्षक धर्मेंद्र कुमार बैठा के खाता संख्या 41429871603 में यह राशि बीआरसी के द्वारा 56000 रुपये जमा किया गया है। बैंक स्टेटमेंट संलग्न है। इसी राशि को मैडम द्वारा मांगे जाने पर शिक्षक धर्मेंद्र कुमार द्वारा बराबर टाल मटोल किया जाता रहा है। इनके द्वारा षड्यंत्र रचते हुए दिनांक 6 अगस्त 2024 को 10000 रुपये स्टाफ के सामने दिया गया है। शेष राशि बाद में देने की बात कही गयी है। 7 अगस्त 2024 को षडयंत्र पूर्वक इनके द्वारा प्रभारी प्रधानाध्यापिका विद्यानी बाखला को 20000 रुपये देकर एसीबी से गिरफ्तार कराया गया है। यह राशि भरे हुए स्टाफ रूम में दी गयी है। यह राशि रिश्वत की नहीं, बल्कि 56 हजार रुपये में से बची हुई शेष राशि थी। शिक्षकों ने कहा है कि हाजिरी बनाने के लिए यह रिश्वत की राशि नहीं थी। बल्कि मैडम द्वारा दी गयी 56000 में से बची हुई राशि थी। यह किसी प्रकार रिश्वत की राशि नहीं थी, बल्कि इसके एवज में षडयंत्र पूर्वक उन्हें फंसाया गया। प्राचार्य रूम में सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है जहां सारी गतिविधि कैद होती है। एसीबी को लिखे आवेदन पर प्रधानाध्यापक निरंजन शाह, अमित कुमार विश्वकर्मा सहित तमाम शिक्षकों के हस्ताक्षर हैं।

145 कामगारों की हुई स्वास्थ्य जांच और 60 लोगों ने किया रक्तदान

मेराल (आजाद सिपाही)। भारतमाला प्रोजेक्ट के अंतर्गत एनएच 75 फोरलेन सड़क निर्माण कार्य करा रही एमजी कंस्ट्रक्शन कंपनी के अकलवानी स्थित कैंप में रविवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 145 कामगारों का स्वास्थ्य जांच किया गया तथा 60 लोगों ने एक एक यूनिट रक्तदान किया। स्वास्थ्य कैंप में बड़ी संख्या में उपस्थित कामगारों तथा स्थानीय लोगों को चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए कई सुझाव दिये। स्वास्थ्य शिविर में सीएचसी मेराल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ वीरेंद्र कुमार, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ प्रदीप कुमार, रूपदेव सिंह, प्रदीप पासवान, निरुपमा चौधरी, सोनी कुमारी, तनीप राज, नूतन, रेखा कुमारी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। मौके पर एमजी कंस्ट्रक्शन कंपनी के अमित कुमार गौरव, प्रवेश पचौरी, रविकांत, योगेश दलाल, उमेश पांडे, विनोद चौहान सहित कई लोग थे।

युवक का फांसी के फंदे से झूलता मिला शव

गढवा (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के ओबरा गांव में सुखदेव सिंह का 25 वर्षीय पुत्र अमरेश सिंह की संदेहास्पद मौत हो गयी। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस को शव नहीं उठाने दिया। खोजी कुत्ते को बुलाकर पुलिस ने जब जांच शुरू किया तो, खोजी कुत्ता मृतक के घर में ही प्रवेश कर गया। इसके बाद मुखिया के समझाने पर ग्रामीणों ने पुलिस को शव उठाने दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

वर्तमान सरकार में अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हो रहा हनन : गिरिनाथ

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा-रंका विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों का दौरा करते हुए परिवर्तन सह जनसंपर्क यात्रा रंका प्रखंड पहुंची। इसी क्रम मे रविवार को रंका के खपरो और सिरोई पंचायत में पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह ने जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रंका को अनुमंडल बनाने के लिए जो प्रयास उन्होंने किया था, उसके बाद में आये जनप्रतिनिधियों ने इसे चरागाह बनाने का काम किया।

पूर्व विधायक सतेंद्र नाथ तिवारी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि श्री तिवारी ने 10 वर्षों तक जनता को फर्जी चेक स्लीप देकर गुमराह किया। जबकि वर्तमान विधायक और पेयजल मंत्री भी भ्रष्टाचार में किसी से कम नहीं हैं। श्री सिंह ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में अल्पसंख्यक भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्हें उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता परिवर्तन के मूड में है और आने वाले समय में सभी सवालों का जवाब देगी। उन्होंने जनता से वादा किया कि वे सत्ता में आने पर भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करेंगे। इस कार्यक्रम में डॉ. गौरी शंकर प्रसाद, सुनील माली, सुलपानी सिंह, फजलु रहमान, अनीस अंसारी, कामेश्वर राम, रसीद अंसारी, और हजारों की संख्या में ग्रामीण जनता उपस्थित थी।

संत तुलसीदास के अवतरण के अवसर पर श्रीरामचरित मानस पाठ का शुभारंभ

रंका(आजाद सिपाही)। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास के सप्तमी तिथि को पवित्र ग्रंथ श्रीराम चरित मानस के रचयिता संत तुलसी दास के अवतरण दिवस के अवतरण पर रंका अनुमंडल मुख्यालय स्थित ठाकुर बाड़ी मंदिर में रविवार को आचार्य भोला पांडेय के द्वारा विधि विधान के साथ शुभारंभ किया गया। इस मौके पर पुजारी बालेश्वर दूबे, मनोज तिवारी, आलोक पाण्डेय, राजकुमार प्रसाद, सनातन कुमार, समाजसेवी अमरेन्द्र कुमार, मनोज प्रसाद, नितीश कुमार, रोहित कुमार, यशराज, अविनाश, सत्यम कुमार सहित काफी संख्या में सज्जन पाठ में शामिल थे।

गोस्वामी तुलसीदास जयंती समारोह संपन्न

आजाद सिपाह संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर में गोस्वामी तुलसीदास जयंती के शुभारंभ क्षेत्रीय शारीरिक प्रमुख वह गुमला जिले के रायडीह में संचालित प्रकल्प के प्रमुख वह घोष प्रशिक्षक राजेश कुमार द्वारा भारत माता, ओम और मां शारदे एवं गोस्वामी तुलसीदास के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्पार्चन कर किया गया।

तुलसीदास के जीवन वृत्त और कृतित्व पर कक्षा नवम के भैया संजीत कुमार, विवेक कुमार राय वह कक्षा छह के भैया अर्णव राज पांडेय ने रोचक वर्णन किया। कक्षा चतुर्थ से दशम तक की बहनों ने मानस पाठ प्रतियोगिता में भाग लिया।

मानस पाठ का विषय 'गुरु विश्वामित्र की सेवा' का प्रतिभागी बहनों ने सस्वर मनोहारी गायन की। मानस पाठ प्रतियोगिता के

निर्णायक की भूमिका में तंवी जोशी, नेहा कुमारी, सलोनी कुमारी रहीं। गोस्वामी तुलसीदास के रूप सजा में कक्षा सप्तम ब के भैया शिवम कुमार गुप्ता मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। आचार्य सुधीर प्रसाद श्रीवास्तव ने गोस्वामी गोस्वामी तुलसीदास के जीवन आधारित विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया है श्री प्रसाद ने कहा कि तुलसीदास रचित राम चरित्र मानस हम सभो के लिए धरोहर हैं।

आचार्य कृष्ण कुमार पांडे द्वारा रामचरित्र मानस ग्रंथ मुख्य अतिथि को सादर भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कौशलेंद्र झा, नंदलाल पांडे, सत्येंद्र प्रजापति, नीरज कुमार सिंह, सुजीत कुमार, अशोक कुमार, प्रसून कुमार, दिनेश कुमार कृष्ण मुरारी, उमेश कुमार प्रदीप कुमार, नीति कुमारी प्रियंवदा, आरती श्रीवास्तव, सुप्रिया कुमारी, तन्वी जोशी, नेहा, सलोनी, रेनू पाठक का महत्वपूर्ण भूमिका रहा।

टीबी मरीजों के बीच पौष्टिक आहार वितरित

टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए इस अभियान में हम सभी को अपनी भागीदारी निभानी चाहिए : डॉ कमलेश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। लायंस क्लब ऑफ गढ़वा विशाल के अध्यक्ष ला० नंदलाल प्रसाद के नेतृत्व में गोद लिये हुए दस टीबी मरीजों के बीच पौष्टिक आहार का वितरण क्लब कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ गढ़वा विशाल के पदाधिकारी सह झारखंड प्रदेश यक्ष्मा के डायरेक्टर डॉ कमलेश कुमार ने संयुक्त रूप से टीबी मरीजों को पौष्टिक आहार

के साथ उनकी बिमारी से जुड़ी उन्हें कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। जिससे मरीज जल्द से जल्द स्वस्थ हो और नियमित दवा का सेवन करें। दवा को बीच में बंद ना करें और समय-समय पर अपने नजदीकी सरकारी अस्पताल में इलाज डॉक्टरों से परामर्श लें। साथ ही खुद को सुरक्षित रखते हुए अपने लोगों को भी जागरूक कर सुरक्षित करें। डॉ कमलेश कुमार ने बताया कि भारत सरकार का लक्ष्य है टीबी मुक्त भारत बनाने का इस अभियान में हम सभी को अपनी भागीदारी निभानी चाहिए।

वहीं दूसरे सेवा कार्य में क्लब अध्यक्ष नंदलाल प्रसाद ने डॉ यासीन अंसारी मिल्लत कॉलेज जोबरइया में जाकर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया और अध्यक्ष ने कहा कि पौधा लगाने के लिए अभी मौसम अनुकूल है, लोग ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगायें और उससे भी जरूरी है लगाये हुए पेड़ पौधों की देखरेख करते हुए उसे बचायें, तभी हम सब कि मेहनत सफल होगी और हम अपने आने वाली पिढ़ियों को शुद्ध वातावरण दे पायेंगे, वरना हमारी आनेवाली पीढ़ी हम सब से जवाब तलब करेगी। इस सेवा कार्य में रघुवीर प्रसाद कश्यप, डॉ एसके विश्वकर्मा समेत बहुत सारे लायंस विशाल के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन, विजेता पुरस्कृत

मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के द्वारा आयोजन समिति को 21 हजार रुपये दिया गया सहयोग

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रविवार को संगबरिया हॉस्पिटल चौक पर लक्ष्य दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 3.5 किलोमीटर के लक्ष्य दौड़ प्रतियोगिता में 90 युवाओं ने भाग लिया। सफल प्रतिभागियों को मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के प्रतिनिधि और गढ़वा जिला क्रिकेट संघ के जिला सचिव गुड्डू सिंह, खेल प्रतिनिधि ओमप्रकाश गुप्ता, डॉ अनिल साह, झामुमो युवा प्रखंड अध्यक्ष ज्ञान रंजन मिश्रा, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष शंभू प्रसाद, मुखिया संजय राम, मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गोरखनाथ साह, डॉ लालबहादुर साह आयोजन समिति के अध्यक्ष रूपेश कुमार

विश्वकर्मा के द्वारा संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम विजेता कांडी थाना क्षेत्र के अख्तर अंसारी को 5100 रुपये नकद के साथ मेडल और शिल्ड देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं द्वितीय विजेता गढ़वा के अमित कुमार को 2100 रुपये नकद के साथ शिल्ड और मेडल तथा तीसरा विजेता अमहर विशुनपुरा के नेपाल कुमार को 1100 रुपये नकद के साथ शिल्ड और मेडल प्रदान किया गया। वहीं अन्य प्रतिभागियों को संतावना पुरस्कार के रूप में मेडल प्रदान कर हौसला बढ़ाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुड्डू सिंह ने कहा की स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गांव में दौड़ प्रतियोगिता के आयोजन से जहां युवाओं में देश प्रेम की भावना उत्पन्न होगी। वहीं गांव के प्रतिभावान युवकों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना की तथा मौके पर मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर द्वारा उपलब्ध कराये गये 21 हजार रुपये सहयोग के रूप में प्रदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के सचिव विपीन कुमार साव, कोषाध्यक्ष लवकुश कुमार आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। मौके पर चंदेश्वर कुमार, शिवपूजन कुमार, सूरज गुप्ता, राजू कुमार रंजन, विकास कुमार गुप्ता, धीरज सिंह, वशिष्ठ विश्वकर्मा, शंभू प्रसाद, वीरेंद्र साह, लक्ष्मण प्रसाद, रमेश बैठा, सुनील सिंह, अरुण कुमार रवि, ऋषिकेश विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग थे।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 12 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
08

ट्रैक्टर के पलटने से युवक की मौत

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जिले के सदर थाना क्षेत्र के कुटमू दुपट्टा चौक के पास ट्रैक्टर के पलटने से एक युवक की मौत हो गयी है। वहीं ट्रैक्टर ड्राइवर घायल है। मृतक की पहचान कुटमू निवासी संजय मुंडा (25) के रूप में की गयी है। घायल ड्राइवर चंदवा थाना क्षेत्र के कुर्मी टोली के रंथू उरांव (45) को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है। मिली जानकारी के अनुसार संजय मुंडा ट्रैक्टर को रास्ता दिखा रहा था। इसी दौरान कुटमू दुपट्टा चौक के पास मोटरसाइकिल सवार को बचाने के क्रम में ट्रैक्टर अनियंत्रित हो कर खेत में गिर गया और संजय मुंडा की ट्रैक्टर के नीचे दबने से मौके पर ही मौत हो गयी। घायल रंथू उरांव को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव के कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया है।

भाजयुमो ने निकाली तिरंगा यात्रा

वंदे मातरम, मेरी शान तिरंगा - मेरी जान तिरंगा के लगाये नारे

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। भाजयुमो जिला अध्यक्ष बाल्मीकि कुमार की अध्यक्षता में लोहरदगा में तिरंगा यात्रा हुई। इस यात्रा को ललित नारायण स्टेडियम लोहरदगा से भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री बिंदेश्वर उरांव ने हरी झंडी दिखाकर आरम्भ करवाया। इसके उपरान्त यह बरवाटोली, मिशन चौक, गुदरी बाजार, अपर बाजार, बड़ा तालाब, पॉवरगंज, मैना बगीचा, नदिया, जुरिया होते हुए सोबरन टोली में कार्तिक उरांव की प्रतिमा के समक्ष सभा में परिवर्तित हो कर समाप्त हुई।

पूरी रैली में शामिल युवा भारत माता की जय, वन्दे मातरम, विश्व विजयी तिरंगा प्यारा, सारे जहां से अच्छा हिंदुस्ता हमारा, मेरी शान तिरंगा - मेरी जान तिरंगा के नारे लगा रहे थे, इन नारों से पूरी यात्रा गुंजायमान थी। तिरंगा यात्रा में भारतीय जनता पार्टी लोहरदगा जिला अध्यक्ष मनीर उरांव, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष अजातशत्रु, भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री बिंदेश्वर उरांव, जिला उपाध्यक्ष बालकृष्णा सिंह, जिला महामंत्री पशुपति नाथ पारस, संजय अग्रवाल, जिला मंत्री मिथुन तमेड़ा, विवेक चौहान, विवेक सोनी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष टीपू खान, सरजू साहू, विपुल तमेड़ा, विश्वजीत शाहदेव, मनीष शिखर, लाल अविनाश नाथ शाहदेव, संख्या में युवा सम्मिलित हुए।

मौके पर बिंदेश्वर उरांव ने कहा कि राष्ट्र सर्वप्रथम की भावना के साथ ही राष्ट्र के प्रति अपना सर्वस्व समर्पण की भावना हमें रखनी चाहिए। आज की रैली में उमड़ी यह संख्या यह बता रही है कि एक बार पुनः नवयुवकों के हृदय में तिरंगे के प्रति प्रेम और राष्ट्र के प्रति सर्वस्व न्यौछावर की भावना जागृत हो चुकी है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष बाल्मिकी कुमार ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा घर घर तिरंगा हर घर तिरंगा अभियान की ही एक कड़ी है। यह रैली केवल रैली मात्र नहीं है अपितु यह हमें इस बात का स्मरण करवाती है कि इसी तिरंगे के लिए लाखों लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी है।

खुदीराम बोस के साहस, त्याग व बलिदान की गाथा युगों-युगों तक प्रेरित करती रहेगी : काले

'नमन परिवार' का कार्य सराहनीय : अंशुमान चौधरी

खुदीराम बोस के बलिदान ने स्वतंत्रता संग्राम में युवाओं में देशभक्ति की अलख जगायी : अमिताभ चटर्जी

खुदीराम बोस देश के युवाओं के प्रेरणा स्रोत है : डीके घोष

अमर बलिदानी खुदीराम बोस को 'नमन' ने दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। महान स्वतंत्रता सेनानी, अपने साहस एवं शौर्य से क्रांति की चिंगारी को गति देने वाले खुदीराम बोस के बलिदान दिवस पर हर साल की भांति 'नमन परिवार' द्वारा संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले के नेतृत्व में कई गण्यमान्यों, महिलाओं और युवाओं की उपस्थिति में उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर अमरप्रीत सिंह काले ने कहा, जब एक युवा अपने भविष्य को लेकर परेशान रहता है उस उम्र में मां भारती की परतंत्रता की बेड़ियों को तोड़ने के लिए हंसते-हंसते अल्पायु में ही अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान क्रांतिकारी अमर शहीद खुदीराम बोस के साहस, त्याग एवं बलिदान की गौरव गाथा युगों-युगों तक हर भारतवासी को प्रेरित करती रहेगी।

इस दौरान शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता अंशुमान चौधरी ने अपने वक्तव्य में कहा, आज का दिन बेहद ही पावन और पुनीत दिन है क्योंकि आज हम एक ऐसी शख्सियत को एक ऐसे महान अमर बलिदानी को अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं। जिन्होंने मां भारती की रक्षा के लिए अल्पआयु में ही फांसी के फंदे को स्वीकार कर लिया। इस दौरान डीके घोष ने कहा आज हम एक ऐसी शख्सियत को अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं जो देश की 60% आबादी हमारे देश के युवाओं के प्रेरणा स्रोत है।

इस मौके पर जयप्रकाश राय, रामकेवल मिश्रा, परमजीत सिंह काले, बलबिंदर सिंह, रितिका श्रीवास्तव सहित अन्य ने अपने अपने विचार रखे कार्यक्रम का संचालन धनुर्धर त्रिपाठी धन्यवाद ज्ञापन स्वाति मित्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर साकची गुरुद्वारा प्रधान निशान सिंह, कुलविंदर सिंह पन्नु, प्रितपाल सिंह, त्रिलोचन सिंह, जे. शांता, जेडी रमन, महेंद्र सिंह, गुरचरण सिंह, संदीप कुमार सिंह, एस एन दुबे, बलदेव सिंह, प्रमोद कुमार पाठक, सतिंदर सिंह रोमी, शशीबीर राणा, किरण सिंह, लख्खी कौर, सीता देवी, बंदना नामता, पुतुल सिंह, मिनी सिंह, डींपल देवी, सिमी कश्यप, रेखा देवी, डी मनी, ममता, सावित्री देवी और अन्य मौजूद रहे।

51 हजार महामृत्युंजय मंत्र का सामूहिक जाप संपन्न

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। श्रावण मास के पावन अवसर पर रविवार को श्री श्री दुर्गा बाड़ी मंदिर प्रांगण में वैदिक विश्व मंगल ट्रस्ट एवं शिव भक्तों के द्वारा भगवान शिव जी के प्रिय महामृत्युंजय मंत्र का 51 हजार सामूहिक जाप उपस्थित शिव भक्तों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के संरक्षक राजेंद्र खत्री, कार्यक्रम अध्यक्ष वीरेंद्र मित्तल, गोपाल दत्ता, मुख्य सहयोगी अवधेश मित्तल, अशोक चंद्र घोष, दीपक कर्मकार, अजातशत्रु के द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर शिव भक्तों को डॉक्टर अशोक आचार्य द्वारा सामूहिक रूप से महामृत्युंजय मंत्र का जाप करवाया गया और इस मंत्र के फायदे भी लोगों को बतलाये गये। उन्होंने बतलाया कि महामृत्युंजय मंत्र भगवान शिव को प्रसन्न करने वाला खास मंत्र है। ये मंत्र ऋग्वेद और यजुर्वेद में भगवान शिव की स्तुती में लिखा है। उन्होंने कहा कि रुद्राक्ष की माला से इस मंत्र का जप करना चाहिए। जिससे हर तरह की परेशानी और रोग खत्म हो जाते हैं। कार्यक्रम में यजमान के रूप में उपस्थित हुए मुख्य रूप से अवधेश मितल सह पत्नी, अभिजीत घोष सह पत्नी, दीपक कर्मकार सह पत्नी, डॉ जगजीवन सिंह सह पत्नी के अलावे सभी शिव भक्तों को बारी-बारी कर हवन में पूणार्हुति दिलवायी गयी जिसके बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम में अजादशत्रु, डॉ जगजीवन सिंह, विनय कुमार, शीतल कर्मकार, शीला घोष, अरुणा साहू, सविता कुमारी सहित काफी संख्या में शिव भक्त शामिल हुए।

पेड़ की डाल गिरने से वृद्ध घायल

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत साप्ताहिक बाजार अरु में रविवार को महुआ पेड़ का डाल टूट कर गिरने से वृद्ध सब्जी विक्रेता किसान को चोट लगने से घायल हो गया। वही घायल की पहचान अरु ग्राम निवासी स्व. लक्ष्मण साहु का 70 वर्षीय पुत्र कृष्णा साहु के रूप में किया गया। जानकारी के अनुसार बताया जाता है की कृष्णा साहु किसान है। वह गांव का ही बाजार में सब्जी बेचने आया हुआ था। अचानक महुआ पेड़ की डाली टूट कर गिर गया। जिससे वृद्ध सब्जी विक्रेता किस का सिर और हाथ में चोट लग गया। वही घायल को परिवार वालों द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा इलाज करने के उपरांत घायल कृष्णा साहु को घर भेज दिया गया।

सेन्हा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष का पुतला फूंका

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। भाजपा में दिन प्रतिदिन कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बिखरता नजर आ रहा है। अक्सर किसी बात को लेकर लोकसभा चुनाव के समय से विभिन्न रूप से रणनीति बनाया जा रहा है और प्रखंड मंडल कार्यकर्ताओं को नीचा दिखाने का प्रयास निरंतर जारी है। जिसको लेकर प्रखंड क्षेत्र के मंडल भाजपा कार्यकर्ताओ ने जिलाध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम सेन्हा मेन चौक में आयोजित कर कहा कि भाजपा किसी के इशारे पर नये मंडल का चयन किया है। जो पार्टी गाइडलाइन से हट कर किया गया है। बताते हुए चयनित नये भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक साहु को तत्काल हटाने की मांग करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष मनीर उरांव द्वारा तनाशाही करने का आरोप लगाया है। साथ ही कहा कि भाजपा लोहरदगा जिला अध्यक्ष को पार्टी विरोधी कार्य करने की शिकायत पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबु लाल मरांडी को पूर्व में पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया गया था। पत्र देकर अध्यक्ष मनीर उरांव पर मंडल अध्यक्ष और कार्यकर्ताओ से तनाशाही और अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया था। जिसे दुर्भावना से ग्रसित हो बदला लेने के उद्देश्य से जिले का सभी मंडल अध्यक्ष को बदल दिया गया। कार्यकर्ताओ ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सेन्हा मंडल भाजपा के नये अध्यक्ष को हटाने का मांग किया है। साथ ही कहा कि सेन्हा मंडल अध्यक्ष को नही हटाने पर सामूहिक रुप से इस्तीफा देने की बात भी कही गयी है। मौके पर नवल किशोर साहू,रजनीश कुमार सिंह,दशरथ साहू,रोहित कुमार सिंह,कर्मदेव उरांव,चंद्र किशोर यादव, गंदूर भगत सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने नये मंडल अध्यक्ष का विरोध किया है।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में मोरवाई मुखिया घायल

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बरवाडीह प्रखंड मुख्यालय के राजकीय कृत कन्या मध्य विद्यालय के समीप विपरीत दिशा से बुलेट बाईक सवार के द्वारा मोरवाई मुखिया सह पूर्व सैनिक आशीष सिंह चेरो के मोटरसाइकिल मे टक्कर मार दी। जिसमे मुखिया और उनकी पत्नी घायल हो गए। घटना के बाद छेचा निवासी तोकीर खान अपने मित्रो की मदद से मुखिया को सीएचसी मे लाकर भर्ती कराया।जिसके बाद चिकित्सक डॉ विवेकानंद व ड्रेसर राजेश चन्द्र उर्फ बबलू ने प्राथमिक उपचार किया। इस सम्बंध में चिकित्सक डॉ विवेकानंद ने बताया कि पैर में हल्की फुल्की चोटे लगी है। इलाज किये जाने के बाद घर जाने की सलाह दी गयी।

अवैध हथियार चलाने की ट्रेनिंग के समय नाबालिग घायल

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जिले के कुडू थाना क्षेत्र में अवैध हथियार चलाने की ट्रेनिंग के दौरान एक नाबालिग घायल हो गया। नाबालिग को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक युवक नाबालिग को अवैध हथियार चलाने की ट्रेनिंग दे रहा था, जिसमें गोली नाबालिग के जबड़े के आर-पार हो गयी। घटना के बाद परिजनों ने पहले मामले को दबाने का प्रयास किया। लेकिन लोगों के पुलिस के पास जाने के सुझाव के बाद परिजन कुडू थाना पहुंचे। जहां उन्होंने मुंह में रॉड से चोट लगने की बात कही। बाद में पुलिस को अवैध हथियार चलाने की सूचना मिली और जांच शुरू हुई। पुलिस इंस्पेक्टर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और पूरी स्थिति स्पष्ट होने पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

बारिश से कई लोगों का घर गिरा, मुआवजे की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। किस्को प्रखंड के विभिन्न जगहों में इन दिनों रुक रुक कर हो रही बारिश से कई गरीब परिवारों का आशियाना उजड़ गया है। इधर नवाडीह गांव निवासी मुतुर्जा अंसारी का घर ध्वस्त हो गया है।इससे परिवार के समक्ष बेघर होने की स्थिति उतपन्न हो गई है। साथ ही घर में रखा अनाज कपड़ा एवं अन्य सामान बर्बाद हो गया। गरीबों के आशियाने उजड़ने से उनके समक्ष मुसीबतों का पहाड़ खड़ा हो गया है। प्रखंड क्षेत्र में हो रही बारिश से कई लोगों के घर ध्वस्त हो गया है। अधिकतर ऐसे लोगों का घर गिरा है जिसका आवास योजना सूची में नाम दर्ज नही है। ना ही इन्हें आवास का लाभ मिला है। मामले पर किस्को अंचल अधिकारी अजय कुमार ने कहा कि पीड़ित परिवार आवेदन के साथ ध्वस्त घर का तस्वीर के साथ आधार कार्ड और पासबुक का जेरोक्स कॉपी अंचल कार्यालय में जमा करें जांच कर मुआवजा दी जायेगी।

चमरा लिंडा को टिकट नहीं देने और नये उम्मीदवार चयन को लेकर हुई चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर गांव में तैयारियां आरम्भ हो गया है। वही जनसमस्या संबंधित जनसभा आयोजन कर कैसे उम्मीदवार का चयन करने पर चर्चा की गयी। वर्तमान विधायक चमरा लिंडा को टिकट नही देने को लेकर मुख्यमंत्री से बात करने की बात कही गयी। वहीं वर्तमान विधायक के कार्यकाल पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीणों ने आगामी विधानसभा चुनाव में परास्त करने हेतु चर्चा की। बैठक बिशुनपुर विधानसभा संयोजक महेंद्र उरांव के नेतृत्व में लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के कुंदगड़ी ग्राम में आयोजित हुई। इस अवसर पर आदिवासी सामान्य समिति का गठन भी किया गया। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के लिये रणनीति तैयारी को लेकर आम ग्रामीण जुट रहे है। वहीं बताया जाता है कि बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र से भरी मतों से विजय दिलाने के बावजूद वर्तमान विधायक चमरा लिंडा अपने कर्तव्य का निर्वाहन करने में असमर्थ नजर आये जिससे ग्रामीण काफी नराजगी जताते हुए इस बार की चुनाव में कुछ अलग रणनीति की तैयारी में जुट कर कहा कि आदिवासी समाज चुनाव के दौरान सभी पार्टी उम्मीदवार को बारी बारी से अवसर प्रदान किया। इस बार नये उम्मीदवार के रूप में सेन्हा थाना के पूर्व प्रभारी जगरनाथ उरांव को लाने पर विचार किया जा रहा है।

अविराम कॉलेज ऑफ नर्सिंग को इंडियन नर्सिंग काउंसिल की मान्यता मिली

मुकेश कुमार सिंह

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार अविराम ग्रामीण विकास स्वयं सेवी संस्थान माराडीह के द्वारा संचालित अविराम कॉलेज ऑफ नर्सिंग हुटाप चंदवा को भारत सरकार की मेडिकल संस्थान इंडियन नर्सिंग काउंसिल की मान्यता प्राप्त हो गयी है। अविराम कॉलेज के सचिव इंद्रजीत कुमार ने बताया कि इंडियन नर्सिंग काउंसिल की टीम ने जुलाई माह में हुटाप नर्सिंग कॉलेज का निरीक्षण किया गया था। जिसमे जांच रिपोर्ट इंडियन नर्सिंग काउंसिल भारत सरकार को सौंपी गयी थी। कॉलेज का निरीक्षण करने पहुंचे अधिकारियों ने कॉलेज की अनुशासन, कॉलेज के प्रबंधन तथा नर्सिंग का प्रशिक्षण लेने वाले प्रशिक्षुओं को मिलने वाली सुविधाओं को देखकर काफी प्रभावित हुए थें। हुटाप चंदवा मे संचालित अविराम नर्सिंग कॉलेज में रोस्टर के आधार पर जो सुविधायें छात्राओं को मिलनी चाहिए थी। वह ससमय मिल रही थी। जांच रिपोर्ट के बाद अविराम कॉलेज को आइएनसी की मान्यता प्राप्त हो गई है। जिसमे राज्य भर के बच्चे को काफी सहूलियत मिलेगी। अविराम कॉलेज में बीएससी नर्सिंग को इंडियन नर्सिंग काउंसिल के द्वारा मान्यता मिलने के बाद छात्रों व नर्सिंग संकाय में कार्यरत कर्मियों में उत्साह नजर आ रहा है। अविराम नर्सिंग कालेज को इंडियन नर्सिंग काउंसिल के द्वारा मान्यता मिलने के बाद कालेज प्रबंधन को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। बधाई देने वालों में सांसद सुखदेव भगत पुर्व सांसद सुदर्शन भगत आजसू नेत्री नीरू शांति भगत, ओमप्रकाश सिंह, धीरज प्रसाद, नवीन कुमार टिंकू, बिनोद कुमार राम, बरूण बैठा, राजू कुमार रजक, राजेश कुमार, विश्वजीत भारती, अमित कुमार बंटू, चंदवा से रामयश पाठक, रवि कुमार डे लाल, अमित नाथ शाहदेव, संजीव कुमार आजद, रामप्रवेश यादव, दीपू सिन्हा सहित कई लोगो ने खुशी जताया है।

पहाड़ी नाला में डूबकर बच्चे की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। घाटशिला प्रखंड के बाघुडिया पंचायत अंतर्गत दुमकाको गांव के 4 वर्ष का बालक वासुदेव सिंह पहाड़ी नाला में डूबकर चल बसा। जानकारी के मुताबिक रतन सिंह अपनी पत्नी के साथ खेत में धान की रोपनी करने गये थे। इसी बीच उनका बेटा पड़ोस के कुछ बच्चों के साथ नाला के किनारे खेलने चला गया था। नाला किनारे बच्चे खेल रहे थे कि पहाड़ी से बहकर निचे गिर रही पानी से नाला में अचानक तेज बाहव के साथ पानी भर गया और उसकी चपेट में छोटा बच्चा आ गया और डूबने से जान गंवा बैठा। गांव वाले नाला से निकालकर अनुमंडल अस्पताल लाये, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित किया।

विधायक रामदास सोरेन ने जताया दुख

इस दुखद घटना की सूचना पाकर विधायक रामदास सोरेन घाटशिला अस्पताल पहुंचे। मृतक के माता -पिता एवं अस्पताल में मौजूद ग्रामीणों के समक्ष दुख जताते हुए तत्काल आवश्यक सहयोग किया। विधायक ने भरोसा दिलाया कि वे हर हमेशां पीड़ित परिवार के सहयोग के लिए तैयार हैं। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, काली पद गोराइ, काजल डॉन, सुखलाल हंसदा, अंपा हेंब्रम, करुणाकर महतो, विमल मार्डी सहित झामुमो के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा का हर घर तिरंगा अभियान 23 को

घाटशिला (आजाद सिपाही)। भाजपा जिला पूर्वी की बैठक रविवार को घाटशिला स्थित होटल आनंदिता में जिलाध्यक्ष चंडी चरण साव की अध्यक्षता में हुई। इसमें नयी जिला कार्यसमिति के पदधारियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष चंडी चरण साव ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है। 13 अगस्त को राजस्टेट मैदान से मौभंडार मैदान तक समय शाम 4:30 बजे तिरंगा यात्रा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रंगलाल महतो के नेतृत्व में निकाला जायेगा। मौके पर पूर्व दिनेश साव, प्रत्याशी लखन माडी, जिला मंत्री गीता मुर्मू, डॉ सुनीता देवदूत सोरेन, शिव रतन अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष सरोज महापात्र, पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश साहू ,पूर्व जिलाध्यक्ष सौरभ चक्रवर्ती, बबलू प्रसाद, महामंत्री सत्या तिवारी, महामंत्री हराधन सिंह आदि मौजूद थे।

पोटका : सिंदिरसाई गांव में नौ महीने बाद आयी बिजली

घाटशिला (आजाद सिपाही)। पोटका प्रखंड के टांगराईन पंचायत अंतर्गत सिदिरसायी गांव में नौ माह बाद आज बिजली आयी। बिजली आने के बाद ग्रामीणों में खुशी है। विभाग द्वारा सिंदिरसाई में ही विशेष शिविर लगाया गया, जहां ग्रामीणों ने अपनी बकाया राशि जमा की। सांसद प्रतिनिधि उपेंद्र नाथ सरदार तथा भाजपा नेता होपना महाली के जुगल जोड़ी के प्रयास से यह संभव हो पाया है। विदित हो की पोटका प्रखंड का सिदिरसाई गांव भूमिज बहुल गांव है। इस गांव में 110 घर भूमीज जाति के हैं। विद्युत विभाग द्वारा अधिक बिल भेजे जाने के कारण एक भी उपभोक्ता बिल जमा नहीं कर सके। जिस कारण नौ माह पूर्व सभी की बिजली काट दी गयी। ग्राम प्रधान सुखमोहन सरदार ने बताया कि दो दिन पूर्व शुक्रवार के रात्रि में सांसद प्रतिनिधि उपेंद्र नाथ सरदार तथा होपना महली ने सिंदिरसाई जाकर ग्रामीणों के साथ बैठक की। विभागीय एसडीओ से संपर्क साधा। एसडीओ ने बताया की प्रति उपभोक्ता यदि 1400 रुपया जमा करेंगे, तो उनका बिजली कनेक्शन जोड़ दिया जायेगा। रविवार को संसद प्रतिनिधि की पहल पर गांव में शिविर लगाया गया। जिन ग्रामीणों ने राशि जमा की, उनकी बिजली चालू की गयी।

कार्यपालक का तब स्वागत होगा, जब जुगसलाई की समस्याओं का समाधान होगा : नवनीत मिश्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के युवा कांग्रेस अध्यक्ष नवनीत मिश्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने जुगसलाई नगर परिषद के नव नियुक्त कार्यपालक पदाधिकारी से मुलाकात की।

मौके पर युवा कांग्रेस अध्यक्ष नवनीत मिश्रा ने नव नियुक्त कार्यपालक पदाधिकारी के समक्ष जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र की मौलिक समस्याओं से अवगत कराया।इस अवसर पर 8 सूत्री मांग पत्र सौप कर सड़क की साफ सफाई, नाली सफाई, बच्चों के खेलकूद के लिए मैदान सफाई, पेयजल, होल्डिंग टैक्स में बढ़ोतरी की समस्याओं का समाधान की मांग की।

उन्होंने कहा जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र के लोगों को बढ़ते टैक्स के कारण मिलने वाली मौलिक सुविधाएं से भी वंचित किया जा रहा है। डोर टू डोर कचरा उठाओ को निजीकरण करने से स्थानीय लोगों में काफी रोष व्याप्त है। साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के संदर्भ में भी जानकारी ली, ताकि आम लोगों तक इसके लाभ पहुंच सके। प्रतिनिधिमंडल में नवनीत मिश्रा, मोहम्मद इरशाद, हैदर राजू गद्दी, लालचंद, शिवराम कंसारी, संतोष रजक, मोहम्मद इकबाल राजा गद्दी सहित अन्य शामिल रहे।

खेत से ट्रैक्टर पार करने के विवाद में व्यक्ति को मारकर किया घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। पालकोट थाना क्षेत्र अंतर्गत नाथपुर जुरा टोली निवासी 36 वर्षीय नेत्रपाल साहू को गांव के ही छोटका किंडो ने लाठी से मारकर घायल कर दिया। परिजनों उसे सदर अस्पताल लेकर आए जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक नेत्रपाल आज से 3 दिन पूर्व अपने खेत को ट्रैक्टर से जुताई करने गया था वही छोटका के खेत में धान का फसल लगा था रास्ता नहीं होने के कारण इस खेत से होकर ट्रैक्टर पार किया नेत्र पाल ने बताया उस खेत से दो-तीन ट्रैक्टर पहले पार हो चुका है जिसके बाद मैं भी पार कर दिया। शनिवार की अपराह्न करीब 4 बजे नेत्रपाल अपने मवेशियों को खेत की ओर चरा रहा था। तभी छोटका वहां पहुंचा और उसे जाति सूचक गाली देते हुए उसके हाथ से डंडा छीन लिया इसके बाद उसे लाठी से तीन बार मारा। घटना में उसके सिर और आंख में चोट लगी है।

बहनों को सम्मान और अधिकार प्रदान करने के लिए लायी गयी मंईयां सम्मान योजना : भूषण तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर विधायक भूषण तिर्की ने स्थनीय राज होटल में प्रेस कांफ्रेंस किया। उन्होनें कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का मुख्य उद्देश्य हमारे राज्य की बहनों को सम्मान और अधिकार प्रदान करना है। इस योजना के तहत 21 से 50 वर्ष की आयु की बहनों को प्रतिमाह 1000 रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जायेगी। यानी प्रति वर्ष बहनों को 12000 रुपये दिए जायेंगे। उन्होनें कहा कि यह योजना धर्म और जाति से ऊपर उठकर सभी बहनों के लिए लागू की गयी है। हमारी सरकार पूरे महिला समाज के उत्थान के लिए प्रयासरत है, ताकि हर बहन को उसका हक और सम्मान मिल सके। जन्म से लेकर स्कूल और कॉलेज तक, हमने सभी आयु वर्गों के लिए योजनाएं बनायी हैं। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के माध्यम से 50 साल तक की बहनों को सशक्त बनाने के हमारे प्रयास का एक महत्वपूर्ण कदम है । आगे कहा कि बहनों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए हमारी सरकार ने योजना के फॉर्म को जिला प्रशासन के सहयोग से घर-घर तक पहुंचाया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकताओं ने भी इस काम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सरकार ने यह निर्णय लिया है कि किसी भी बहन - बेटी को फॉर्म भरने के लिए दूर नहीं जाना होगा। इसीलिए हर पंचायत में विशेष कैंप लगवाए गये हैं। बहनें कैंप में फॉर्म जमा कर रही हैं, वहीं आधार कार्ड का सत्यापन और राशन कार्ड से मिलान भी किया जा रहा है। बीते 3 अगस्त से ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। शुरू में तकनीकी समस्याएं आयी, लेकिन उन्हें अगले दिन ही ठीक कर लिया गया। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा गया । पहले दिन सर्वर संबंधी कुछ दिक्कतें आयी थी पर उसे दूसरे दिन ही ठीक करवा लिया गया था। अब तक 16 लाख से अधिक बहनों ने अपना पंजीकरण करवा भी लिया है। ऑनलाइन की समस्या न हो इसलिए अब ऑफलाइन आवेदन भी होगा। वैसी बहनें जिनका किसी कारणवश राशन कार्ड में नाम नहीं है, उन्हें अपने पिता या पति के राशन कार्ड की कॉपी देनी होगी। निशुल्क फॉर्म के बदले पैसे लिए जाने की जानकारी मिलने के बाद सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया गया है कि ऐसी कोई सूचना मिले तो तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करें । मौके पर जिला 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति के रंजीत सिंह व खुर्शीद अनवर, झामुमो के ज़िला उपाध्यक्ष आरिफ आलम, जेएमएम नगर अध्यक्ष लड्डन खान, मिडिया प्रभारी साजिद अख्तर, एस साहू सहित कई लोग मौजूद थे।

एकलव्य मॉडल विद्यालय में गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मनायी गयी

बसिया (आजाद सिपाही)। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, बसिया में संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य संजय कुमार सिंह ने गोस्वामी तुलसीदास के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पाचन कर किया सर्वप्रथम संगीत शिक्षक सूरज कुमार प्रसाद के निर्देशन में शिवम महली व उसके साथियों, निखिल मुंडा ,तुलसी उरांव, मनीष पातर, सूरज भगत, रुस्तम उरांव, अलोक उरांव, प्रेमचंद लोहार आरजू कुमार मुंडा तथा आशीष उरांव ने तुलसीदास के जीवन से संबंधित एक सुंदर गीत वाद्य यंत्र के साथ प्रस्तुत किया। प्रेम चांद लोहरा तथा अन्य कई छात्रों ने गोस्वामी जी के जीवन पर आधारित भाषण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए अलग-अलग विषयों पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शिक्षक बादेश कुमार मंडल तथा संदीप कुमार पंडित ने गोस्वामी तुलसीदास के व्यक्तित्व व कृतित्व के अनेक महत्वपूर्ण बातों को छात्रों को विस्तार से बताया। प्राचार्य संजय कुमार सिंह ने तुलसीदास की कालजयी रचना रामचरितमानस को मानव संबंधों के आदर्श का दस्तावेज बताते हुए सभी छात्रों को श्री रामचरितमानस को पढ़ने को प्रेरित किया।

दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन

बसिया (आजाद सिपाही)। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय बसिया में दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ को दो श्रेणियों मैं संपन्न किया गया जहां अंडर 17 श्रेणी में छात्रों को 5 किलोमीटर की दौड़ पूरी करनी थी। वहीं अंडर 14 श्रेणी में यह दूरी 3 किलोमीटर निर्धारित थी। अंडर 14 में अरुण मुंडा ने 8 मिनट 23 .42 सेकंड का समय लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया ।शनि उरांव ने द्वितीय तथा सूरज उरांव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।अंडर-17 में आलोक उरांव ने 23 मिनट 15 .70 सेकंड का समय लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया सुलेन्द्र उरांव ने द्वितीय तथा सुमित उरांव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । इस प्रतियोगिता में कुल 15-15 छात्रों को पुरस्कार के लिए चुना गया । तेतरा के सेवानिवृत खेल शिक्षक एआर तिर्की ने इस अवसर पर उपस्थित होकर खिलाड़ी छात्रों को अनेक महत्वपूर्ण बातें बतायी तथा मार्गदर्शन दिया। दौड़ प्रतियोगिता को सफल बनाने में विद्यालय के खेल शिक्षक अमरदीप बक्सराय के अतिरिक्त शिक्षक अभिषेक कुमार, महेश कुमार नाग, धनंजय सिंह, बादेश कुमार मंडल, संदीप कुमार पंडित, निरंजन कुमार ,कर्मचारी गौतम कुमार तथा रघुवीर कुमार साहू का योगदान रहा। सभी 30 विजयी खिलाड़ियों को 15 अगस्त के अवसर पर पुरस्कृत किया जायेगा।

सावन मिलन समारोह का आयोजन

घाघरा (आजाद सिपाही)। चांदनी चौक दुर्गा पूजा समिति की महिला सदस्यों ने रविवार को प्रखंड मुख्यालय में सावन मिलन समारोह का आयोजन किया। इस दौरान सभी महिलाएं हरा हरा परिधान में नजर आयी। सभी महिलाओं ने भगवान भोलेनाथ की आरती कर कई भक्ति गाना सामूहिक रूप से प्रस्तुत कर नाच गान के सावन मिलन समारोह मनाया। इस दौरान महिलाओं के द्वारा कई कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर मुख्य रूप से मनीता देवी, आलोका देवी, अंशु देवी, अनीता देवी, सरिता देवी, स्वामी देवी, सोनी देवी, रूपा देवी, पूनम देवी, प्रीत देवी, आशा देवी, शारदा देवी, रेवती देवी व ज्ञानी देवी सहित दर्जनों की संख्या में महिलाएं मौजूद थे।

डॉ. नवल कुमार बने नये सिविल सर्जन

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर अस्पताल गुमला में सिविल सर्जन के रूप में डॉक्टर नवल कुमार ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व डॉक्टर नवल अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में गढ़वा में पदस्थापित थे। डॉक्टर राजू कच्छप का स्थानांतरण राज्य चिकित्सा परिवार कल्याण विभाग रांची में किया गया। सिविल सर्जन कार्यालय कक्ष में नए सिविल सर्जन डॉक्टर नवल कुमार का उपस्थित कर्मियों ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। वही डॉक्टर राजू कच्छप को विदाई दी गई। स्वागत करने वालों में सिविल सर्जन कार्यालय के अशोक लाल, अनुपम किशोर जया खाखा, डॉक्टर नागभूषण, डॉक्टर गणेश राम, हरदास राम, ललिता मिंज, दिलीप तिर्की, दयानंद, सुगंती देवी, सोनामनी मुर्मू, रामचंद्र साहू, दीपक कुमार, सालो देवी, सुजान मिंज,बलि साहू सहित कई लोग उपस्थित थे।

वन पदाधिकारी से मिला गुमला चेंबर

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स का प्रतिनिधि मंडल चेंबर के अध्यक्ष श्री दामोदर कसेरा जी के नेतृत्व में गुमला जिला वन पदाधिकारी अहमद बेलाल से मुलाकात कर शहर के व्यापारियों एवम आम लोगों को हो रही परेशानी से अवगत कराया। श्री कसेरा ने बताया कि शहर में सड़कों के किनारे जो पेड़ काफी पुराने हो गये हैं उनकी डाली बराबर हवा पानी से टूटकर गिरती है। जिससे आम लोगों को हमेशा जान माल की छती का सामना करना पड़ता है आम लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए चेंबर अध्यक्ष ने वन पदाधिकारी से मांग किया कि पुराने हो चुके पेड़ की डालियों का छटनी कराया जाए ताकि भविष्य में किसी प्रकार का दुर्घटना ना हो। इस पर वन पदाधिकारी ने कहा कि आप इसके लिए गुमला नगर परिषद को एक आवेदन दें और उसकी प्रतिलिपि दें। नगर परिषद उसके लिए वन विभाग से एनओसी की मांग करेंगे हमारे विभाग के द्वारा उन्हें एनओसी दी जाएगी। उसके पश्चात नगर परिषद डाली काटने का कार्य करेगी। प्रतिनिधि मंडल में दामोदर कसेरा के साथ-साथ पूर्व अध्यक्ष शशि प्रिय बंटी, उपाध्यक्ष राजेश सिंह, सचिव बबलू वर्मा, प्रणय कुमार, रविंद्र सिंह राजेश गुप्ता, अनिकेत कुमार शामिल थे।

आंध्रप्रदेश में फंसे चाईबासा, रांची, लोहरदगा, गिरिडीह, पलामू के मजदूर

गुमला (आजाद सिपाही)। मिशन बदलाव के भूषण भगत ने बताया कि बी-एबीएलइ ली। चाला टोली ईस्ट नियर मेकन कालोनी कटहल मोड़ रांची के द्वारा मजदूरों को मल्टी स्किल टास्क का प्रशिक्षण दिलाया और प्रशिक्षित होने के बाद मजदूर को बेवकूफ बनाकर आंध्रप्रदेश के विभिन्न कंपनियों में भेज दिया गया। लेकिन कंपनी के द्वारा जो वादा किया गया था वो कुछ भी पूरा नहीं हो रहा है । कंपनी के झांसे में मजदूर फंस गए है और एक आज सभी मजदूर अपने जीवकोपार्जन को लेकर चिंतित है। इसका समाधन चाहते है इसके लिये चाइबासा के मजदूर मिथिलेश नायक अपनी समस्याओं को विडियो भेजकर मदद मांग की है। उसने बताया कि लोहरदगा पलामू गिरिडीह राँची, चाईबासा के लगभग 23 मजदूर आंध्रप्रदेश के दक्कीन एयर इंडिया प्रवेट लिमिटेड कम्पनी में भी फंसे हुए हैं। मजदूरों ने बताया कि उनके पास इतना पैसा भी नहीं कि घर वापसी के लिये टिकट ले सके।

पेट्रोल भरने के दौरान 6 लोगों ने एक युवक को पीटा

गुमला (आजाद सिपाही)। शहर की सिसई रोड स्थित बड़ाइक पेट्रोल पंप में तेल भरने के क्रम में बाइक से पहुंचे 6 युवकों ने सिसई रोड गांधीनगर निवासी साहिल को मारपीट कर घायल कर दिया। साहिल लहुलुहान अवस्था में सदर अस्पताल पहुंचा और अपना इलाज कराया साहिल ने बताया हम लोग तीन युवक पेट्रोल पंप में पेट्रोल भरा रहे थे तभी दो बाइक में कुल 6 लोग पेट्रोल पंप पहुंचे और बाइक का एक्सीलेटर दबा कर जोर-जोर से आवाज कराने लगे जिससे धुआं भी निकलने लगा। मेरे साथी ने उनको ऐसा करने से मना किया कहा पेट्रोल पंप है इस प्रकार का हरकत ना करें। इसके बाद वे लोग हम लोगों से उलझ गये और मेरे साथी को मारपीट करने लगे मैं बीच बचाव करने गया तभी दो लोग मुझे पकड़ कर किनारे ले गए और हाथ में पहने कड़ा से मेरे चेहरे पर मारपीट कर मुझे घायल कर दिया।

सिसई और बिशनपुर सीट कांग्रेस को देने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिला के कांग्रेसी विधानसभा चुनाव में लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के अंदर आने वाले सिसई और बिशनपुर विधानसभा क्षेत्र के सीटों की डिमांड कर रहे हैं। अभी लोहरदगा संसदीय क्षेत्र से गुमला जिले के तीनों विधानसभा सीट झामुमो के खाते में हैं। इस संबंध में एक ज्ञापन रविवार को कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम मीर को दिया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि गठबंधन की लोहरदगा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत गुमला जिला के तीन विधान सभा क्षेत्र , गुमला , सिसई एवं विशुनपुर सम्मिलित है। 1957 में लोहरदगा लोक सभा क्षेत्र एक पृथक जनजाति क्षेत्र के रूप में अस्तित्व में आया । 1962 के बाद यह क्षेत्र भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस का गढ़ के रूप में उभर कर सामने आया। इस के अन्तर्गत पड़ने वाले तब के सभी विधान सभा क्षेत्र में कॉग्रेस का दबदबा कायम रहा। गुमला जिला से इस लोक सभा क्षेत्र में पड़ने वाले तीनो विधान सभा क्षेत्र यथा गुमला, सिसई एवं विशुनपुर पिछले कई वर्षो तक कांग्रेस के परम्परागत सीटे रही है। यहां से निर्वाचित विधायक न केवल तत्कालीन बिहार सरकार के मंत्री बल्कि राष्ट्रीय जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष तक बनाए गये है ।

तत्कालीन बिहार राज्य और सन 2000 में पृथक हुए झारखण्ड राज्य बनने के बाद भी इस क्षेत्र की पहचान कॉगेस के परम्परागत क्षेत्र के रूप में रही है। यदपि बीच में कभी - कभी कुछ कारणों से कभी भाजपा एवं जेएमएम के हाथो में सीटे गयी। किन्तु 2024 का लोक सभा चुनाव में इस क्षेत्र में एक नई उर्जा और अपने पुराने गढ़ को पुनः स्थापित करने में कांग्रेस पार्टी ऐतिहासिक रूप से सफल रही है। कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार सुखदेव भगत ने लोहरदगा लोक सभा क्षेत्र में अब तक के सर्वाधिक मतो से विजय हासिल की। इतना ही नही गुमला जिला में पड़ने वाले तीनो विधान सभा क्षेत्रो विशुनपुर विधान सभा क्षेत्र में कॉग्रेस पार्टी गुमला में 19443, सिसई में 25994 एवं विशुनपुर में 14819 गुमला , सिसई एवं मतो से विजयी रही। 2024 के लोक सभा चुनाव में मांडर एवं लोहरदगा विधान सभा क्षेत्र का भी योगदान रहा है। परंतु गुमला जिला के चुनाव परिणामो ने यह सिद्ध कर दिया कि गुमला कांग्रेस का मजबूत किला है इस अपूर्व विजय में न केवल कॉग्रेस पार्टी बल्कि कांग्रेस के आम कार्यकर्त्ता में अद्भूत आत्मविश्वास एवं उत्साह का संचार हुआ है।

बेंदोरा-मालम पंचायत में मनरेगा और पीएम आवास योजना का निरीक्षण

चैनपुर (आजाद सिपाही)। चैनपुर प्रखंड के बेन्दोरा व मालम पंचायत का केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि डायरेक्टर टीम लीडर पवन कुमार एवं प्रोजेक्ट ऑफिसर मनरेगा नवनीत दास के साथ राज्य समन्यवक राजीव कुमार डीडीसी दिलेश्वर महतो एडिशनल डायरेक्टर विद्याभूषण के द्वारा मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की योजनाओं के निरीक्षण हेतु क्षेत्र भ्रमण किया गया। इस दौरान केंद्रीय टीम ने तालाब, मनरेगा कूप, प्रधानमंत्री आवास, बागवानी एवं बिरसा आवास योजनाओं की जांच की इस दौरान जांच टीम योजनाओं की बारीकी से जांच की वही कई योजनाओं को देखकर संतुष्ट नजर आये। वही कई योजनाओं में असंतुष्टता जाहिर करते हुए संबंधित पदाधिकारी को कई दिशा निर्देश दिये। वही मालम पंचायत के निरीक्षण के दौरान योजना स्थल तक जांच टीम वहां नहीं पहुंच सका और जहां-जहां टीम कुछ दूर पैदल तो कुछ दूर मोटरसाइकिल का सहारा लेकर कार्य स्थल पर पहुंचकर संचालित योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान जांच टीम में पहुंचे अधिकारियों ने गुणवत्तापूर्वक कार्य करने का भी निर्देश दिया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा संबंधित पंचायत के पंचायत सेवक, रोजगार सेवक, मुखिया सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले मैच में चिल्ड्रेन अकादमी विजयी

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। केंद्रीय सरना संचालन समिति के द्वारा 15 अगस्त के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पांच दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन एसएस हाई स्कूल के मैदान में किया गया। मैच का उद्घाटन रविवार को मुख्य अतिथि थाना प्रभारी तरुण कुमार विशिष्ट अतिथि पत्रकार गौतम कुमार साहू के अलावे अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उद्घाटन मैच का शुभारंभ किया। उद्घाटन मैच चिल्ड्रन अकैडमी प्लस टू स्कूल घाघरा बनाम फुटबॉल क्लब लरंगो के बीच खेला गया। जिसमें चिल्ड्रेन अकादमी 4-0 से विजय रही। थानेदार तरुण कुमार ने कहा फुटबॉल एकता का परिचायक है जिसमें सभी एकजुट होकर अपने टीम को जीतने के लिए खेलते है। साथ ही उन्होंने केंद्रीय सरना संचालन समिति की सराहना करते हुए कहा हर वर्ष क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा प्लेटफार्म दिया जाता है। गुमला जिला से कई खिलाड़ी राज्य व देश का नाम रोशन कर रहे है। उन्होंने खिलाड़ियों से नशा पान का त्याग कर खेल में अपना करियर बनाने की दिशा में प्रयास करने की बात कही। उन्होंने कई खिलाड़ियों का उदाहरण देते हुए प्रेरित किया। केंद्रीय सरना संचालन समिति के अध्यक्ष समीर भगत ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष में स्कूली बच्चों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन कराया जा रहा है। 15 अगस्त के दिन मैच का फाइनल किया जायेगा। इस मौके पर मुख्य रूप से थानेदार तरुण कुमार, पत्रकार गौतम कुमार साहू, समीर भगत, सुधीर कैथवर, भिनेश्वर भगत, भूपेंद्र नाथ राम, चंद्रदेव उरांव, बालकिशुन उरांव, पल्लव कुजूर, शीला रानी, गौतम धारा मिंज सहित कई लोग मौजूद थे।

तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

गुमला (आजाद सिपाही)। नव युवक संघ हेसागुटू कल्हुटोली में तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमे दूर दूर से आए 24 टीम के खिलाडियों ने भाग लिया। वहीं दर्शक बंधु एवं खिलाड़ी का उत्साह बड़ाने के लिए संगम ग्रुप जोड़ी दिव्या और पूजा कुमारी ने लोगो को डांस के माध्यम से दिल बहलाया। मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में सिसई विधायक जिग्गा सुसासन होरो, उतरी जिला परिषद् विजय लक्ष्मी कुमारी, कांग्रेस पुसो मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र लोहरा,सांसद प्रतिनिधि प्रकाश उरांव, पूसो थाना प्रभारी प्रकाश तिर्की, शशिकांत साहू, रमेश महली, सुखनाथ राम, अर्जुन लोहरा आदि उपस्थित रहे।

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति की बैठक

घाघरा (आजाद सिपाही)। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति की बैठक रविवार को प्रखंड मुख्यालय में केंद्रीय महासचिव दीपक कुमार महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में 26 अगस्त को पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के आगमन को लेकर चर्चा किया गया। कार्यक्रम प्रखंड मुख्यालय के हाई स्कूल मैदान में होना तय किया गया है। केंद्रीय महासचिव दीपक महतो ने बताया कि केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के आने का मुख्य उद्देश्य झारखंड के लोगों को उनके हक व अधिकार से परिचित कराना जिस तरह से झारखंड में अब तक के सरकारों ने झारखंड के लोगों को बरगलाकर वोट बैंक की राजनीति की है। अब सभी लोग जागरूक हो चुके हैं आने वाला समय झारखंड की विकास को तय करेगा। साथ ही उन्होंने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी अपना कैंडिडेट बिशुनपुर विधानसभा में खड़ा करेगी। जिसकी तैयारी प्रारंभ कर दी गयी है। इस मौके पर मुख्य रूप से दीपक कुमार महतो, श्याम साहू, दक्षिणी छोटा नागपुर के महामंत्री पंचम एक्का, एसटी एससी जिला अध्यक्ष शैलेंद्र उरांव, पवन साहू, बाबूलाल उरांव, रघुनंदन उरांव, सरोज साहू, दीवान भगत, जोगेंद्र भगत, भूषण भगत, दिलकेश्वर उरांव, अंकित उरांव व मनीष साहू सहित कई लोग मौजूद थे।

बसिया मंडल भाजपा में चार-पांच लोगों की चल रही है मनमानी

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। क्या भाजपा के बसिया मंडल में सब कुछ ठीक ठाक नहीं है। अंदर खाने में क्या अंत द्वंद की स्थिती बनी हुई है। या किसी की तानाशाही से क्षेत्र के आम कार्यकर्ता काफी क्षुब्ध हैं? यह इंटरनल मैटर क्या अब चौक चौराहों तक पहुंचने वाला है? इन्ही सवालों का जवाब दे रही है आज की बैठक। रविवार को भाजपा के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष अरुण मिश्रा के कोनबीर स्थित आवास में भाजपा के वरीय कार्यकर्ताओ की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जो सबसे अहम बात कही गयी वह ये कि बसिया प्रखंड में विगत लगभग 5 वर्ष से केवल 5 लोगो ने पूरे संगठन को ही हाइजैक करके रखा हुआ है। पार्टी का कोई कार्यक्रम हो या कोई रणनीति केवल 5 लोग ही अपनी मनमानी करते आ रहे है। इतना ही नहीं पीछले विधानसभा और लोक सभा में भाजपा को मिली करारी हार का ठीकरा भी इन्हीं 5 लोगों पर फोड़ा गया। कहा गया कि इन्ही 4 से 5 लोगो के कारण भाजपा को बसिया प्रखंड में विगत दो चुनावो में हार का मुँह देखना पड़ा है। पांच सालों से जो भी भाजपा प्रखंड कमेटी में आये है वे केवल निज हित मे लगे हुए है। वे लोग हम वरीय कार्यकर्ताओ के साथ ही दूसरे किसी भी कार्यकर्ताओ को नही पूछ रहे है और न कोई मान सम्मान दे रहे है। इस बैठक में उपस्थित सभी भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि इस बार भी प्रखंड कमिटी की गठन में मनमानी की जा रही है। आरोप तो यह भी लगाया गया कि ये 5 लोग केवल अपने निजी स्वार्थ में लगे हुए है उन्हें पार्टी के उन्नति से कोई मतलब नही होता है बल्कि केवल खुद को दिखाने के लिए जिला और प्रदेश में बड़ी बड़ी बातें बोल गलत संदेश देते है। अगर यही स्थिति रही तो आने वाले चुनावों में भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अब इस मोड़ पर पहुंची बसिया मंडल की भाजपा टीम के बारे में जिला की टीम को कुछ तो जरूर सोचना चाहिए। इस बैठक में राजकुमार गुप्ता, कृष्णा कुशवाहा,जगदंबा साहू, भीम साहू, बैजू गोप,राजेश बड़ाईक, अरुण मिश्रा, तिजु साहू, सीताराम बड़ाईक, अनिल साहू समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हाथी ने किसान के घर को तोड़ा

भरनो (आजाद सिपाही)। करंज थाना अंतर्गत तेतरबिरा कुसुम टोली मे जंगली हाथी ने पूना उराव पिता चमरा उराव के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया और घर मे रखें हुए अनाज को भी चट कर गया। इसकी सुचना मिलने पर करंज थाना प्रभारी आशीष केसरी पीड़ित परिवार से मिल कर इसकी जानकारी वन विभाग को देते हुए हर संभव मदद करने की बाद कही जंगली हाथी के दस्तक से गांव वाले काफी सहमे हुए हैं।

भाजपा ऊर्जावान कार्यकर्ताओं की पार्टी, नहीं चलेगा परिवारवाद : अरविंद

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पांडू प्रखंड के वृद्धखैरा के वेणुगोपाल मंदिर प्रांगण में भाजपा कार्यक्रताओं की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह उंटारी जिला पार्षद अरविंद सिंह ने किया। संचालन सुरेंद्र सिंह ने किया। बैठक में कार्यक्रताओं ने अपने पार्टी के ही स्थानीय विधायक के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उनके परिवारवाद और वंसावाद नीति का विरोध किया। कार्यक्रताओं का आरोप था कि विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी पार्टी में परिवारवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। अपने पुत्र को राजनीत में स्थापित करने हेतु कार्यक्रताओं की उपेक्षा कर रहे हैं। पार्टी कार्यक्रताओं को अपमानित कर रहे हैं। वरीय भाजपा नेता अरविंद सिंह ने कहा

कि भाजपा ऊजार्वान कार्यकर्ताओं की पार्टी है। भाजपा परिवारवाद और वंशवाद का हमेशा विरोध करती है। इसलिए किसी भी परिस्थिति में प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व विधायक पुत्र को पार्टी का टिकट नहीं देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के आदर्श और देश के महान विभूति पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था कि अगर कोई अच्छी भी पार्टी किसी गलत व्यक्ति को अपना प्रत्यासी बनाती है तो कार्यकर्ता और जनता को उसका विरोध करना चाहिए। वरिष्ठ भाजपा नेता विभाकर नारायण पांडेय ने कहा कि पार्टी के प्रदेश व केंद्रीय नेतृत्व को कार्यक्रताओं की भावनाओं से अवगत कराया जायेगा। किसी भी हाल में कार्यकर्ताओं की भावनाओं को आहत नहीं होने दिया जायेगा। सीएस दुबे ने कहा कि हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति के खिअफ में नही है। हमारी लड़ाई नीति, नियत और न्याय पाने के लिए है। बिजेंद्र पाठक ने कहा कि पार्टी किसी भी समर्पित कार्यक्रता को टिकट दे, उसे जिताने का जिम्मा हम सब का है। रामाशीष यादव ने कहा कि हमारी किसी से कोई व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है। हमारी लड़ाई विचारधारा की है। भाजपा की विचारधारा परिवारवाद और वंशवाद की नही है। विश्रामपुर विस क्षेत्र में भी पार्टी की इस विचारधारा की जीवित रखना है। पुष्प रंजन ने कहा कि विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी राजद से भाजपा में आए हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपमानित होकर भी इन्हे दो बार विधायक बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बावजूद भी वे भाजपा की विचारधारा को अपना नही सके। विश्रामपुर जिला पार्षद विजय रविदास ने कहा कि कार्यक्रताओं को उपेक्षित करके श्री चंद्रवंशी ने परिवारवाद को बढ़ावा दिया है,जिसे बर्दास्त नही किया जाना चाहिए। पार्टी के हर फोरम पर इसे उठाया जायेगा। बैठक के अंत में सभी नेताओं-कार्यकर्ताओं ने वंशवाद के खिलाफ अंतिम लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया। बैठक में विनोद तिवारी, मुंशी प्रसाद गुप्ता, रवींद्र नाथ उपाध्याय, सुनील पांडेय, सीताराम आर्य,कृष्ण मुरारी सिंह, विनय चंद्रवंशी, कुश कुमार ओझा, पंकज कुमार लाल, डीएन सिंह, राम विलास सिंह, बैद्यनाथ सिंह, डबलू यादव, प्रेम सागर सिंह, दीपक गुप्ता, सच्चितानंद सिंह, प्रेमानन्द त्रिपाठी, नवीन पांडेय, रामबली राम, प्रभु विश्वकर्मा सहित विश्रामपुर, पांडू, उंटारी व नावा बाजार प्रखंड के पार्टी कार्यकर्ता संख्या में मौजूद थे।

ईश्वरीय विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षा बंधन का त्योहार

पवित्रता का बंधन ही सच्चा रक्षाबंधन : ब्रह्माकुमारी कंचन

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। शहर के प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सद्भवाना भवन में रक्षाबंधन का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक संजय सिंह यादव नगर अध्यक्ष शशि कुमार एनसीपी प्रवक्ता गुड्डू सिंह सांसद प्रतिनिधि श्रवण अग्रवाल, पूर्व नगर अध्यक्ष रामेश्वर राम रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिवक्ता संजय सिंह, प्रोफेसर अजय सिंह, डॉक्टर दयानंद ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीके नीरज तथा मंच के संचालन बीके अरविंद ने किया। मुख्य वक्ता बीके कंचन बहन ने राखी के आध्यात्मिक रहस्य को बहुत ही सरलता से कहा की यह रक्षा बंधन एक

विशाल हृदय व विशुद्ध भावनाओं के धागों से जुड़ा त्योहार है, परंतु आज छोटी सी सीमा में बंधकर रह गया है केवल बहन अपने सगे भाई और भाई अपनी सगी बहन के लिए ही सोचता है। रक्षा बंधन हम सदियों से मनाते आ रहे है फिर भी यह रक्षा बंधन सुरक्षा नहीं कर पा रहा है। मुख मीठा करना अर्थात हमे सदैव मधुर बोल बोलना है। तिलक लगाना अर्थात हमे सदैव आत्म स्मृति का तिलक लगाना है इस प्रकार रक्षा बंधन का आध्यात्मिक रहस्य समझते हुए सभी को अपने जीवन में धारण करने का संकल्प कराया। बीके बहनों ने पूर्व विधायक एवं व्यापारियों, समाजसेवियों व अनेक गणमान्य लोगों के कलाई पर राखी बांधी। इस मौके सेवा केंद्र संचालिका प्रियंका, नम्रता, वंदना, धीरज, संतोष सोनी, धर्मेंद्र, राकेश विश्वकर्मा, डॉ. गया प्रसाद , डॉ. मल्ल्ये, मनोज भगत, आनंद किशोर, शिव नारायण, विनय पासवान, सत्यवान, रामनरेश यादव समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

एसटीडी कॉलेज में मनायी गयी संत तुलसीदास की 527 वीं जयंती

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/ पलामू। रेहला एसटीडी कॉलेज में संत गोस्वामी तुलसीदास की 527 वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संत गोस्वामी तुलसीदास व मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ विभाशंकर, विशिष्ट अतिथि जीएलए कॉलेज के हिंदी विभाग प्रमुख डॉ मंजू सिंह और एसटीडी कॉलेज के सचिव डॉ शशिनाथ चौबे मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य संतोष कुमार मिश्रा और संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष राकेश शुक्ला ने किया। प्राचार्य संतोष मिश्रा ने गोस्वामी तुलसीदास के जीवन पर प्रकाश डाला। कहा कि

रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास ने अवधि के साथ-साथ ब्रजभाषा में भी कई रचनाएं लिखी। डॉ विभाशंकर ने कहा कि तुलसीदास एक बहुत बड़े महान संत थे। डॉ मंजू सिंह ने कहा कि मानस में विराट को देखा है, शक्ति का आकलन किया है और यह कल की भाषा रूपक योजना है। शशिनाथ चौबे ने कहा कि रामचरितमानस आज सभी लोगों को पढ़ने की जरूरत है.उसमें ज्ञान का भंडार है। मौके पर विधायक के जिला प्रतिनिधि रामचंद्र यादव, विजय कांत शुक्ला, अजय शुक्ला,डॉ विजय प्रसाद शुक्ला, डॉ श्याम मिश्रा, शशि रंजन सिंह, रंजन दुबे, कृष्ण कुमार चौबे, संतोष शुक्ला, टीपी तिवारी, अजय ओझा,ज्योति कुमारी, आशा कुमारी, शबनम निशा, बिंदा कुमारी, अमीना खातून, अस्मिता पांडेय, अमित कुमार, देव प्रकाश पांडेय, जितेंद्र पाठक, सुनील कुमार, संजय पांडेय, संत मिश्रा, दिलीप चौबे, फूल कुमारी, अर्चना कुमारी, संगीता कुमारी, आशीष कुमार पांडेय, गुंजन पासवान, सुधीर चौबे, सुधीर यादव, विनय कुमार, दिनेश कुमार शाह सहित कई लोग मौजूद थे।

हर दुख-सुख में सदैव साथ खड़ी है परशुराम युवा वाहिनी : अर्जुन पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय परशुराम सेवा युवा वाहिनी के संरक्षक वरिष्ठ समाज सेवी अर्जुन पाण्डेय उर्फ गुरु पाण्डेय ने पांकी विधान सभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी सह युवा कांग्रेस नेता रुद्र शुक्ला के दादी के निधन होने पर उनके घर पांकी विधान सभा के नीलांबर पितांबरपुर प्रखण्ड के ग्राम कमलकेडिया पहुंच कर शोकाकुल परिवार से मुलाकात किया। अर्जुन पांडेय ने रुद्र शुक्ला के दादा राधा शुक्ला से मुलाकात कर इस दुःख की घड़ी में उनको ढाढस बांधने को कहा और दिवंगत आत्मा विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया।

साथ में कार्यक्रम में राष्ट्रीय परशुराम युवावाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, प्रदेश कोषाध्यक्ष राकेश पांडेय, जिला अध्यक्ष विकास दुबे, लल्लू पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप दूबे, प्रदेश सचिव आशुतोष पांडे उर्फ लक्की पांडेय सहित भारी संख्या में राष्ट्रीय परशुराम युवावाहिनी के वरिष्ठ पदाधिकारी और पूरे परिवार के लोग उपस्थित हो दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना किया। युवा नेता रूद्र शुक्ला ने राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के मुख्य संरक्षक अर्जुन पाण्डेय उर्फ गुरु पांडेय एवं तमाम राष्ट्रीय परशुराम युवावाहिनी के पदाधिकारी गार्जियन और युवा वाहक को इस दुःख की घड़ी में शामिल होने के लिए तमाम लोगों का दिल से आभार व्यक्त किया।

हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष ने फसल बीमा योजना की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद व्यापार मंडल के अध्यक्ष एवं पैक्स संघ के पलामू जिला अध्यक्ष कृष्णा बैठा ने एक प्रेस

बयान में पलामू जिला के किसानों की समस्याओं को उठाते हुए सरकार से महत्वपूर्ण मांग की है। उन्होंने बताया कि पलामू जिला के किसान पिछले तीन वर्षों से लगातार सुखाड़ की मार झेल रहे हैं, जिससे उनकी आजीविका पर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। हालांकि, पिछले एक सप्ताह से लगातार हो रही वर्षा से किसानों को थोड़ी राहत मिली है और लगभग 50 प्रतिशत धान की रोपाई पूरी हो चुकी है। उम्मीद है कि आने वाले एक सप्ताह के भीतर सभी किसानों की रोपाई का कार्य पूरा हो जाएगा। श्री बैठा ने इस बात पर भी जोर दिया कि वर्तमान में बढ़ती महंगाई के कारण खेती करना किसानों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य बन गया है। किसान कर्ज लेकर खेती करने को मजबूर हो रहे हैं, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट का खतरा बढ़ गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में, कृष्णा बैठा ने सरकार से अनुरोध किया है कि किसानों के हित में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने मांग की है कि किसानों द्वारा लगाई गई सभी खरीफ फसलें फसल बीमा योजना के तहत आनी चाहिए, ताकि किसान सुखाड़ जैसी आपदाओं से भयभीत न हों। फसल बीमा योजना से यह भरोसा होगा कि अगर उनकी फसल को कोई नुकसान होता है, तो उन्हें क्षतिपूर्ति मिलेगी, जिससे उनकी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

यौन हिंसा पीड़ित बच्चों की मदद के लिए 'सपोर्ट पर्सन' नियुक्त हो : अग्रगति

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। 'सपोर्ट पर्सन' की अनिवार्य रूप से नियुक्ति का सुप्रीम कोर्ट का आदेश राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से प्रस्तावित दिशानिर्देशों के आधार पर शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों/ केंद्रशासित क्षेत्रों से चार हफ्ते में अनुपालन रिपोर्ट सौंपने को कहा। 'एक्सेस टू जस्टिस' कार्यक्रम के सहयोगी संगठन अग्रगति ने राज्य में तत्काल इस आदेश पर अमल की मांग की। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की ओर से प्रस्तावित दिशानिदेर्शों पर मुहर लगाते हुए सभी राज्यों व केंद्रशासित क्षेत्रों को यौन शोषण के पीड़ित बच्चों के लिए अनिवार्य रूप से 'सपोर्ट पर्सन' की नियुक्ति का आदेश देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का झारखंड के पलामू में बाल अधिकारों के लिए काम कर गैरसरकारी संगठन अग्रगति ने इस आदेश पर तत्काल प्रभाव से अमल की अपील की है। अग्रगति ने पलामू जिला में 'एक्सेस टू जस्टिस' कार्यक्रम का सहयोगी है जो दुनिया के सबसे बड़े कानूनी हस्तक्षेप कार्यक्रमों में शुमार है और इसके साथ 200 से भी ज्यादा संगठन बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 400 से ज्यादा जिलों में जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ ने सभी राज्य सरकारों/ केंद्रशासित क्षेत्रों को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो)

अधिनियम के तहत लंबित मामलों में पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए एनसीपीसीआर के दिशानिर्देशों के मुताबिक 'सपोर्ट पर्सन' की नियुक्ति, उनकी योग्यता और जिम्मेदारियां तय करने के आदेश पर अमल के बाबत चार हफ्ते में अनुपालन रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

बताते चलें कि सपोर्ट पर्सन वह व्यक्ति होता है जो यौन शोषण व उत्पीड़न के शिकार बच्चों की भावनात्मक व कानूनी रूप से मदद करते हुए उन्हें पीड़ा से उबरने व समाज की मुख्य धारा में वापस लाने में सहयोग करता है।

बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) की ओर से दायर याचिका में उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में दलित नाबालिग बच्ची के साथ पांच महीने तक सामूहिक बलात्कार और शिकायत करने के लिए थाने जाने पर वहां एक पुलिस अधिकारी द्वारा उससे बलात्कार का मामला उठाते हुए बच्चों के प्रति मित्रवत नीतियों और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े दिशानिदेर्शों पर अमल का आदेश देने की मांग उठाई गयी थी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए झारखंड के पलामू जिला में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए काम कर रहे गैरसरकारी संगठन अग्रगति के निदेशक किरण शंकर दत्त ने कहा, यह एक ऐतिहासिक फैसला है जो यौन शोषण के पीड़ित बच्चों की कई तरह से मदद करेगा। जमीन पर काम करने वाला संगठन होने के नाते हम कानूनी लड़ाई के दौरान बच्चों के संघर्षों और उनकी परेशानियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। एक्सेस टू जस्टिस कार्यक्रम का सहयोगी होने के तौर पर हम चाहते हैं कि यौन शोषण के पीड़ित असंख्य बच्चों और उनके परिवारों की तकलीफ को कम करने के लिए राज्य सरकार तत्काल सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर अमल करे।

झारखंड क्षत्रिय महिला संघ का सावन महोत्सव

रैंप वॉक, रूप सज्जा और सोलह श्रृंगार पर आधारित क्विज का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गम्हरिया। झारखंड क्षत्रिय महिला संघ आदित्यपुर इकाई के द्वारा सावन महीने के अंतिम पड़ाव पर भव्य सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। झारखंड क्षत्रिय महिला संघ के सावन महोत्सव में क्षत्रिय समाज की सैकड़ो महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। मौके पर सभी महिलाएं उत्सव की तरह अपने भाव प्रदर्शित करते नजर आई।मौके पर सभी महिलाएं सावन की गीतों पर जमकर मौज मस्ती की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संघ की केंद्रीय अध्यक्ष कविता परमार व विशिष्ट अतिथि देविका सिंह व आशा सिंह शामिल रही। सावन महोत्सव में क्षत्रिय समाज की महिलाओं ने रैंप वॉक, रूप सज्जा,सोलह श्रृंगार पर आधारित क्विज प्रतियोगिता में एक से बढ़ कर एक महिलाओं ने हिस्सा लिया।

इस दौरान जजेज को भी अव्वल यानी सावन क्वीन चुनने में दिक्कतों का सामना करनी पड़ी। सभी प्रतिभागियों ने हर क्षेत्र में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर जजों को सोचने पर मजबूर कर दी। अंततः सर्वसम्मति से मीरा सिंह को सावन क्वीन चुना गया।वही बेस्ट डांसर के रूप में मीरा सिंह और संजीता सिंह को चुना गया, जबकि 16 श्रृंगार प्रतियोगिता में निशा सिंह पहले स्थान,अंजू सिंह दूसरे और कोमल सिंह को तीसरे स्थान पर चुना गया। जिसका फाइनल राउंड जमशेदपुर में होना है। मौके पर आदित्यपुर इकाई की अध्यक्ष सुजाता सिंह ने बताया इस तरह के आयोजनों से महिलाओं में एक नई ऊर्जा और कुछ अलग हटकर करने की सोच विकसित होती है। समाज की महिलाएं ऐसे आयोजनों के जरिये अपने अंदर छिपी प्रतिभाओं को साझा करती हैं ।यहां से बेहतर परफॉर्मेंस के आधार पर उन्हें बड़ा मंच मुहैया कराया जाता है। अक्सर देखा जाता है प्रतिभा रहते हुए भी महिलाएं उसे प्रदर्शित नहीं कर पाती। इस तरह के आयोजन में जब उन्हें मौका मिलता है तो वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर जजों को भी परेशानी में डाल देते हैं। संघ लगातर समाज के महिलाओं के उत्थान की दिशा में कार्य करती है। यह आयोजन उसी कड़ी का एक हिस्सा है। मौके पर महिलाओं ने अपने नृत्य- संगीत और कैटवॉक से समा बांधते दिखे। देर रात तक पूरा वातावरण सावन की मस्ती में सराबोर रही।इस अवसर पर संध्या सिंह, डॉक्टर मधु सिंह, उर्मिला सिंह, डॉक्टर रीना सिंह, आरती सिंह, प्रतिभा सिंह, संगीता सिंह, विद्या सिंह, सुषमा सिंह सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

स्पोर्ट्स

भारत के टोक्यो के मुकाबले पेरिस ओलिंपिक की मेडल टैली में नीचे खिसकने की बड़ी वजह गोल्ड मेडल ना जीत पाना रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने 3 ब्रॉन्ज मेडल शूटिंग में जीते। एक ब्रॉन्ज मेडल हॉकी और एक कुश्ती में मिला।

भारत मेडल टैली में 71वें स्थान पर रहा, 13 को विनेश के मेडल का फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेसलर रीतिका हुड्डा के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही शनिवार रात पेरिस ओलिंपिक 2024 में भारत का अभियान समाप्त हो गया। रेसलिंग की विमेंस 76 केजी कैटेगरी में उन्हें किर्गिस्तान की आईपेरी मेडेट कायजी ने 1-1 से हराया।

रेसलिंग के अलावा, भारतीय गोल्फर अदिति अशोक 29वें स्थान पर रहीं। भारत के लिए विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में मनु भाकर, 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड में मनु भाकर और सरबजोत सिंह, मेंस 50 मीटर राइफल श्री पोजिशन में स्वप्निल कुसाले, रेसलिंग में अमन

सहरावत और हॉकी को मिलाकर भारत ने 5 ब्रॉन्ज जीता।

वहीं स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने सिल्वर दिलवाया। भारत ने कुल 6 मेडल जीते। भारत को अब भी सातवां मेडल मिल सकता है। अनुभवी रेसलर विनेश फोगाट भी 50 किलोग्राम केटेगरी में कुश्ती के फाइनल में पहुंच गयी थीं। उन्होंने भारत के लिए मेडल पक्का कर लिया था, लेकिन फाइनल वाले दिन वह 100 ग्राम ओवरवेट आयी, जिसके चलते उन्हें डिसक्वालिफाइ कर दिया गया। अब 13 अगस्त को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स विनेश के मेडल का फैसला करेगी।

71वें नंबर पर रहा भारत

भारत ने टोक्यो ओलिंपिक में 1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। तब भारतीय दल मेडल टैली में 48 वें नंबर पर था। इस बार भारतीय टीम 71वें नंबर पर खिसक गयी है। यह नंबर और नीचे जा सकता है। भारत के टोक्यो के मुकाबले पेरिस ओलिंपिक की मेडल टैली में नीचे खिसकने की बड़ी वजह गोल्ड मेडल ना जीत पाना रहा। भारत को सिल्वर मेडल भी एक ही मिला, जो टोक्यो ओलिंपिक के चैंपियन नीरज चोपड़ा ने जीता। भारत के पांचों मेडल ब्रॉन्ज हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने 3 ब्रॉन्ज मेडल शूटिंग में जीते। एक ब्रॉन्ज मेडल हॉकी और एक कुश्ती में मिला।

अब भी मिल सकता है 7वां मेडल

पेरिस ओलिंपिक गेम्स खत्म हो रहे हैं, लेकिन पेरिस गेम्स के बाद भी भारत की मेडल टैली बढ़ सकती है। भारत की रेसलर विनेश फोगाट ने सीएएस में सिल्वर मेडल दिये जाने की अपील की है। इस पर मंगलवार को फैसला आयेगा। अगर विनेश यह अपील जीतती हैं तो वे सिल्वर मेडल जीतने वाली देश की पहली महिला रेसलर बन जायेगी। साथ ही भारत के मेडल की संख्या 7 पहुंच जाएगी। अगर ऐसा हुआ तो भारत मेडल टैली में 68 वें स्थान पर रह सकता है।

कुम्हार प्रजापति ट्रस्ट की बैठक

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। कुम्हार प्रजापति ट्रस्ट की एक आवश्यक बैठक रविवार को आगामी कार्यक्रम की तैयारी पर विचार विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रेम किशोर प्रजापति ने किया । बैठक में इस वर्ष शिक्षक दिवस पर 25 अगस्त रविवार को वर्तमान शिक्षक, अवकाश प्राप्त शिक्षक ,वर्तमान कर्मचारी, अवकाश प्राप्त कर्मचारी एवं बीआरपी, सीआरपी, सरकार से अनुबंध प्राप्त कर्मचारी एवं केंद्रीय कर्मचारी साथ ही साथ प्रिंट मीडिया इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के ब्यूरो चीफ को 25 अगस्त को आनंद सरस्वती बाल निकेतन में सम्मानित किया जायेगा।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 12 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
11

सरकार आपके द्वार अभियान में दिये गये मामलों के निष्पादन की मांग करने पर होगी पुलिसिया कार्रवाई

धरनार्थियों के खिलाफ पुलिस को शिकायत

आजाद सिपाही संवाददाता

बाघमारा/कतरास। बाघमारा अंचलाधिकारी के रूप में प्रमोटेड रवि भूषण प्रसाद को संबिधान के मौलिक अधिकारों के बारे में कम और कानून के बारे में कुछ अधिक ज्ञान है। इसी लिए तो सूचना देकर धरना प्रदर्शन करने वालो के खिलाफ कानून का डंडा चलवाने से पीछे नहीं रहते क्या यही प्रजातंत्र है। सचमुच अंग्रेज तो चले गए लेकिन कुछ लोगो को अपनी सोच दे गए। अधिकार मांगने पर दंड के भागीदार बनोगे बताते चले कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा चलाया गया सरकार आपके द्वार में दिए गए आवेदनों में जमीन संबंधित निष्पादन मामले और आरटीआई एक्ट के तहत सूचना उपलब्ध नहीं कराने को लेकर ग्राम स्वराज अभियान के जगत महतो व ग्रामीणों द्वारा प्रखंड

कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्सन करने के मामले में बाघमारा अंचलाधिकारी रवि भूषण प्रसाद ने बाघमारा थाना में लिखित शिकायत देकर धरनार्थियों पर करवाई का मांग किया है। वही थाना प्रभारी चिरंजीत प्रसाद ने जांच पड़ताल कर कार्रवाई करने की बात कही मामले को लेकर ग्राम स्वराज अभियान के संस्थापक सह आरटीआई कार्यकर्ता जगत महतो ने बताया कि ग्रामीणों के म्यूटेशन, ऑनलाइन रशीद काटने, ऑनलाइन सुधार, जमीन संबंधी ऑनलाइन प्रविष्टीकरण, जमीन विवाद में मापी आदि के लंबित मामलों को लेकर अंचल कार्यालय में आरटीआई आवेदन दिया गया था। आरटीआई एक्ट के तहत निर्धारित समय पर अंचल कार्यालय द्वारा सूचना उपलब्ध नहीं कराने पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समीप धरना दिया जा रहा है। जब तक सूचना नहीं मिलेगा तब तक धरना अनिश्चितकालीन जारी रहेगा।

जमीन की ऑनलाइन प्रविष्टि के लिए आवेदन दिया था पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी : शिवकुमार

धरने में बैठे लौहपिट्टी के शिवकुमार महतो ने बताया कि उन्होंने डेढ़ वर्ष पहले आपकी सरकार आपके द्वार योजना में जमीन का ऑनलाइन प्रविष्टीकरण के लिए आवेदन दिया था लेकिन अब तक उनका आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं किया गया।

जमीन की ऑनलाइन रसीद कटवाने के लिए आवेदन दिये थे जिस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है : विकास

हरिना बस्ती निवासी विकास रजवार ने कहा कि वर्ष 2022 में सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम में अपने जमीन का ऑनलाइन रसीद कटवाने के लिए आवेदन दिए थे जिस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं किया गया है। जमीन का नया पुराना खतियान भी है। इन्फॉर्मेशन भी है। पंजी-2 में भी चढ़ा हुआ है। 2012-13 तक ऑफलाइन रसीद भी कटा हुआ है। उसके बावजूद भी मेरा जमीन का ऑनलाइन रशीद निर्गत नही किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीओ से कई बार मिलने का कोशिश किये लेकिन सीओ का सुरक्षाकर्मी (सिक्योरिटी गार्ड) सीओ से मिलने नहीं देता है। इसके अलावा अन्य कई पंचायत के दर्जनों महिला पुरुष भी अपनी अलग-अलग शिकायतों को लेकर धरने में पहुंचे थे।

बच्चा सिंह का निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति : पूर्णिमा सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। रविवार को झरिया के पूर्व विधायक और झारखंड सरकार में पूर्व नगर विकास मंत्री बच्चा सिंह के देहावसन पर श्रद्धांजलि-सभा आयोजित की गयी। इस अवसर पर जननेता व समाजसेवक बच्चा सिंह को याद करते हुए वर्तमान विधायक झरिया ने कहा कि जिन्होंने झरिया ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड के मजदूर, किसान, आदिवासी व गरीब बहनों और भाइयों की सेवा में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा उनका निधन मेरे लिए एक व्यक्तिगत क्षति है, क्योंकि उन्होंने ही राजनीति में मेरा मार्गदर्शन किया। उनका प्यार, अभिभावकत्व और स्नेह ने ही मेरे लिए प्रेरणा पुंज की तरह काम किया है। उनकी कार्य-शैली ने मुझे जनता की आवाज बुलंद करने को प्रेरित किया। उन्होंने मुझे यह सिखाया कि कैसे गरीबों और कमजोरों की आवाज उठाकर उनके अधिकारों के लिए लड़ना है और उन्हें न्याय दिलाना है। झारखंड राज्य की स्थापना और विकास के लिए बच्चा सिंह के समर्पण और उनकी विरासत पर उन्होंने कहा कि बच्चा सिंह का जीवन एक मिसाल था। मैं उनकी परंपरा को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। उनकी अनुपस्थिति को किसी और माध्यम से नहीं बल्कि जनसेवा और जन-अधिकार की बात करके ही की जा सकती है। बच्चा सिंह जनता की समस्या को अपनी समस्या समझकर उसका निवारण करते थे।

उन्होंने कहा मैंने हमेशा से बच्चा सिंह के दिखाए हुए रास्ते पर चलने का प्रयास किया है और आगे भी उन्हीं रास्तों पर चलकर झरिया के लोगों की सेवा करती रहूंगी। मौके पर पूर्व उपमहापौर एकलव्य सिंह और अभिषेक सिंह के साथ समस्त सिंह परिवार मौजूद थे।

प्रेस क्लब की कार्यकारिणी ने ली शपथ

आजाद सिपाही सवांददाता

धनबाद। धनबाद प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को आइआइटी आइएसएस के गोल्डन जुबली हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर धनबाद के प्रभारी जिला और सत्र न्यायाधीश सुजीत कुमार सिंह, सिविल जज सीनियर डिवीजन राकेश रोशन, डीएसपी हेडक्वार्टर 1 शंकर कांति ने नई कार्यकारिणी को पत्रकारिता के उच्चतम मानकों और पत्रकारिता की अखंडता को बनाए रखने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान धनबाद के वरिष्ठ पत्रकार बनखंडी मिश्रा, सत्यभूषण सिंह, रंजन झा, अरुण तिवारी, जयदेव गुप्ता, सुबोध बिहारी कर्ण, अशोक वर्मा, सुभाष मिश्रा, संजय मिश्रा, अजय सिन्हा, बिनय शंकर झा, पंकज सिन्हा, अशोक झा, उमेश तिवारी, ब्रह्मा चौधरी तथा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए चुनाव पदाधिकारी बिजय पाठक एवं अभय कुमार भट्ट को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पत्रकार दीपक अंबष्ट, पत्रकार ज्ञान वर्धन मिश्रा, पत्रकार जीवेश रंजन सिंह, पत्रकार डॉ चंदन शर्मा, अशोक कुमार,

अमित सिन्हा, गणेश मिश्रा, राकेश पाठक, राकेश सिन्हा तथा प्रभाकर को भी सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजीव झा ने पत्रकार कल्याण कोष का गठन करने की घोषणा की। घोषणा होते ही ज्ञान वर्धन मिश्रा ने अपनी एक महीने की पेंशन राशि, गणेश मिश्रा ने एक महीने की सैलरी, राकेश पाठक ने 99 फाउंडेशन की ओर से 51000 रूपये, बिनय शंकर झा ने सिटी लाइफ की ओर से 21000 रुपये तथा धीरेंद्र राय ने 25000 रुपये कोष में देने की घोषणा की। समारोह में उपस्थित रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र लाल सोरेन ने नयी कमेटी को शुभकामनाएं दी। साथ ही कहा कि झारखंड के सभी जिलों के पत्रकारों को एकजुट होना होगा। इसके लिए एक बड़ा प्लेटफार्म तैयार किया जायेगा। कहा कि कोई पत्रकार छोटा या बड़ा नहीं होता। सभी पत्रकारों को समान दृष्टि से देखना चाहिए और उन्हें सम्मान देना चाहिए। उन्होंने नये पत्रकारों को अनुभवी पत्रकारों से कुछ सीखने की सलाह दी। समारोह में रांची प्लेस क्लब के महासचिव अमर कांत, धनबाद प्रेस क्लब के वरीय उपाध्यक्ष शशि भूषण राय, महासचिव अजय प्रसाद, उपाध्यक्ष प्रतीक पोपट, अमर प्रसाद, बलवंत कुमार, सुरेंद्र यादव, शरद चंद्र पांडेय, सचिव मोहन कुमार गोप, संजय चौरसिया, नवीन राय, राममूर्ति पाठक, चंदन पाल, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा के अलावा कार्यकारिणी के सदस्य विक्की प्रसाद, शांभवी सिंह, रोशन कुमार सिन्हा, विपिन कुमार रजक, गोपाल प्रसाद, शिल्पा सिंह व कन्हैया कुमार पांडेय के अलावा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार मौजूद थे।

जल जमाव की स्थिति देखने पहुंचे विधायक राज सिन्हा

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। धैया स्थित रानी बांध तालाब के सामने से मंडल बस्ती की ओर जाने वाले रोड पर जल जमाव की बदतर स्थिति से परेशान मंडल बस्ती के लोगों के साथ प्रभावित स्थल पर पहुंच कर विधायक राज सिन्हा ने स्थिति का जायजा लिया। मौके पर नगर आयुक्त रविराज शर्मा, उप नगर आयुक्त प्रकाश कुमार और आरसीडी के कार्यपालक अभियंता को प्रभावित क्षेत्र पर एकत्रित कर समस्या को परमानेंट खत्म करने पर कई बिंदुओं पर चर्चा हुई और समस्या को पूर्णतः समाप्त करने पर पक्की योजना बनाने को कहा। समस्या को जल्द दूर करने के लिए सुबह से लगातार संबंधित विभागों से बातचीत का दौर जारी हैं। इसी क्रम में आइएसएम के डिप्टी डायरेक्टर से बात कर सरायढेला स्थित आइएसएम के मुख्य द्वार से मंडल बस्ती होते हुए रानी बांध धैया की ओर जाने वाले रास्ते का जीर्णोद्धार, स्ट्रीट लाइट व रास्ते में बढ़ गये झाड़-झंखाड़ को जल्द से जल्द साफ करवाने को कहा। कुछ ही घंटों में आइएसएम द्वारा साफ-सफाई का कार्य प्रारंभ भी कर दिया गया। नगर निगम के उप नगर आयुक्त से बात कर तत्काल पंप लगाकर जमे हुए बरसात के पानी को बाहर निकलने की लिए कहा, कुछ ही देर बाद नगर निगम के द्वारा भी 2 पम्प लगाकर पानी निकलने का मौके पर सैकड़ो ग्रामीण भी उपस्थितथे।

निरसा में नहीं थम रहा अवैध कोयले का काला कारोबार

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। निरसा अनुमंडल में कोयले का अवैध साम्राज्य कायम हो गया है। निरसा, मुगमा, पंचैत, कालूबथान, चिरकुंडा में लगातार कोयले का अवैध कारोबार धड़ल्ले से जारी है, इसका मास्टरमाइंड यादव सारे काम को मैनेज कर अंजाम देने में लगा है। पुलिस, टास्कफोर्स, सीआइएसएफ का नहीं रह गया है कोई खोफ, जानकारों की माने तो तेतुलियां स्थित भट्ठो में ट्रकों द्वारा अवैध कोयले को पहुंचाया जा रहा है। तथा बॉर्डर से बंगाल रातों-रात गाड़ियों को भेजा जा रहा है। आपको बताते चलें कि निरसा में पिछले साल भी कई जगह अवैध माइंस धड़ल्ले से चलाई जा रहे थे, जिसमें एक बड़ा हादसा भी घटित हुआ था, जिसमें कई लोग मारे गये थे। इस पर रांची की टीम भी घटनास्थल पर जांच करने के लिए पहुंची थी, उस समय मुख्यमंत्री का भी सख्त आदेश था कि अवैध माइंस को जल्द से जल्द बंद किया जाए। लेकिन उन सभी को दरकिनार करते हुए इस वर्ष भी बिना रोक-टोक निरसा में धड़ल्ले से जारी है अवैध कोयले का कारोबार। चिरकुंडा थाना क्षेत्र बना कोयला चोरी का सेफ जोन, थाना क्षेत्र के डुमरकुंडा, डुमरीजोड़, बूटबाड़ी मे कोयला चोरो ने एक रिफैक्ट्री मे कोयला भंडारण कर सेफ गेम खेल रहे हैं। वहीं इस सिंडीकेट को एस ओसाल, अमन, धीरज, सन्नी, शाहरुख, पश्चिम बंगाल का बंटी, आदिल सहित बंगाल और झारखंड की नामचीन कोयला चोर संयुक्त रूप से चला रहे हैं। और पुलिस प्रशासन इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुये है।

ग्रामीणों ने दिया धरना

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। लोयाबाद रेलवे साइडिंग में हो रही समस्या को लेकर ग्रामीणों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया। वहां रह रहे ग्रामीणों द्वारा बार-बार प्रबंधन के खिलाफ शिकायत के बावजूद ध्यान नहीं देने पर ग्रामीणों ने नारेबाजी कर अपना रोष जाहिर किया। इस मोर्चे के अध्यक्ष और संयोजक ने बताया कि 10 दिन पूर्व रेलवे प्रबंधक को पत्र दिया गया था, और इसके पूर्व भी हमारे द्वारा नियंत्रित पत्र के माध्यम से डीआरएम आगरा से यहां की समस्याओं से अवगत कराया गया परंतु प्रबंधक ग्रामीणों को नजर अंदाज करते हुए, अपने कार्य को प्राइवेट ठेकेदारों के द्वारा मनमाने तरीके से करने का जो षड्यंत्र रच रही है, इसके खिलाफ ग्रामीणों में काफी रोष दिख रहा है। अगर प्रबंधन जल्द से जल्द ग्रामीणों की मांगों पर अमल नहीं करती है तो ग्रामीण आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिसकी सारी जवाब देही प्रबंधन की होगी। इस मौके पर पूनम प्रसाद, गायत्री देवी, जोशना देवी, सुनीता देवी, सोनी देवी, उषा देवी, गीत देवी, किरण खातून, मुन्नी देवी, प्रीति देवी, विजय यादव, विशाल चौधरी, अविनाश कुमार, सुबोध यादव, जितन बाउरी, आकाश बाउरी, महताब कुरेशी, राजा खान, मनोज प्रजापति मौजूद थे।

मारवाड़ी यूथ ब्रिगेड का रक्तदान शिविर

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। मारवाड़ी यूथ ब्रिगेड के तत्वाधान में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन कैलाश हॉस्पिटल, बरटांड में किया गया। जिसमें कुल 36 यूनिट रक्तसंग्रह एसएनएमसीएच की टीम द्वारा किया गया और उसे हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में दिया गया। शिविर में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल, सचिव अरविंद सतनालिका, पूर्व अध्यक्ष सह कार्यक्रम संयोजक कुलदीप अग्रवाल, डॉ आशीष बजाज, डॉ नेहा बजाज और हॉस्पिटल प्रबंधन का अहम योगदान रहा। मौके पर महेंद्र अग्रवाल, दीपक रुइया, उत्तम बुकानिया, दीपक गुप्ता, रोहित गुप्ता, विनय अग्रवाल, राजेश रिटोलिया, प्रवीण अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, शेखर शर्मा, अमन बुकानिया, विवेक रूंगटा, मोहन अग्रवाल, अजय गर्ग, ललित झुनझुनवाला, आरबी गोयल, संजय मोर, अमित अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

धनबाद (आजाद सिपाही)। जोराफाटक रोड स्थित छोटा गुरुद्वारा में समाजसेवी हरेंद्र सिंह ने स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉक्टरों की एक टीम ने समुदाय आधारित मूल्यांकन चेकलिस्ट फॉर्म भर कर विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच की। दवाइयों का भी निःशुल्क वितरण किया। समाजसेवी हरेंद्र सिंह ने इस शिविर के सफल आयोजन के लिए गुरुद्वारा प्रबंधन समिति, डॉक्टरों की टीम और वहां उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त कर भविष्य में भी ऐसे शिविरों का आयोजन कर समुदाय की सेवा में योगदान देने का संकल्प लिया।

राजकमल स्कूल में लगी पुलिस की पाठशाला

बच्चों को पढ़ाया गया सफलता का पाठ

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। जन जागरुकता अभियान के तहत धनबाद पुलिस की अनोखी मुहिम पुलिस की पाठशाला लगातार जारी है। इसी अभियान के तहत बैंक मोड़ थाना अनंगर्त राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में धनबाद पुलिस विभाग की तरफ से जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। अभियान के तहत राजकमल स्कूल के छात्र-छात्राओं के साथ यातायात नियमों, साइबर सुरक्षा, महिला और बाल सुरक्षा, नशे से बचाव और घरेलु हिंसा से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गयी। पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन मौजूद रहे। अभियान के तहत पुलिस विभाग के वरीय अधिकारियों ने राजकमल के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्हें कानून के विभिन्न पहलुओं से जागरुक कराया। एसएसपी महोदय हृदीप पी जनार्दनन ने शिविर को संबोधित करते हुए समाज को सुरक्षित बनाने के लिए छात्रों से जागरुक रहने की अपील की और देश में लागू हुए तीन नये कानूनों की जानकारी भी दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि धनबाद पुलिस जनता की सुरक्षा को लेकर हमेशा ही गंभीर रही है। यही वजह है कि पुलिस की हर मुहिम को समाज के हर वर्ग का निरंतर सहयोग मिलता रहा है और ऐसे में अगर विद्यार्थी अपने अधिकार और कर्तव्यों को लेकर सजग रहेंगे तो काफी हद तक समाज से बुराईयों को खत्म किया जा सकता है। एसएसपी महोदय ने कहा कि सफलता की शुरूआत अनुशासन से ही होती है लिहाजा छात्रों को एक बेहतर नागरिक की मिसाल पेश करनी होगी तभी जीवन के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। अपने संबोधन में वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यदि पुलिस के द्वारा किए जा रहे सकारात्मक एवं रचनात्मक कार्यों से छात्र- छात्राओं को जोड़ दिया जाए तो इसके दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। छात्र-छात्राओं को जिस तरह की शिक्षा दी जायेगी उनका भविष्य निर्माण भी उसी प्रकार होगा। यही वजह है कि साइबर अपराध के शिकार होने से बचाव, नशे से दूरी, यातायात नियमों की जानकारी समेत आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए धनबाद पुलिस ने विशेष पहल करते हुए पुलिस की पाठशाला अभियान के लिए स्कूलों और कॉलेजों को चुना है। एसएसपी महोदय ने बच्चों से पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद व सेहत की तंदरुस्ती पर भी ध्यान देने को कहा' अपने छात्र जीवन के निजी अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने असफलताओं से डटकर मुकाबला करने की सलाह दी। एसएसपी महोदय ने वहां मौजूद छात्र-छात्राओं को सुरक्षा की गारंटी देते हुए कहा कि कभी भी किसी तरह की समस्या पर वे सीधे पुलिस से डायल 112 के जरिए संपर्क कर सकते हैं, पुलिस की टीम ससमय मदद को पहुंचेगी। साइबर अपराध के शिकार होने पर उन्होंने 1930 डायल कर शिकायत दर्ज कराने को कहा कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय संदीप गुप्ता ने साइबर अपराध के बढ़ते खतरे को देखते हुए अपने संबोधन में कहा कि इंटरनेट व मोबाइल द्वारा दिए हुए किसी भी लालच में न आएं और कोई भी अनजान वेबसाइट व अन्य लिंक पर क्लिक न करें। उन्होंने मोबाइल व इंटरनेट के अनावश्यक इस्तेमाल से बचने की अपील करते हुए बच्चों को यथासंभव मोबाइल के कम उपयोग की बात कही' उन्होंने बच्चों से अपील करते हुए कहा कि सभी बच्चे अपने सोशल मीडिया ऐप को सुरक्षित रखें और पासवर्ड समय समय पर बदलते रहें। पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम में एसएसपी हृदीप पी जनार्दनन, डीएसपी मुख्यालय संदीप गुप्ता, डीएसपी ट्रैफिक अरविंद सिंह, बैंक मोड़ थाना प्रभारी लव कुमार, राजकमल के प्रिंसिपल एस के मिश्रा समेत कई शिक्षक और सैकड़ो की संख्या में स्कूल के बच्चे मौजूद थे।

आयुष फाउंडेशन धनबाद का ड्राइंग कांपीटिशन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। रविवार को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सरायढेला स्थित श्री जगन्नाथ हॉस्पिटल में आयुष फाउंडेशन धनबाद द्वारा भव्य ड्राइंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के लगभग 120 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनको उनकी उम्र के अनुसार अलग-अलग वर्गों में विभाजित किया गया था, जिससे सभी को अपने हुनर को प्रदर्शित करने का समान अवसर मिल सका। प्रतियोगिता के निर्णायक अनन्या दत्ता और मुकेश कुमार ने बच्चों की कला का मूल्यांकन किया। सभी वर्गों में प्रथम, द्वितीय, और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सृजन अकादमी की ओर से प्रमाण पत्र और आयुष फाउंडेशन की ओर से ट्रॉफी प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त, सभी प्रतिभागियों को पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट भी वितरित किए गये। श्री जगन्नाथ हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर एनएम दास ने आयुष फाउंडेशन धनबाद के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि हॉस्पिटल भविष्य में भी संस्था का सहयोग करता रहेगा। कार्यक्रम में उपस्थित उपाध्यक्ष गणेश शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को निखरने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में सचिव अर्पिता अग्रवाल, उपाध्यक्ष गणेश शर्मा, उपसचिव कुमार प्रशांत, कोषाध्यक्ष धीरज गुप्ता, हीना दास, ममता सिंह, प्रकाश विश्वकर्मा और हॉस्पिटल के स्टाफ के सदस्य भी उपस्थित थे।

मोहन चरण माझी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री से फोन पर बात की

- ओडिशा को आलू की आपूर्ति सामान्य करने का किया अनुरोध
- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कार्रवाई करने का वादा किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से टेलीफोन पर बात की और आलू आपूर्ति की समस्या का समाधान करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में आपसे चर्चा के बाद ओडिशा को आलू की आपूर्ति सामान्य हो गयी, लेकिन कुछ दिनों बाद आलू की सप्लाई में दिक्कत आने लगती है। इसलिए मुख्यमंत्री माझी ने इस पर ध्यान देने और समस्या के समाधान के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस दिशा में उचित कदम उठाने का वादा किया।

बांग्लादेश संकट के बाद ओड़िशा सरकार की नजर फेरीवालों पर

कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राज्य में घुसपैठियों की पहचान की जायेगी। बांग्लादेश संकट के बाद राज्य सरकार फेरीवालों की निगरानी कर रही है। ओडिशा में विभिन्न कार्यों में लगे मजदूरों और फेरीवालों की जल्द ही पहचान की जायेगी। जिनके पास पहचान पत्र नहीं हैं, उन्हें घर वापस भेज दिया जायेगा। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने यह जानकारी दी। उनमें से कुछ जो अलग-अलग समय पर उनका अनुसरण करने के एकमात्र इरादे से आये हैं, वे फेरीवालों के रूप में कार्य कर रहे हैं। इन अवैध अप्रवासियों की पहचान कर उन्हें उनके देश वापस भेजा जायेगा।

लक्ष्मण सिंह ने ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनवार, गिरिडीह। पूर्व आइजी सह भाजपा नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह रविवार को धनवार प्रखंड गादी पंचायत के कई गांवों का दौरा कर लोगों से मिले। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना और समाधान का आश्वासन दिया। आदर्श ग्राम गादी टोला पहाड़िया पड में 100 केवीए ट्रांसफार्मर का लोकार्पण कर अंधेरे में जी रहे लोगों के बीच समर्पित किया। बता दें कि यहां पिछले कई सप्ताह पूर्व लगा हुआ ट्रांसफार्मर जल गया था, जिससे यहां के लोग अंधेरे में जीने को विवश थे। बच्चों को पढ़ाई और किसानों को सिंचाई में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसकी जानकारी स्थानीय ग्रामीणों ने लक्ष्मण प्रसाद सिंह को दी। उन्होंने तत्काल बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों से बात कर वहां जले हुए ट्रांसफार्मर को अविलंब बदलने का आग्रह किया। इसके बाद रविवार को ही वहां नया 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा दिया गया।

मौके पर लक्ष्मण सिंह ने कहा कि धनवार विधानसभा क्षेत्र में ट्रांसफार्मर जलने पर अक्सर लोग उनसे संपर्क करते हैं और वे तत्काल पहल करते हुए विभागीय पदाधिकारियों से बात कर उनकी समस्या का समाधान भी करवाते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को कोई भी समस्या हो तो मुझे बेझिझक फोन कर सकते हैं। उनकी समस्याओं का समाधान के लिए वे सदैव तत्पर खड़े हैं।

मौके पर नकुल राय, अजीत भोक्ता, परमानंद राय, उपेंद्र राय, श्रीकांत पांडे, लालजीत राय, प्रवीण राय, महेश राय, संतोष पंडित, नारायण साव, तुलसी पंडित, प्रसादी तुर्री समेत दर्जनों लोगों उपस्थित थे।

पांडियन हेलीकॉप्टर की जांच की जायेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पांडियन हेलीकॉप्टर की जांच की जायेगी। एक सचिव को हेलीकॉप्टर में घूमने की इजाजत किसने दी? हेलीपैड के निर्माण का आदेश किसने दिया? यह खर्च कैसे किया गया, यह जांच का विषय होगा। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि जांच की जायेगी और सजा दी जायेगी। उनके हेलीपैड का ऑर्डर सरकार ने दिया था और हेलीपैड सरकारी खर्चे पर बनाया गया था। पांडियन ने लगभग 400 से 450 स्थानों की यात्रा की है। हेलीपैड के निर्माण में सरकारी खजाने से हुए खर्च की जांच करायी जायेगी। निर्देश किसने और कैसे दिये? विभागीय सचिव जिनके पास हेलीकाप्टर व्यवहार करना प्रावधान नहीं है, सरकार ने अनुमति कैसे दे दी, हेलीकॉप्टर को उतारने की प्रक्रियायें पूरी की गयी, इन सभी की जांच की जायेगी। मंत्री ने कहा कि इसकी जांच की जायेगी और कार्रवाई की जायेगी।

कमिश्नरेट पुलिस ने 'सुरक्षित शहर अभियान' तेज किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। कमिश्नरेट पुलिस ने नशे में गाड़ी चलाने पर नजर रखने और दुर्घटनाओं के साथ-साथ मौतों पर अंकुश लगाने के लिए ओडिशा की राजधानी में 'सुरक्षित शहर अभियान' तेज कर दिया है।

पुलिस आयुक्त संजीव पांडा और डीसीपी प्रतीक सिंह की प्रत्यक्ष निगरानी में, भुवनेश्वर के पुलिस स्टेशनों, अर्थात नयापल्ली, इंफोसिटी, मैत्रीबिहार, सीएस पुर, नांदनकना ट्रैफिक पीएस के द्धारा प्रवर्तन अभियान चलाया गया।

इस अभियान की योजना पुलिस उपायुक्त प्रतीक सिंह डीसीपी के नेतृत्व में सावधानीपूर्वक बनायी गयी और उसे क्रियांवित किया गया। बीबीएसआर यूपीडी ने बल की 5 प्लाटून का उपयोग करके भुवनेश्वर में दर्जनों संवेदनशील बिंदुओं को निशाना बनाया।

अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने के आरोप में कुल 86 वाहन जब्त किये गये। बीबीएसआर-ट्रैफिक पुलिस स्टेशन-क और ट्रैफिक पुलिस स्टेशन-कक्क ने 53 वाहन जब्त किये, जिनमें 13 दोपहिया और 40 चार पहिया वाहन शामिल हैं।

इस अभियान में टाटा हैरियर, हुंडई वरना, किआ सेल्टोस, टाटा नेक्सन, किआ सोनेट, हुंडई ऑरा, हुंडई क्रेटा, मारुति ग्रैंड विटारा, स्कॉर्पियो, ब्रीजा आदि वाहन जब्त किये गये हैं। कमिश्नरेट पुलिस यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है और उल्लंघनकर्ताओं को रोकने के लिए इस तरह के अभियान जारी रखेगी।

ढेंकनाल हाइवे पर केमिकल से लदे ट्रक में लगी आग

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। ढेंकनाल जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-55 पर आनंद नगर के पास रविवार सुबह केमिकल ले जा रहे एक ट्रक में आग लग गयी। आशंका जतायी जा रही है कि आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट है। ट्रक ओडिशा के पारादीप से मुंबई आ रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई जा रहे केमिकल से भरे ट्रक में डीजल टैंक के पास अचानक आग लग गयी। स्थानीय लोगों और दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझायी। ट्रक का चालक भागने में सफल रहा।

मवेशी माफिया ने पुलिस पर चलायी गोलियां

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। क्योंझर पुलिस पर मवेशी माफियाओं ने की फायरिंग। क्योंझर पंडापड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस और मवेशी माफियाओं के बीच झड़प हो गयी। बदमाशों ने मवेशी गाड़ी रोकने के दौरान फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक मवेशी माफिया गंभीर रूप से घायल हो गया है। मवेशियों से लदे 3 पिकअप ट्रक को जब्त कर लिया गया। वहीं बताया गया है कि घटना में शामिल दो आरोपी फरार हो गयी। पुलिस घटना की जांच जारी रखे हुए है।

बलांगीर में महिलाओं से दुर्व्यवहार करने के आरोप में पंचायत कार्यकारी अधिकारी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बलांगीर जिले के सैंतला ब्लॉक में पंचायत कार्यालय के अंदर एक महिला के साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार करने के आरोप में पंचायत कार्यकारी अधिकारी (पीईओ) को शनिवार रात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पीईओ की पहचान अक्षय कुमार मोहंती के रूप में हुई है। वह सैंतला ब्लॉक के डेंगा पंचायत में तैनात हैं। पीड़िता के पति ने पंचायत कार्यालय में हुई घटना के संबंध में पीईओ के खिलाफ सैंतला थाने में शिकायत दर्ज करायी है।

बाद में पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आरोपी पीईओ को गिरफ्तार कर लिया। सीसीटीवी फुटेज में व्यक्ति महिला के साथ दुर्व्यवहार करता नजर आ रहा है और पूरी घटना कैमरे में कैद हो गयी है।

टिटलागढ़ एसडीपीओ अंकिता कुंभार ने बताया कि पीईओ के खिलाफ उनके चैंबर में एक महिला के साथ बदसलूकी करने की शिकायत दर्ज करायी गयी थी। इसके आधार पर हमने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

गंजम के जंगल से मानव खोपड़ी और हड्डियां बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

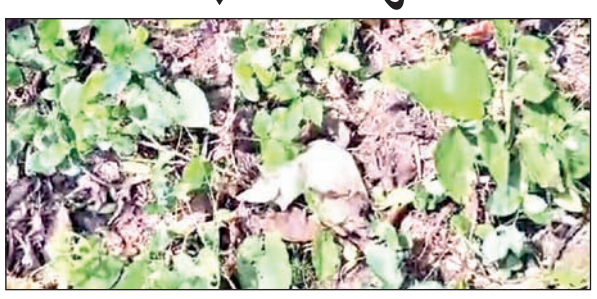

भुवनेश्वर। गंजम जिले के पद्मपुर पंचायत के अंतर्गत निकटवर्ती जंगल में रविवार सुबह ब्रुंदबनपुर गांव के निवासियों ने एक मानव खोपड़ी और कुछ हड्डियां देखीं।

ग्रामीण किसी काम से जंगल में गए थे, तभी उन्होंने जंगल में मानव खोपड़ी और हड्डियां देखीं और तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस वैज्ञानिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आगे की तलाशी में मानव खोपड़ी और हड्डियों के साथ-साथ उन्हें एक साइकिल भी मिली और बाद में सभी वस्तुओं को जब्त कर लिया और जांच के लिए फोरेंसिक विभाग भेज दिया।

पुलिस ने बताया कि वैज्ञानिक टीम और एफएमटी जांच के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह हत्या है या आत्महत्या।

ओडिशा के बासुदेवपुर से 6 संदिग्ध बांग्लादेशी घुसपैठिया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। संदिग्ध अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुये बासुदेवपुर के ग्रामीणों ने रविवार को हाई स्कूल छक के निकट छह व्यक्तियों को बांग्लादेशी नागरिक के रूप में पकड़ लिया।

रिपोर्ट के अनुसार, कुछ स्थानीय लोगों ने बासुदेवपुर बाजार क्षेत्र में एक ऑटो में छह लोगों को देखा और संदेह होने पर उनसे पूछताछ की। वे लोग अपनी पहचान और पते के बारे में संतोषजनक जवाब देने में विफल रहे। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना बासुदेवपुर पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस बाजार क्षेत्र में पहुंची और आगे की पूछताछ के लिए उन्हें हिरासत में ले लिया। ओडिशा पुलिस ने बताया कि भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और ओडिशा मरीन पुलिस द्वारा तटीय क्षेत्र में तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य की 480 किलोमीटर लंबी तटीय रेखा तीन स्तरीय सुरक्षा घेरे में है।

ओडिशा के सात जिलों में कुल 3,740 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान की गई है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि इनमें से 1,649 केंद्रपाड़ा में और 1,112 जगतसिंहपुर में और 655 मलकानगिरी में हैं।

झारखंड वासियों को पवित्र सावन के चतुर्थ सोमवार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
भगवान भोलेनाथ
आपकी सारी मनोकामना पूर्ण करे
मनमोहन गुप्ता
भाजपा नेता सह
अध्यक्ष शहीद भगत सिंह चौक पतरातू,
राम जानकी मंदिर पतरातु बाजार, पतरातू प्रखंड
अध्यक्ष रौनियार वैश्य महासभा,
संरक्षक बूचा बांध समिति पतरातू

JAISWAL CCTV
आपके शहर राँची में
अपने घर ऑफिस दुकान में लगाऐं
CCTV कैमरा कचहरी चौक, राँची
4 कैमरे का सेट अब सिर्फ 14999/-
2 कैमरे का सेट अब सिर्फ 9999/-
अभी कॉल करे 9162992862
स्टेट बैंक के सामने कचहरी चौक, राँची - 834001

THIRD EYE CLINIC
ADVANCE PHACO LASER EYE CARE CENTRE
Contact For More Details
DR. VISHAL CHOUDHARI
OPHTHALMOLOGIST
Mob - 7003381944, 9431594628
NH- 33 Near Madarsa, Irba, Ranchi - 835219
Branch 2 : Sri Sai General Store, Dipatoli, Ranchi -9

DAS MUSICAL STORES
DAS RUBBER STAMP
Wholesale & Ratails
Dealers of all Musical Instruments
Mob.: 9835164815/ 8825354800/7250933033
MAIN ROAD, RANCHI, OPP. HANUMAN MANDIR
KOKAR , H.B. ROAD, OPP. R.L.S.Y. SCHOOL , RANCHI

रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता
ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • अंक शास्त्र
पंडित शशि कांत मिश्रा
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट-भुतपूर्व वारगेन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
• Hindi	₹ 140	• Hindi	₹ 140
• English	₹ 140	• English	₹ 140
• Mathematics	₹ 140	• Mathematics	₹ 140
• Science	₹ 140	• Science	₹ 140
• Social Science	₹ 140	• Social Science	₹ 140
• Sanskrit	₹ 120	• Sanskrit	₹ 120
• Hindi – B	₹ 140	• Hindi – B	₹ 80
• Hindi Vyakaran– II	₹ 120	• Hindi Vyakaran– II	₹ 120
• English Grammar– II	₹ 120	• English Grammar– II	₹ 120
• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
• Hindi Practical	₹ 55	• Hindi Practical	₹ 55
• English Practical	₹ 55	• English Practical	₹ 55
• Maths. Practical	₹ 65	• Maths. Practical	₹ 55
• Science Practical	₹ 65	• Science Practical	₹ 70
• S. Science Practical	₹ 65	• S. Science Practical	₹ 65
• Sanskrit Practical	₹ 55	• Sanskrit Practical	₹ 55
• Maths. Practical (Combined)	₹ 90	• Maths. Practical (Combined)	₹ 75
• Science Practical (Combined)	₹ 90	• Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
• Mathematics	₹ 200	• Mathematics	₹ 130
• Science	₹ 200	• Science	₹ 200
• Social Science	₹ 200	• Social Science	₹ 130
• Maths. Practical	₹ 80	• Maths. Practical	₹ 80
• Science Practical	₹ 80	• Science Practical	₹ 80
• S. Science Practical	₹ 80	• S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**